www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, मंगलवार, 6 मई, 2025 | वर्ष-18 | अंक -30 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

जातीय जनगणना वक्त की मांग 02

■ महंगाई में बढ़ोतरी कर गरीब व मध्यम वर्ग की...
■ बुजुर्गों को मनोरंजन व खेल सुविधाएं की जाएंगी ... 03

■ पहलगाम हमले के खिलाफ भारत के साथ किया समर्थन व्यक्त
■ गाजा पर आक्रमण के लिए इजरायल ने रिजर्व सैनिकों ... 07

बॉलीवुड की 'शेट्टी सिस्टर्स' ने चैलेंज ... 10

गृह मंत्रालय ने राज्यों को दिए निर्देश

देशभर में 7 मई को मॉक ड्रिल

इन बातों पर जोर दिया जाएगा

- हवाई हमले के अलर्ट के वक्त सायरन बजाना
- हमलों के वक्त सुरक्षा के लिए ट्रेनिंग देना
- हमले के वक्त ब्लैक आउट करना
- महत्वपूर्ण संयंत्रों को हमले के वक्त छिपाना

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा तैयारियों को लेकर बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत, हमले में मारे गए 26 नागरिकों के जवाब में कड़ा रुख अपनाने की तैयारी कर रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मॉक ड्रिल के तहत महत्वपूर्ण गतिविधियां की जाएंगी। इस दौरान एयर रेड वार्निंग सायरनों का संचालन होगा। यह बड़े खतरे और दुश्मन की गतिविधियों को लेकर अलर्ट जारी करने से जुड़ा कदम है। नागरिकों और छात्रों को संभावित हमलों की स्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक नागरिक सुरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी। इसके तहत दुश्मन की हवाई निगरानी या हमले से शहरों और ढांचों को छिपाने के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किया जाएगा। महत्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमुफ्लाजिंग की जाएगी, जो राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक मानक युद्धकालीन उपाय है।

सुरक्षा तैयारियों को लेकर कदम उठाया

1971 में किया गया था ऐसा मॉक ड्रिल

इससे पहले इस तरह का अभ्यास 1971 में किया गया था, जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। ऐसे समय में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश काफी अहम है।

पुतिन ने पीएम मोदी से की फोन पर बात, कहा

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में रूस भारत के साथ

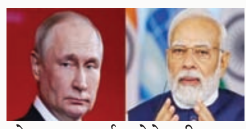

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जरगर ने करवाया था पहलगाम में आतंकी हमला !

■ जोगेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ रही है हैरान कर देने वाले खुलासे हो रहे है। ऐसा लगता है कि भारत के दुश्मन और पाकिस्तान में छिपे सभी कुख्यात आतंकवादियों ने कोई ना कोई भूमिका निभाई है। जांच एजेंसी एनआईए सूत्रों का कहना है की कंधार हाइजैक केस में मौलाना मसूद अजहर के साथ रिहा हुए आतंकी मुश्ताक अहमद जरगर उर्फ मुश्ताक लट्रम की पहलगाम हमले में संदिध भूमिका की जांच की जा रही है। ओवर ग्राउंड वर्कर्स से पूछताछ के दौरान

जरगर का नाम सामने आया है। जानकारी के मुताबिक मुश्ताक अहमद जरगर के समर्थकों ने पहलगाम हमले के ओवर ग्राउंड वर्करों की मदद की। जरगर के निर्देश पर ओवर ग्राउंड वर्करों ने आतंकी हमले में लॉजिस्टिक मदद की थी। **शेष पृष्ठ दो पर...**

पाकिस्तान को पानी के लिए तरसाना किया शुरू

चिनाब को पहली बार पैदल पार कर रहे लोग

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 5 मई (देशबन्धु)। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद अब पाकिस्तान पर पानी वाला परमाणु बम फोड़ कर पाकिस्तान को बूंद बूंद पानी के लिए तरसाना शुरू कर दिया है। यह सच है कि चिनाब नदी के सलाल प्रोजेक्ट द्वारा नदी का पानी रोक दिए जाने के कारण अखनूर चिनाब नदी का जलस्तर काफी कम हो गया है जो इतिहास में अब तक मापी गई सबसे कम जल मात्रा है। इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कुछ स्थानों पर स्थानीय लोग पैदल ही चिनाब दरिया को पार कर रहे हैं तो दूसरी ओर पाकिस्तान में पानी की आवाजाही रुक गई है, जिसमें भारत सरकार की कूटनीति देखी जा रही है।

सिंधु जल संधि को स्थगित करने के क्रम में भारत ने चिनाब दरिया के सभी बांधों से पानी को रोक कर पानी को पाकिस्तान में बहने से रोक दिया है। भारत सरकार ने सिंधु जल संधि तोड़ने के करीब 10 दिनों के भीतर यह कदम उठाया है। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत को चिनाब नदी से मिलने वाले पानी में भारी कटौती हो सकती है।

सार संक्षेप

सीबीआई के नए निदेशक के चयन के लिए हुई बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नये निदेशक का नाम तय करने के लिये सोमवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय में आयोजित इस बैठक में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुए। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 25 मई को समाप्त हो रहा है।

भारतीय सेना का मनोबल गिरा रहे कांग्रेस नेता: सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक तरफ जहां भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव की स्थिति है तो दूसरी ओर देश में सियासत गर्म है। विपक्षी दलों के बयानों पर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बड़ा हमला बोला है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव है। पाकिस्तान सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है, वहीं कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता सेना को निशाना बनाकर बयानबाजी कर रहे हैं।

मोहम्मद शमी को जान से मारने की धमकी

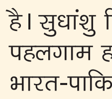

अमरोहा। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को जान से मारने की धमकी दी गई। धमकी मेल के जरिए मिली है। इस मामले में मोहम्मद शमी के भाई हसीब ने अमरोहा पुलिस को एफआईआर के लिए तहरीर दी है। अमरोहा एसपी के आदेश पर अमरोहा साइबर सेल में घटना की एफआईआर दर्ज कर ली है।

राहुल गांधी की नागरिकता मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने केस किया बंद

इलाहाबाद, 5 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राहुल गांधी को ब्रिटिश नागरिक बताने वाले केस को बंद कर दिया है। कोर्ट ने कहा- राहुल की नागरिकता की रिपोर्ट केंद्र सरकार पेश नहीं कर पाई।

कोर्ट ने कहा- केवल रिपोर्ट के इंतजार में याचिका को लंबित नहीं रखा जा सकता। जब भी रिपोर्ट केंद्र सरकार को प्राप्त होती है, तो याचिकाकर्ता को

केंद्र सरकार ने कहा, संबंधित देश जवाब नहीं दे रहा

उसकी एक प्रति उपलब्ध कराएं और उसे कोर्ट में भी प्रस्तुत करें। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि यह मामला दो देशों के बीच की संवेदनशील जानकारी से जुड़ा है। संबंधित देश को कई रिमाइंडर भेजे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है, इसलिए कुछ और समय दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल इस याचिका की सुनवाई पूरी की जा रही है। याचिकाकर्ता को यह स्वतंत्रता है कि वह नागरिकता से संबंधित किसी भी अन्य फोरम या कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है।

केसी वेणुगोपाल पीएसी के अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को लोक लेखा समिति (पीएसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पीएसी का गठन गत 01 मई से प्रभावशील हुआ है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक श्री वेणुगोपाल अप्रैल-2026 तक अध्यक्ष बने रहेंगे। पीएसी सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित संसदीय समिति है, जिसका पुनर्गठन हर साल किया जाता है ताकि सरकारी व्यय के लिए संसद द्वारा अनुमोदित निधियों के विनियोजन का विवरण देने वाले खातों और स्वायत्त और अर्ध-स्वायत्त निकायों के खातों के रूप में संसद के समक्ष रखे गए ऐसे अन्य खातों की जांच की जा सके।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में 15 को सुनवाई

केंद्र सरकार ने कहा, 12 साल में वक्फ संपत्ति 20 लाख एकड़ बढ़ी

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई 15 मई को होगी। इससे पहले 17 अप्रैल को कोर्ट ने केंद्र को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया था। साथ ही अगली सुनवाई तक वक्फ बोर्ड में नई नियुक्तियों पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र का जवाब आने तक वक्फ घोषित संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने को कहा था। केंद्र ने 25 अप्रैल को दायर हलफनामे में कहा कि कानून पूरी तरह संवैधानिक है। यह संसद से पास हुआ है, इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। 1332 पन्नों के हलफनामे में सरकार ने दावा किया 2013 के बाद से वक्फ संपत्तियों में 20 लाख एकड़ से ज्यादा का इजाफा हुआ। इस वजह से कई बार निजी और सरकारी जमीनों पर विवाद हुआ।

याचिकाकर्ता ने सरकार के आकड़े को गलत बताया

झूठा हलफनामा देने वाले पर कार्रवाई की मांग

वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने सरकार के आंकड़ों को गलत बताया और कोर्ट से झूठा हलफनामा देने वाले वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की। नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 70 से ज्यादा याचिकाएं दायर हुई हैं, लेकिन कोर्ट सिर्फ पांच मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई करेगा।

नया कानून अप्रैल में राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद लागू हुआ था। लोकसभा में 288 और राज्यसभा में 128 सांसदों ने इसका समर्थन किया था। कई विपक्षी पार्टियों ने इसका विरोध किया और सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

जज कैश मामला

कमेटी ने सीजेआई को सौंपी जांच रिपोर्ट

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए गठित न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दी है। उच्चतम न्यायालय की विज्ञप्ति के अनुसार, समिति ने चार मई को अपनी रिपोर्ट दी। समिति ने तीन मई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया था। रिपोर्ट की विषय-वस्तु और निष्कर्ष अभी तक उजागर नहीं किए गए हैं। इस समिति में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनु शिवरामन शामिल हैं।

आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म हो : कांग्रेस

निजी शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण लागू किया जाए

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु) कांग्रेस ने कहा है कि सरकार को निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू कर देश में आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद, अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेश लिलोथिया तथा आदिवासी विभाग के अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को निजी शिक्षण संस्थानों में कमजोर वर्गों के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल कर उन्हें आरक्षण देना चाहिए और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करनी चाहिए।

डॉ जयहिंद ने कहा, हमारे देश में जब मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री और अर्जुन सिंह जी शिक्षा मंत्री थे तब संविधान में 93वां संशोधन हुआ जिसमे एक अनुच्छेद 15(5) बना जिसके तहत दलितों, आदिवासियों तथा सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान हुआ। उस समय सरकारी संस्थानों में ये आरक्षण लागू हो गया ,लेकिन निजी संस्थानों के लोग इसे कोर्ट में ले गए, जहां ये मामला चलता रहा है।

वंचित-शोषित वर्ग को शिक्षा का लाभ झनहीं मिल रहा

उन्होंने कहा, जनवरी 2014 में ये तय किया गया कि सरकार निजी शैक्षणिक संस्थानों में दलितों, आदिवासियों और सामाजिक व शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्गों को आरक्षण दे सकती है। फिर देश में आम चुनाव हुए और एक नई सरकार अस्तित्व में आई। पिछले 11 वर्षों से संविधान में ये प्रावधान है कि निजी संस्थानों में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को आरक्षण दिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए एक विधि निर्माण की जरूरत है।

फारूक टकला को 5 साल की सजा

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। मुंबई की स्पेशल सेशन कोर्ट ने 1993 बम धमाकों के आरोपी फारूक टकला को पासपोर्ट जालसाजी मामले में पांच साल की सजा सुनाई है। फारूक टकला पर 1993 के मुंबई बम विस्फोट मामले के मुख्य मास्टरमाइंड में से एक होने का आरोप है। दरअसल, 66 वर्षीय फारूक यासीन मंसूर उर्फ फारूक टकला को 2018 में फर्जी पासपोर्ट पर दुबई से भारत आने के मामले में बीते शनिवार को दोषी ठहराया गया था। अदालत ने सोमवार को सजा का ऐलान किया और उसे पांच साल की सजा सुनाई। रिकॉर्ड में उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्य से पता चलता है कि आरोपी ने मुस्ताक मोहम्मद मियां नाम का इस्तेमाल करके पासपोर्ट और पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। हालांकि, यह उसका असली नाम नहीं था और उसने पासपोर्ट आवेदन के दौरान गलत जानकारी और जाली हस्ताक्षर किए थे। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आर.डी. चव्हाण ने सजा का ऐलान करते हुए कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी ने अपनी असली पहचान छिपाकर रखी। 1993 मुंबई बम धमाकों का मुख्य आरोपी दाऊद इब्राहिम के सहयोगी फारूक टकला को साल 2018 में दुबई से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे मुंबई डिपोर्ट किया गया। उल्लेखनीय है कि फारूक टकला के खिलाफ साल 1995 में रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था।

1993 बम धमाका मामला

जाली पासपोर्ट मामले में था दोषी

पाकिस्तानी हैकर्स ने रक्षा मंत्रालय से जुड़ी वेबसाइट पर किया हमला

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी साइबर हमलावरों ने भारत में रक्षा और सशस्त्र बलों से जुड़ी वेबसाइटों पर साइबर अटैक के जरिए संवेदनशील डेटा चुराने की कोशिश की है। सोमवार को यह जानकारी सामने आई। पाकिस्तानी हैकर्स के एक्स अकाउंट पाकिस्तान साइबर फोर्स के माध्यम से यह दावा किया गया है कि उन्होंने भारतीय मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) और मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान से संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर ली है। इस दावे से यह संकेत मिलता है कि हमलावरों ने रक्षा कर्मियों से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारियां और लॉगिन क्रेडेंशियल्स तक पहुंच बनाई हो।

संवेदनशील डेटा चुराने की कोशिश की

सुधार *दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री ने दी जानकारी*

सभी शिकायतों का 311 पर होगा समाधान

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने सोमवार को कहा कि राजधानी में अब नई दिल्ली नगरपालिक परिषद (एनडीएमसी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), पीडब्ल्यूडी, जल बोर्ड और फ्लड विभाग से जुड़ी सभी नागरिक सेवाओं की शिकायतें एक ही नंबर 311 पर दर्ज की जा सकेंगी।

श्री वर्मा ने एनडीएमसी के कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का निरीक्षण करने के बाद कहा, वन दिल्ली, वन नंबर-यही हमारा लक्ष्य है। अब लोगों को यह सोचने की जरूरत नहीं कि समस्या किस विभाग की है। नागरिक केवल 311 पर कॉल करें और उनकी शिकायत संबंधित विभाग तक तुरंत पहुंचा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह नई व्यवस्था खासतौर से मानसून मौसम को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। जलभराव, टूटी सड़कें, बंद नाले या ओवरफ्लो सीवर जैसी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को अब किसी विभाग के चक्कर नहीं काटने होंगे। श्री वर्मा ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों के भीतर सभी संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें कमांड सेंटर की संचालन प्रणाली, विभागों के प्रतिनिधियों की प्रतिनियुक्ति, जवाबदेही तंत्र और तकनीकी एकीकरण पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी स्थान, जो मानसून के दौरान जलभराव की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं और जहां अभी तक सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, वहां जल्द ही कैमरे लगाए जाएंगे।

■ **वन दिल्ली, वन नंबर दिल्ली सरकार का लक्ष्य**

जलभराव जैसी समस्याओं का तुरंत हो समाधान

वर्मा ने कहा, जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान मौके पर तुरंत हो, इसके लिए तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। सीसीटीवी कैमरों और लाइव मॉनिटरिंग के ज़रिए हमारी टीमें तेजी से प्रतिक्रिया दे सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह पूरी व्यवस्था इस सोच के साथ बनाई जा रही है कि जनता को किसी भी समस्या के लिए विभागों के बीच भटकना न पड़े। हमारा उद्देश्य सिर्फ शिकायत दर्ज कराना नहीं, उसका समाधान समय पर सुनिश्चित करना है।

देश

उवाच

"पाकिस्तान और आतंकवादियों के आकाओं को मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए। पूरा विपक्ष सरकार को समर्थन दे चुका है। देश की जनता इस मामले में एकजुट है, लेकिन 12-13 दिन बीतने के बाद भी सरकार अब तक अंजाम तक नहीं पहुंची है।

-मृत्युंजय तिवारी, राजद नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	30.0	23.0
मुंबई	34.0	28.0
कोलकाता	33.0	26.0
चेन्नई	35.0	29.0

जातीय जनगणना वक्त की मांग

■ कांग्रेस ने भाजपा-आरएसएस को बताया पहले दिन से जातीय जनगणना का विरोधी

भाजपा के लिए जातीय जनगणना वोट की राजनीति, जबकि कांग्रेस के लिए सामाजिक बदलाव : रणदीप सुरजेवाला

पटना, 5 मई (देशबन्धु)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा के लिए जातीय जनगणना वोट की राजनीति है, जबकि कांग्रेस के लिए सामाजिक बदलाव है। भाजपा का डीएनए जातीय जनगणना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना वक्त की मांग है। पटना में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का सामाजिक न्याय और जातीय जनगणना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जातीय जनगणना के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि आरएसएस शुरू से ही जातीय जनगणना विरोधी है। 19 मई 2011 को कांग्रेस-यूपीए सरकार ने फैसला कर जातीय जनगणना करवानी शुरू कर दी, जिसे 'सामाजिक, आर्थिक व जातिगत जनगणना 2011' का नाम दिया। तीन जुलाई, 2015 को यह रिपोर्ट मोदी सरकार को सौंप दी गई, लेकिन सच यह है कि प्रधानमंत्री और उनकी सरकार ने जातीय जनगणना रिपोर्ट 2011 को जानबूझकर कूड़ेदान में डाल दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह वही भाजपा है, जो जातीय जनगणना मानने वाले को अर्बन नक्सल करार देती थी। उन्होंने कहा कि 11 साल से राहुल गांधी जातीय जनगणना को अपने जीवन का मिशन बनाकर इस लड़ाई को लड़ रहे हैं। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा और आरएसएस दोनों पहले दिन से जातीय जनगणना के विरोधी हैं, क्योंकि उनके डीएनए में दलित, आदिवासी, पिछड़ा, शोषित और गरीब विरोध है।

सार्वजनिक तौर पर, अदालत में जातिगत जनगणना का विरोध किया। जब कुछ नहीं बचा, तो लाचार होकर उन्हें गरीबों, दलितों, वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, आदिवासियों के आगे झुकना पड़ा। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा ने वर्षों तक सुप्रीम कोर्ट से लेकर सड़क तक, गरीबों, दलितों, वंचितों, शोषितों और पिछड़ों को उनकी गिनती के अधिकार से वंचित किया। जितनी आबादी उतना हक और जितनी आबादी उतनी हिस्सेदारी जरूरी है। कांग्रेस की सामाजिक न्याय की सोच के केंद्र बिंदु में सदैव जातीय जनगणना का भाव रहा है। आज यह राहुल गांधी का संघर्ष है, जिसके कारण जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार को झुकना पड़ा। वहीं दूसरी ओर माकपा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय महासचिव एम.ए.बेबी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार राजनीति में अवसरवाद के उस्ताद हैं। वह अवसरवादी राजनीति करते हैं। उन्होंने भाजपा पर जांच एजेंसियों का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी का सही अर्थ प्रवर्तन निदेशालय है, लेकिन कहा जा रहा है कि यह अब भाजपा के 'इलेक्शन ड्यूटी' की तरह काम कर रहा है। माकपा नेता ने कहा कि आज देश में सबसे बड़ा अत्याचार सांप्रदायिकता है।

उन्होंने सांप्रदायिकता को समाप्त करने के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। विपक्षी दलों के गठबंधन में शामिल माकपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महासचिव एम.ए. बेबी सोमवार को पहली बार बिहार के दो दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे। वे यहां महागठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के नेताओं से मिलेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा करेंगे।

निजी क्षेत्र में भी होनी चाहिए आरक्षण की व्यवस्था : एमए बेबी

माकपा के नव निर्वाचित राष्ट्रीय महासचिव एम.ए.बेबी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना का निर्णय लिया है, लेकिन जातीय जनगणना कब करेंगे, कैसे करेंगे, इसे जानने को लेकर अब भी उत्कंठा है। दो दिवसीय बिहार दौरे पर सोमवार को यहां आए एम.ए.बेबी ने कहा कि जातीय जनगणना कब होगी, कैसे होगी, यह तय नहीं हुआ है, इसके ऊपर सवाल है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की चर्चा करते हुए कहा कि इस घटना की पूरे भारत ने एक सुर में निंदा की है। आतंकवादियों को भी इसकी सजा देनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने सेना को कोई भी फैसला लेने का अधिकार दिया है। उन्होंने सलाह दी कि किसी को भी इस मसले पर सोच-समझकर बयान देने की जरूरत है। सबको ध्यान से बोलना चाहिए। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

कर्नाटक में अनुसूचित जाति सर्वेक्षण शुरू

बेंगलुरु, 5 मई (देशबन्धु)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने सोमवार को अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और प्रदेश भर में उप-जाति जनसांख्यिकी पर अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने के उद्देश्य से एक व्यापक जाति सर्वेक्षण शुरू किया है। सिद्दारमैया ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सर्वेक्षण पांच मई से 23 मई तक तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा और एससी समुदायों के बीच आरक्षण लाभों के समान वितरण को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंतरिक आरक्षण हमारे 2023 के चुनाव घोषणा पत्र में किया गया एक वादा था। यह सर्वेक्षण उस वादे को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास आवश्यक था क्योंकि 2011 की जनगणना में एससी श्रेणी के भीतर उप-जाति डेटा को शामिल नहीं किया गया था। डेटा संग्रह प्रक्रिया की निगरानी सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एचएन नागमोहन दास की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय आयोग द्वारा की जाएगी। दास को सर्वेक्षण पूरा होने के 60 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा गया है। सर्वेक्षण पांच से 17 मई तक घर-घर जाकर गणना के माध्यम से किया जाएगा। 19 और 20 मई को विशेष शिविर और 19 से 23 मई तक ऑनलाइन स्व-घोषणा विंडो का आयोजन किया जाएगा। 65,000 से अधिक शिक्षकों को गणनाकर्ताओं के रूप में तैनात किया गया है जिसमें प्रत्येक 10 से 12 सर्वेक्षणकर्ताओं के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक खतरा : जगदीप धनखड़

■ राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका विषय पर आयोजित कार्यक्रम में की शिरकत

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक संकट करार देते हुए कहा है कि स्वस्थ वन स्वस्थ जीवन का आधार हैं। धनखड़ ने सोमवार को सिरसी के वानिकी महाविद्यालय में 'राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका' विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि हमें अपने वनों की रक्षा करने और हर संभव तरीके से योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है। उन्होंने कहा कि यह एक वैश्विक खतरा है और स्थिति चिंताजनक रूप से गंभीर है।

उन्होंने कहा कि वन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि किसी देश के वन अच्छी स्थिति में हैं, तो उसके लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि कृषि हमारी जीवन रेखा है। लेकिन हमें वनों की आवश्यकता है क्योंकि वे जलवायु को नियंत्रित करते हैं, आपदाओं को कम करते हैं, और आजीविका का सहयोग करते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत भूमि आध्यात्मिकता और स्थिरता का संगम है। स्थिरता सिर्फ़ अर्थव्यवस्था के लिए ही ज़रूरी नहीं है। यह स्वस्थ जीवन के लिए भी ज़रूरी है। हमारी वैदिक संस्कृति ने हजारों सालों से स्थिरता का उपदेश दिया है। और आज, सतत विकास के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन नहीं कर सकते।

गहन पारिस्थितिक चेतना का किया आह्वान

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गहन पारिस्थितिक चेतना का आह्वान करते हुए कहा कि हमें आत्म-बोध की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण जीवन का वह पहलू है जो पृथ्वी पर रहने वाले हर जीव को प्रभावित करता है। जब पर्यावरण को चुनौती दी जाती है, तो यह चुनौती सिर्फ मानवता के लिए नहीं होती बल्कि यह इस ग्रह पर मौजूद हर चीज को प्रभावित करती है।

सार संक्षेप

मुंबई-गोवा राजमार्ग पर बस पलटने से तीन की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई-गोवा राजमार्ग पर रविवार की रात बस पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दुर्घटना रायगढ़ जिले के पनवेल के पास कर्नाला घाट के संकरे और घुमावदार मोड़ पर रविवार रात करीब 11 बजे उस समय हुई, जब मुंबई से कोंकण जा रही निजी बस मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई।

तेलंगाना में बायोचार केंद्र का किया उद्घाटन

हैदराबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को यहां शहर के बाहरी इलाके में 'हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट' के मुख्यालय कान्हा शांति वनम में 'बायोचार उत्कृष्टता केंद्र' का उद्घाटन किया। गडकरी ने इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की स्थापना गांवों में ग्रामीण उद्यमियों के लिए बायोचार को लेकर कौशल विकास और क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए की गई है।

जापान ने पहलगाम हमले पर की एकजुटता व्यक्त : राजनाथ

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि जापान ने पहलगाम हमले पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उसे पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया है। सिंह ने भारत की यात्रा पर आए जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी सैन के साथ सोमवार यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैठक में रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की गई। दोनों देशों ने सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों से निपटने के लिए परस्पर सहयोग पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी सैन से मिलकर बहुत खुशी हुई। भारत और जापान के बीच विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के लिए सहयोग और संयुक्त प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नाकातानी सैन ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की और भारत को पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की।

■ रक्षा सहयोग व क्षेत्रीय सुरक्षा पर की गई चर्चा

झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति गठित

नलिन सोरेन समेत 8 उपाध्यक्ष, 63 को मिली जगह

■ समिति में हेमंत सोरेन सहित उनके परिवार के छह लोग शामिल

रांची, 5 मई (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने केंद्रीय कमेटी का ऐलान कर दिया है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने सोमवार को कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी की पूरी सूची जारी की। नई कमेटी में आठ उपाध्यक्ष, पांच महासचिव और चार सचिव बनाए गए हैं। कुल 63 लोगों को कमेटी में जगह दी गई है, जिनमें 31 लोग आदिवासी (अनुसूचित जनजाति) समुदाय से हैं। कमेटी में हेमंत सोरेन सहित उनके परिवार के छह लोग शामिल हैं।

14-15 अप्रैल को रांची में आयोजित झामुमो के 13वें केंद्रीय अधिवेशन में चार हजार प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ध्वनिमत से शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक संरक्षक और हेमंत सोरेन को अध्यक्ष चुना गया था। इसी अधिवेशन में हेमंत सोरेन को पार्टी की कमेटी के गठन के लिए भी अधिकृत किया गया था। सोरेन के हस्ताक्षर से जारी सूची के अनुसार, जिन आठ लोगों को उपाध्यक्ष बनाया गया है, उनमें नलिन सोरेन, प्रो. स्टीफन मरांडी, रूपी सोरेन, सविता महतो, सरफराज अहमद, मथुरा प्रसाद महतो, वैद्यनाथ राम और रामदास सोरेन शामिल हैं। विनोद कुमार पांडेय, फागू बेसरा, सुप्रियो भट्टाचार्य, जोबा मांझी और मिथिलेश कुमार ठाकुर को महासचिव बनाया गया है। नंदकिशोर मेहता, अभिषेक प्रसाद पिंटू, पंकज मिश्रा और समीर मोहंती सचिव बनाए गए हैं।

विनोद कुमार पांडेय को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने केंद्रीय कमेटी में विनोद कुमार पांडेय को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। दो महासचिवों सुप्रियो भट्टाचार्य और विनोद कुमार पांडेय के अलावा हेमलाल मुर्मू, कुणाल षाडंगी और मनोज कुमार पांडेय को प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हेमंत सोरेन की पत्नी विधायक कल्पना सोरेन और भाई बसंत सोरेन को कार्यकारिणी में सदस्य के रूप में जगह दी गई है। इनके अलावा जिन लोगों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है, उनमें दीपक बिरुआ, सुदिव्य कुमार सोनू, चमरा लिंडा, योगेंद्र महतो, विजय हांसदा, महुआ माजी, रविंद्र नाथ महतो, मोहन कर्मकार, संजीव बेदिया, डॉ. कमल नयन सिंह, निरल पूर्ति, दशरथ गगराई, हफीजुल हसन, सुमन महतो, निजामुद्दीन अंसारी, सुखराम उरांव, भूषण तिर्की, मंगल कालिंदी, जिगा सुसरण होरो, विकास सिंह मुंडा, संजीव सरदार, राजू गिरी, गणेश चौधरी, एमटी. राजा, धनंजय सोरेन, आलोक सोरेन, लुईस मरांडी, उदय शंकर सिंह, उमाकांत रजक, जगत मांझी, सुदीप गुडिया, रामसूर्या मुंडा, अमित महतो, अनंत प्रताप देव, अंजनी सोरेन, पटवारी हांसदा, परेश मरांडी और बिट्टू मुर्मू शामिल हैं।

नीतीश ने जानकी नवमी की दी बधाई

पटना, 5 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनक नंदिनी माता सीता के जन्मोत्सव जानकी नवमी के अवसर पर माता जानकी को नमन करते हुए राज्यवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कुमार ने सोमवार को अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की अर्धांगिनी माता सीता को धार्मिक गाथाओं में सौभाग्य की देवी और माता लक्ष्मी का अवतार भी कहा गया है। माता जानकी ने जीवन की चुनौतियों एवं संघर्षों का जिस साहस, विवेक एवं सहनशीलता के साथ सामना किया, उससे सम्पूर्ण मानव जाति को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्ति, सेवा, संयम, समर्पण एवं सद्भाव से परिपूर्ण माता सीता का जीवन नारी सशक्तिकरण एवं आदर्श का प्रतीक है।

पृष्ठ एक का शेष

जरगर ने करवाया था...

जरगर के निर्देश पर ओवर ग्राउंड वर्करों ने आतंकी हमले में लॉजिस्टिक मदद की थी। 100 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स के ठिकानों पर अब तक सर्च ऑपरेशन चल चुका है। साथ ही 90 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गृहमंत्री की बेटी का अपहरण करने वाले में था

जरगर की श्रीनगर और साउथ कश्मीर के इलाकों में मजबूत पकड़ है, जरगर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से आतंकी नेटवर्क ऑपरेट कर रहा है। जरगर सक्रिय आतंकवादी है और श्रीनगर के नौहट्टा इलाके का रहने वाला है। वह 1988 में जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट में शामिल हुआ था। पीओके में आतंकी ट्रेनिंग लेकर 1989 में वह जम्मू-कश्मीर लौटा। लट्रम आठ दिसंबर 1989 को तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रूबिया सईद का अपहरण करने वाले आतंकियों में भी शामिल था। जरगर ने 1991 में अल-उमर मुजाहिदीन नाम से खुद का आतंकवादी समूह बनाया। पिछले कुछ वर्षों में श्रीनगर में जरगर के खिलाफ कम से कम तीन दर्जन हत्या के मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें उच्च पदस्थ अधिकारियों की कथित हत्याएं भी शामिल हैं। जरगर को 15 मई 1992 को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया था ।

पाकिस्तान में बैठकर आतंकी नेटवर्क चला रहा

बाद में 24 दिसंबर 1999 को नेपाल के काठमांडू से दिल्ली के लिए उड़ी फ्लाइट आईसी 814 को पाक समर्थक हरकत-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादियों ने हाइजैक कर लिया जिसे कंधार ले जाया गया था। इस फ्लाइट में 176 यात्री और 15 क्रू मेंबर्स सवार थे। इस प्लेन हाइजैक के बदले यात्रियों की जान बचाने के लिए भारत ने तीन आतंकवादियों मसूद अजहर, उमर शेख और अहमद जरगर को छोड़ा था। अब पहलगाम अटैक में इन्हीं में से एक आतंकवादी अहमद जरगर का नाम सामने आ रहा है। अब जरगर पाकिस्तान में बैठकर आतंकी नेटवर्क चला रहा है। साल 2023 में एनआईए ने जरगर के श्रीनगर स्थित घर को अटैच किया था। बताया जा रहा है की पहलगाम हमला करने वाले आतंकवादियों को जरगर के समर्थकों से लॉजिस्टिक सपोर्ट मिला था।

मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक तनाव के लिए भगवा ब्रिगेड व बीएसएफ जिम्मेदार : ममता

■ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को बताया सुनियोजित

कोलकाता, 5 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए भगवा ब्रिगेड और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा सुनियोजित थी और आरोप लगाया कि अगर बीएसएफ ने फायरिंग नहीं की होती तो दंगा नहीं होता। उन्होंने कहा कि हिंसा से केवल दो वार्ड प्रभावित हुए। उन्होंने बीएसएफ पर फायरिंग करने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर सुरक्षा बलों ने फायरिंग नहीं की होती तो मुर्शिदाबाद में दंगे नहीं होते। उन्होंने कहा कि वह (बनर्जी) हिंदू हैं, तो उन्हें उनके खिलाफ हिंसा क्यों करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे लिए हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी समान हैं। मैं नहीं चाहती कि किसी भी धर्म के लोगों पर हमला हो या उनकी हत्या हो। उन्होंने हिंसा के दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय महिला आयोग की उपस्थिति पर भी सवाल उठाया और पूछा कि वे मणिपुर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, ओडिशा क्यों नहीं गए। बनर्जी का मुर्शिदाबाद दौरा वक्फ संशोधन अधिनियम के मद्देनजर 11-12 अप्रैल की हिंसा के तीन सप्ताह बाद हुआ है।

बाहर से आए दो-तीन नेताओं ने भड़काई हिंसा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बाहर से आए दो-तीन नेताओं ने हिंसा भड़काई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएफ ने फायरिंग क्यों की, अगर बीएसएफ ने फायरिंग नहीं की होती तो अगले दिन हिंसा नहीं भड़कती। सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के बजाय भाजपा को सीमाओं का ख्याल रखना चाहिए। भारत को बचाओ और भारतीय लोगों को बचाओ। जब आप कुर्सी पर होते हैं तो आप लोगों को विभाजित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों के परिवार के सदस्यों से मिलने आई थीं। लेकिन उन्हें गुप्त रूप से क्यों ले जाया गया या अपहरण क्यों किया गया। इसमें कुछ साजिश है।

मिजोरम में 14 हजार से अधिक शरणार्थी व विस्थापित बच्चे

एजल, 5 मई (एजेंसियां) मिजोरम के अधिकारियों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में वर्तमान में शरण लिए हुए 41,000 से अधिक शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) में 18 वर्ष से कम आयु के 14,000 से अधिक बच्चे शामिल हैं। पड़ोसी म्यांमार और बंगलादेश के साथ-साथ संघर्ष प्रभावित मणिपुर से कुल 41,354 व्यक्ति वर्तमान में मिजोरम में रह रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस संख्या में से अनुमानित 14,101 बच्चे 18 वर्ष से कम आयु के हैं।

जबकि स्कूल जाने की आयु के कुछ बच्चे राहत शिविरों के अंदर अस्थायी कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त करते हैं, अन्य अपने परिवारों की वित्तीय क्षमताओं के आधार पर सरकारी या निजी स्कूलों में दाखिला लेने में कामयाब रहे हैं। भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित एक गांव जोखावथर में एक निजी हाई स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि कुछ शरणार्थी परिवार अपेक्षाकृत संपन्न हैं और अपने बच्चों को निजी संस्थानों में भेजने में सक्षम हैं। हालांकि, अधिकांश बच्चे सरकारी स्कूलों पर निर्भर हैं, जहां शिक्षा ज्यादातर मुफ्त है।

एसएलसीएम की एनबीएफसी किसान धन ने 3000 करोड़ रुपये से अधिक के लोन किसानो को वितरित किए

नई दिल्ली 5 मई (एजेंसियां)। किसानधन, सोहन लाल कमोडिटी मैनेजमेंट लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी और किसानों के लिए मल्टी-एसेट एनबीएफसी, ने 3,244.22 करोड़ रुपये से अधिक के लोन वितरित कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अपने टेक-इनेबल एग्री फाइनेंसिंग प्रोडक्ट्स से देश भर में 7,11,277 लाख किसानों को सशक्त बनाया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में किसानधन की पहुंच मजबूत हुई और सुदूर क्षेत्रों के किसानों को भी ऋण सुविधा का लाभ मिला। 14 से अधिक राज्यों में कार्यरत किसानधन, किसानों, एफपीओ, व्यापारियों और छोटे-मध्यम उद्यमों को लगातार आसान और कस्टमाइज वित्तीय समाधान प्रदान कर रही है। कंपनी ने अपने कमोडिटी-बेस्ड फाइनेंस मॉडल के तहत 49,976 स्टोरेज रसीदों के आधार पर 2,539.75 करोड़ रुपये के लोन वितरित किए हैं, जो वेयरहाउस रसीद वित्तपोषण में इसकी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है। किसानधन एग्री-क्रेडिट समाधानों की पेशकश करती है और इसका मकसद सभी को ऋण तक पहुंच मुहैया कराना है।

अब तक, किसानधन के ग्राहकों की संख्या 37,642 पहुंच गई है, जिसमें कृषि व्यापारी, किसान उत्पादक संगठन, महिला लाभार्थी, किसान और अन्य हितधारक शामिल हैं। यह कंपनी के वित्तीय समावेशन पर मजबूत फोकस को दर्शाता है। किसानधन ने महिला ऋण लाभार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जिसमें 37,185 महिलाओं को सहायता प्रदान की गई। इन लाभार्थियों के लिए औसत लोन राशि 43,317 रुपये रही, जो ग्रामीण भारत में महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए छोटे और ज़रूरतों के मुताबिक लोन देने की किसानधन की प्रतिबद्धता दिखाती है।

चौकसी — *जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की एक बड़ी साजिश को किया नाकाम*

पुंछ में पांच आईईडी बरामद कर संभावित हमलों को रोका

जम्मू, 5 मई (देशबन्धु)। सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। पहलगाम के बाद पुंछ में आतंकवादी बड़े हमले की फिराक में थे। समय रहते जवानों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। सुरक्षाबलों ने सोमवार को पुंछ से 5 आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े जब्त किए है। इसके बाद इलाके में भारतीय सेना का आपरेशन जारी है। दूसरी ओर पाक सेना द्वारा लगातार 11वीं रात एलओसी के लगभग सभी सेक्टरों में की जा रही गोलीबारी का भारतीयपक्ष द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने का पर्दाफाश करते हुए 5 आईईडी, वायरलेस सेट और कुछ कपड़े बरामद किए हैं। जवानों को यह सफलता पुंछ के सूरनकोट में मारहोट गांव में मिली है। सुरक्षा बलों का कहना है कि यह आतंकियों के छिपने की जगह है। अधिकारियों ने बताया कि इस्तेमाल के लिए तैयार पांचों आईईडी (जिनका वजन आधा किलोग्राम से पांच किलोग्राम के बीच था) को मौके पर ही नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया। इससे सीमावर्ती जिले में विस्फोट करने की आतंकवादियों की साजिश विफल हो गई। उन्होंने बताया कि रविवार देर शाम सुरनकोट के मरहोटे इलाके के सुरंथल में सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दो आईईडी स्टील की बाल्टियों में रखे हुए पाए गए, जबकि तीन अन्य को टिफिन बॉक्स में पैक किया गया था।

■ पहलगाम हमले के बाद पुंछ में बड़े हमले की फिराक में थे आतंकी

इसके अलावा, अधिकारियों ने बताया कि ठिकाने से दो वायरलेस सेट, यूरिया के पांच पैकेट, पांच लीटर का एक गैस सिलेंडर, एक दूरबीन, तीन ऊनी टोपियां, तीन कंबल और कुछ पतलून और बर्तन बरामद किए गए हैं। इस बीच अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास आठ अग्रिम सेक्टरों में बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया गया और भारतीय सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव के बीच नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी की यह लगातार 11वीं रात है। जम्मू में एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि 4 और 5 मई की रात को, पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू कश्मीर में कुपवाड़ा, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के विपरीत इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने तुरंत और आनुपातिक रूप से जवाब दिया।

उल्टा पुल्टा

पिता ने बेटे से कहा : लड़की वालों के सामने बड़ी-बड़ी बातें करना, लड़की वालों के आते ही बेटे ने पिता से कहा : पापा चाबी देना वो ट्रेन धूप में खड़ी है, उसे अंदर कर दूं...

कैपिटल ज़ोन

महंगाई में बढ़ोतरी कर गरीब व मध्यम वर्ग की कमर तोड़ रही सरकार : कांग्रेस

राजधानी में दूध के दामों में बढ़ोतरी के विरोध में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली कांग्रेस द्वारा दिल्ली की सभी मदर डेयरियों पर दूध के दामों में 2 रुपए बढ़ोतरी के विरोध में किए जाने वाले प्रदर्शन व हस्ताक्षर अभियान में कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार के अंतर्गत 2014 से 2025 तक खाद्य उत्पादों के साथ अन्य रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं में बेहताशा वृद्धि करके यह साबित कर दिया है कि यह सरकार केवल पूंजीपतियों की हितेषी है न कि गरीब व मध्यम वर्ग की। महंगाई का आलम यह है कि घर की सबसे महत्वपूर्ण जरुरत, बच्चो के पोषण का स्त्रोत दूध भी गरीबों की पहुंच से दूर होता जा रहा है और गरीब अब दाल रोटी खाओ, प्रभु के गुण गाओ जैसी कहावतें भी गरीब के लिए बेमानी नजर आने लगी है।

प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव डीडीए मार्केट मदर डेयरी, मिंटो रोड नजदीक गांधी मार्केट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा झआयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। इस मौके पर यादव के साथ पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन व पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, जिला अध्यक्ष जावेद मिर्जा, पूर्व पार्षद अशोक जैन, कृष्ण मुरारी जाटव, मौहम्मद उस्मान, डा. आर.बी. सिंह, मंजूर मलिक और संजय यादव मुख्य रुप से मौजूद थे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि महंगाई की मार खाद्य उत्पादों व अन्य आवश्यकत वस्तुओं के साथ दवाइयों पर भी पड़ी है क्योंकि गरीब आवश्यक दवाईयां महंगी होने के कारण बीमारियों से मरने को मजबूर है।

रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं में बेहताशा वृद्धि करके सरकार ने यह साबित कर दिया है वह केवल पूंजीपतियों की हितेषी : देवेन्द्र यादव

मदर डेयरियों पर दूध उपभोक्ताओं से बढ़े हुए दामों के विरोध में चलाया हस्ताक्षर अभियान

मदर डेयरी बूथों पर हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्ले कार्ड लेकर दूध के दामों की वापसी की मांग करते हुए मदर डेयरियों पर दूध उपभोक्ताओं से बढ़े हुए दामों के विरोध में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कहा कि कांग्रेस शासन के बाद भाजपा के कार्यकाल में 2014 में दूध 48 रुपए प्रति लीटर था वह 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 69 रुपए प्रति लीटर हो गया है। जो टमाटर 2014 में 6 रुपए किलो मिलता था व आज 80 रुपये तक पहुंच गया है, मतलब टमाटर के दामों में 1233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो कल्पना से भी परे है। इसी तरह तूर दाल जो 36 रुपए प्रतिकिलो थी वह अब 344 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 160 रुपये हो गई है। आलू 8 रुपए से 300 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 32 रुपए प्रतिकिलो मिल रहा है। प्याज जो 10 रुपए प्रति किलो थी वह 600 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई।

आवेदकों का रिकॉर्ड करें मेंटेन, समयबद्ध हो आवेदनों का निपटारा : रविन्द्र इन्द्राज सिंह

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने सोमवार को संसद मार्ग स्थित रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटी कार्यालय आरसीएस का निरीक्षण किया। सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए की कार्यालय आने वाले सभी आवेदकों का पूरा रिकॉर्ड मेंटेन हो और उनके आवेदनों का तय समय में निपटारा किया जाए। सहकारिता मंत्री ने कार्यालय की कार्यप्रणाली, आवेदकों की सुविधा और रिकॉर्ड प्रबंधन की स्थिति को लेकर निर्देश दिए। रविन्द्र इन्द्राज ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले सभी आवेदकों का पूर्ण रिकॉर्ड सुव्यवस्थित रूप से रखा जाए और उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदनों का निपटारा निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवेदन की स्थिति की जानकारी और संबंधित अधिकारियों के पास लंबित समय की जानकारी उपलब्ध होने से आवेदकों को पारदर्शिता और सुविधा दोनों प्राप्त होंगी।

सहकारिता मंत्री ने विभागीय रिकॉर्ड का अवलोकन किया और सभी दस्तावेजों के त्वरित डिजिटलाइजेशन की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आएगी, बल्कि प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और समयबद्ध बनेगी।

बुजुर्गों को मनोरंजन व खेल सुविधाएं की जाएंगी प्रदान : राजा इकबाल सिंह

मेयर ने वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र का किया शिलान्यास

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह द्वारा सोमवार को मयूर विहार फेज-1 में वरिष्ठ नागरिकों के मनोरंजन केंद्र का शिलान्यास किया। इस मौके पर उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, केंद्रीय मंत्री एवं सांसद पूर्वी दिल्ली हर्ष मल्होत्रा, शाहदरा दक्षिणी जोन अध्यक्ष संदीप कपूर उपस्थित थे। मेयर, राजा इकबाल ने बताया कि दिल्ली नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे इस वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र में बुजुर्गों को मनोरंजन और खेल सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे उन्हें एक-दूसरे से जुड़ने और अनुभव साझा करने में मदद मिलेगी।

इस केंद्र के निर्माण का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अकेलेपन को दूर करना है। यहां वे अपना दुख-सुख दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं और अपना समय आनंद, मस्ती और खुशी के साथ बिता सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यह वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जायेगा और जनता को समर्पित कर दिया जायेगा। इस केंद्र में बुजुर्गों के बैठने की व्यवस्था लाइब्रेरी और मनोरंजन व इंडोर खेल का सामान रहेगा। बुजुर्गों के लिए टॉयलेट ब्लॉक का भी निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही ओपन स्पेस भी रखा गया है।

दिल्ली महिला आयोग का गठन जल्द : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली महिला आयोग का जल्द से जल्द गठन किया जाएगा, ताकि महिलाओं की समस्याओं की बेहतर सुनवाई हो सके। गुप्ता ने राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद सोमवार को पत्रकारों से कहा कि दिल्ली में महिलाओं के जितने भी मामले लंबित थे, उनको त्वरित कार्रवाई करके निपटाने के लिए पांच दिनों का शिविर राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित किया गया, जो अच्छी पहल है। महिलाओं के लंबित पड़े मामले की निरंतर सुनवाई करके मामलों को हल किया जाएगा। जो बहनें दुखी और परेशान हैं, उन्हें न्याय मिलना ही चाहिए। सारी कार्रवाई त्वरित हो रही है। दिल्ली सरकार भी इसमें सहयोगी बनकर काम कर रही है। महिलाओं को सुरक्षा मिले तथा उनको प्रशासन की ओर से मदद सुनिश्चित कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा कि आज दिल्ली के जसोला क्षेत्र में आयोजित राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार महिला महा जनसुनवाई कार्यक्रम में सहभागिता की।

नीट का पेपर मध्यम से कठिन स्तर का रहा : मुकेश

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। चार मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट 2025 में लाखों मेडिकल उम्मीदवारों ने भाग लिया। मुकेश कु. शर्मा अकादमिक डायरेक्टर अनअकादमी लाजपत नगर, ने परीक्षा पेपर का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया, जिसमें विषय-वार कठिनाई स्तर, पिछले वर्षों से तुलना, कट-ऑफ अपेक्षाएं, स्कोर अपेक्षाएं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी शामिल है। मुकेश कु. शर्मा ने कहा कि इस वर्ष नीट 2025 का पेपर कुल मिलाकर मध्यम से कठिन स्तर का रहा। विषय-वार विश्लेषण में उन्होंने बताया कि भौतिकी का खंड लंबा और कठिन रहा। न्यूमेरिकल प्रश्नों की संख्या अधिक थी, और कुछ प्रश्न अवधारणा-आधारित थे। इलेक्ट्रोस्टैटिक्स, मैकेनिक्स और ऑप्टिक्स से प्रश्न प्रमुख रहे। विशेषज्ञों के अनुसार, रोटेशन एवं सेमि कंडक्टर प्रश्नों को हल करने में समय अधिक लगा, पेपर सही समय पे पूरा करना चुनौतीपूर्ण रहा। हरप्रीत सिंह एचओडी फिजिक्स। रसायन विज्ञान का खंड अपेक्षाकृत संतुलित था, जिसमें अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन से प्रश्न समान रूप से आए। फिजिकल केमिस्ट्री में सामान्य कैलकुलेशन थी, अकार्बनिक रसायन के प्रश्न एनसीईआरटी पर आधारित थे, जबकि कार्बनिक रसायन में कुछ जटिल रिएक्शन-आधारित प्रश्न थे। कुल मिलाकर, यह खंड मध्यम स्तर का रहा। सुरभि मिश्रा एचओडी जूलॉजी। नीट 2025 में कई बदलाव देखे गए, जो पिछले वर्षों की तुलना में महत्वपूर्ण हैं। प्रश्नों की संख्या और समय।

परीक्षा पेपर का विस्तृत विश्लेषण किया प्रस्तुत

इस वर्ष पेपर में कुल 180 प्रश्न थे, जो पिछले वर्षों के 200 प्रश्नों से 20 कम हैं। इसके साथ ही, परीक्षा की अवधि भी 180 मिनट 3 घंटे थी, जो पहले 200 मिनट 3 घंटे 20 मिनट हुआ करती थी। इस बदलाव ने प्रति प्रश्न औसत समय को लगभग समान रखा, लेकिन छात्रों को समय प्रबंधन में खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पिछले वर्ष (2024) की तुलना में इस वर्ष का पेपर थोड़ा अधिक कठिन रहा, विशेष रूप से भौतिकी और बॉटनी के कुछ खंडों में। 2024 में पेपर अपेक्षाकृत आसान था, जिसके कारण कट-ऑफ में वृद्धि हुई थी।

बॉटनी में पारिस्थितिकी इकोलॉजी और जेनेटिक्स से गहन प्रश्न थे

प्रवेश बंसल एचओडी केमिस्ट्री। वनस्पति विज्ञान का खंड, जैसा कि आमतौर पर होता है, सबसे स्कोरिंग रहा, लेकिन कुछ प्रश्नों ने छात्रों को हैरान किया। बॉटनी में पारिस्थितिकी इकोलॉजी और जेनेटिक्स से गहन प्रश्न थे। अमित यादव एचओडी बॉटनी जंतु विज्ञान का खंड, भी स्कोरिंग रहा, लेकिन कुछ प्रश्न विश्व जूलॉजी में ह्यूमन फिजियोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी के प्रमुख थे। जहा हर वर्ष कॉक्रोच से सवाल पूछे जाते थे किन्तु इस वर्ष वही सवाल फ्रॉग से पूछे गए कुल मिलाकर, यह खंड मध्यम स्तर का था।

वित्तीय सुशासन को सुदृढ़ करने के लिए उच्च स्तरीय बैठक आयोजित

विजेंद्र गुप्ता ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर दिया बल

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को लेखा परीक्षा अनुपालन और वित्तीय सुशासन से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान गुप्ता ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सीएजी की रिपोर्टों पर त्वरित रूप से कार्रवाई की गई टिप्पणियां प्रस्तुत करने के महत्व को दोहराया साथ ही विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में लोक लेखा समिति पीएसी के अध्यक्ष अजय महावर भी उपस्थित थे। बैठक में ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम एपीएमसी और सीएजी की रिपोर्ट टिप्पणियों एएनटीएस की समीक्षा के विषयों पर चर्चा की गई। इस पहल का उद्देश्य उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना, पारदर्शिता को बढ़ावा देना तथा लेखा परीक्षात्मक निष्कर्षों पर समयबद्ध प्रतिक्रिया को प्रोत्साहित करना है। बैठक में रोली शुक्ला मालगे, महालेखा परीक्षक ऑडिट, आशीष चंद वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, डॉ. एस.बी. दीपक, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सन्नी कुमार सिंह, आयुक्त, आबकारी, मनोरंजन एवं विलास कर विभाग, दानिश अशरफ, विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, विजेंद्र कुमार, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, एस एस परिहार, विशेष सचिव, वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विचार-विमर्श के दौरान अध्यक्ष ने सभी विभागों से अनुरोध किया कि वे सीएजी की अनुशंसाओं का गंभीरतापूर्वक अनुपालन सुनियिश्चत करें तथा एएनटीएस समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करें। उन्होंने वित्तीय अनुशासन और संस्थागत पारदर्शिता की आवश्यकता पर भी बल दिया। सभी विभागों ने लेखा परीक्षा की समीक्षा प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का आश्वासन दिया।

भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार करेगी दिल्ली का संपूर्ण सुधार : ज्योति फुलेरिया

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। ज्योति फुलेरिया का भाजपा गौतमपुरी वार्ड मंडल की अध्यक्षा बनने पर हेल्पिंग हैंड ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सतीश गर्ग ने बधाई देते हुए कहा कि ज्योति फुलेरिया के अध्यक्ष बनने से वार्ड में भाजपा को बल मिलेगा और ज्योति फुलेरिया जनता की आवाज मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक लेजाने का कम करेंगी।

भाजपा गौतम पूरी मंडल महिला मोर्चा की अध्यक्षा सुरुचि उपाध्याय ने बधाई देते हुए कहा कि अब दिल्ली में भाजपा परिवार दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है और ज्योति फुलेरिया के आने से हम सब को शक्ति मिलेगी। ज्योति फुलेरिया ने भाजपा के हाई कमान से लेकर जिले के सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास से भारत को विश्व में उच्च स्तरीय पर पहुंचने का काम कर सकती है मुझे जो यह जिम्मा सौंपा गया है इसकी गरिमा और जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर जनता की सेवा करने पार्टी को मजबूत करने और हर गरीब पिछड़े की आवाज उच्च स्तर पर पहुंचने का काम करूंगी क्योंकि अब हमारी ट्रिपल इंजन सरकार से होगा सबका सुधार और हम सब एक परिवार हैं यह परिवार मिलकर देश के विकास में अपना पूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर डॉ. पी. के ने भी बधाई दी।

एमसीडी नेता प्रतिपक्ष की कमिश्नर को चिट्ठी

घर से कूड़ा नहीं उठने से लोग खासे परेशान : नारंग

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने सोमवार को यूजर चार्जेज को तत्काल वापस लेने की मांग को लेकर निगमायुक्त अश्वनी कुमार को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के हर घर से कूड़ा नहीं उठ रहा है। इससे लोग खासे परेशान हैं और निजी कर्मचारी लगाने के लिए मजबूर हैं। जब तक एमसीडी हर घर व दुकानों से कूड़ा उठाना सुनिश्चित नहीं करती, तब तक यूजर चार्जेज न लिया जाए। साथ ही, उन्होंने कहा है कि ढलावों का कूड़ा सड़कों पर फैल जाता और लोगों को काफी दिक्कत होती है। इसलिए इन्हें बंद कर इनका सौंदर्यीकरण किया जाए। अंकुश नारंग ने कहा कि पिछले ।कई दिनों से मेरे पास दिल्ली के अलग-अलग आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि आ रहे थे और मांग कर रहे थे कि एमसीडी द्वारा हाउस टैक्स के साथ लगाए गए यूजर चार्जेज को वापस कराया जाए। आरडब्ल्यूए की मांग पर मैंने बतौर नेता प्रतिपक्ष मैंने एमसीडी के कमिश्नर अश्वनी कुमार को चिट्ठी लिखी है। मैंने उन्हें पत्र के जरिए अवगत कराया है कि मेरे पास आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधि आ रहे हैं और सभी चाहते हैं कि एमसीडी द्वारा लगाए गए यूजर चार्जेज वापस होने चाहिए। नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली के 12 जोनों में कंसेशनेयर हैं, लेकिन वह कंसेशनेयर घर-घर जाकर हर एक घर से कूड़ा नहीं उठाते हैं। सभी हाउस होल्डर ने घर का कूड़ा उठाने के लिए निजी कर्मचारी लगा रखे हैं। इन कंसेशनेयर का मकान मालिकों के साथ कोई समन्वय नहीं है।

■ पहले हर घर-दुकान से कूड़ा उठाना सुनिश्चित करें, फिर लगाएं यूजर चार्ज : अंकुश

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 04064/04063 नई दिल्ली – गया – नई दिल्ली रिर्जवड स्पेशल के संचालन मार्ग का विस्तार शेखपुरा तक किया जा रहा है विस्तृत मार्ग के ठहरावों की संशोधित समय-सारणी निम्नानुसार होगी:–

04064/04063 नई दिल्ली – शेखपुरा – नई दिल्ली रिर्जवड सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

रेलगाड़ी सं.: 04064 आगमन	रेलगाड़ी सं.: 04064 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04063 प्रस्थान	रेलगाड़ी सं.: 04063 आगमन
----	09:30	नई दिल्ली	01:10	-----
16:05	16:10	गोविंदपुरी	17:45	17:50
19:05	19:10	प्रयागराज जं.	14:55	15:00
22:25	22:35	पं.दीनदयाल उपाध्याय जं	11:30	11:40
23:13	23:15	भभुआ रोड	10:25	10:27
23:40	23:42	सासाराम	09:50	09:52
23:55	23:57	डेहरी-ऑनसोन	09:30	09:32
02:20	02:25	गया जं.	08:15	08:20
03:10	03:12	तिलैया	07:05	07:07
03:27	03:29	नवादा	06:48	06:50
03:45	03:47	वारिसली गंज	06:25	06:27
04:30	----	शेखपुरा	-----	06:00

चलने के दिन : 04064 नई दिल्ली स्टेशन से 10.07.2025 तक और 04063 शेखपुरा स्टेशन से 06.05.2025 से 11.07.2025 तक।

नोटः शेष निर्देश यथावत रहेंगे।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा पहले से घोषित अनेक ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के अलावा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

05113/05114 छपरा – आनंद विहार (ट) – छपरा विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 05113 आगमन	गाड़ी सं. 05113 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05114 आगमन	गाड़ी सं. 05114 प्रस्थान
---	15:45	छपरा	14:00	---
14:25	---	आनंद विहार (ट)	---	16:00

चलने के दिन : 05113 छपरा से दिनांक 14.05.2025 से 16.07.2025 (प्रत्येक बुधवार) तथा 05114 आनंद विहार (ट) से दिनांक 15.05.2025 से 17.07.2025 (प्रत्येक गुरुवार) को।
ठहराव : छपरा कचहरी, मशरख, दिघवा दुबौली, थावे जं., तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली एवं मुरादाबाद स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

05301/05302 मऊ जं. – अंबाला कैंट जं. – मऊ जं. विशेष रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 05301 आगमन	गाड़ी सं. 05301 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05302 आगमन	गाड़ी सं. 05302 प्रस्थान
---	04:00	मऊ जं.	22:00	---
00:30	---	अंबाला कैंट जं.	---	01:40

चलने के दिन : 05301 मऊ जं. से दिनांक 15.05.25 से 17.07.25 (प्रत्येक गुरुवार) तथा 05302 अंबाला कैंट जं. से दिनांक 16.05.25 से 18.07.25 (प्रत्येक शुक्रवार) को।
ठहराव : बेलथरा रोड, भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर जं., गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर, बरेली, मुरादाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली, सोनीपत एवं पानीपत स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनामी, शयनयान एवं सामान्य

05193/05194 छपरा – शहीद कप्तान तुषार महाजन उधमपुर – छपरा विशेष रेलगाड़ी — 18 फेरे

गाड़ी सं. 05193 आगमन	गाड़ी सं. 05193 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05194 आगमन	गाड़ी सं. 05194 प्रस्थान
---	14:00	छपरा	08:00	---
08:42	08:47	मुरादाबाद	14:20	14:30
23:05	---	शहीद कप्तान तुषार महाजन उधमपुर	---	00:10

चलने के दिन : 05193 छपरा से दिनांक 19.05.25 से 14.07.25 (प्रत्येक सोमवार) तथा 05194 शहीद कप्तान तुषार महाजन उधमपुर से दिनांक 21.05.25 से 16.07.25 (प्रत्येक बुधवार) को।
ठहराव : छपरा कचहरी, मशरख, दिघवा दुबौली, थावे जं., तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर, शाहजहाँपुर, बरेली, मुरादाबाद, लक्सर जं., रुड़की, सहारनपुर, यमुनानगर जगाधरी, अंबाला कैंट जं., ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, कठुआ एवं जम्मू तवी स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनामी, शयनयान एवं सामान्य

05119/05120 छपरा – लोकमान्य तिलक (ट) – छपरा विशेष रेलगाड़ी — 14 फेरे

गाड़ी सं. 05119 आगमन	गाड़ी सं. 05119 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05120 आगमन	गाड़ी सं. 05120 प्रस्थान
---	12:00	छपरा	01:15	---
14:40	14:50	वाराणसी जं.	21:25	21:35
16:45	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	20:15

चलने के दिन : 05119 छपरा से दिनांक 13.05.25 से 24.06.25 (प्रत्येक मंगलवार) तथा 05120 लोकमान्य तिलक (ट) से दिनांक 14.05.25 से 25.06.25 (प्रत्येक बुधवार) को।
ठहराव : बलिया, गाजीपुर सिटी, वाराणसी जं., प्रयागराज जं., मानिकपुर, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल जं., जलगांव जं., नाशिक रोड, इगतपुरी, कल्याण जं. एवं ठाणे स्टेशन।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनामी, शयनयान एवं सामान्य

04602/04601 फिरोजपुर कैंट जं. – पटना जं. – फिरोजपुर कैंट जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 40 फेरे

गाड़ी सं. 04602 आगमन	गाड़ी सं. 04602 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04601 आगमन	गाड़ी सं. 04601 प्रस्थान
---	15:10	फिरोजपुर कैंट जं.	23:55	---
06:30	06:40	लखनऊ	08:15	08:25
18:00	---	पटना जं.	---	20:50

चलने के दिन : 04602 फिरोजपुर कैंट जं. से दिनांक 07.05.25 से 12.07.25 (प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार) तथा 04601 पटना जं से दिनांक 08.05.25 से 13.07.25 (प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार) को।
ठहराव : मोगा, लुधियाना, अंबाला कैंट जं., यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर स्टेशन।
स्थान : शयनयान (आरक्षित)

04608/04607 अमृतसर जं. – दरभंगा – अमृतसर जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 20 फेरे

गाड़ी सं. 04608 आगमन	गाड़ी सं. 04608 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04607 आगमन	गाड़ी सं. 04607 प्रस्थान
---	20:10	अमृतसर जं.	10:30	---
02:30	---	दरभंगा	---	04:00

चलने के दिन : 04608 अमृतसर जं. से दिनांक 09.05.2025 से 11.07.2025 (प्रत्येक शुक्रवार) तथा 04607 दरभंगा से दिनांक 11.05.2025 से 13.07.2025 (प्रत्येक रविवार) को।
ठहराव : ब्यास जं., जलंधर सिटी जं., फगवाड़ा जं., ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा जं., अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., सीवान जं., छपरा, हाजीपुर जं., मुज़फ्फ़रपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. स्टेशन।
स्थान : शयनयान (आरक्षित)

04068/04067 नई दिल्ली – भागलपुर – नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 36 फेरे

गाड़ी सं. 04068 आगमन	गाड़ी सं. 04068 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04067 आगमन	गाड़ी सं. 04067 प्रस्थान
---	14:00	नई दिल्ली	14:30	---
13:30	---	भागलपुर	---	14:30

चलने के दिन : 04068 नई दिल्ली से दिनांक 11.05.2025 से 09.07.2025 (प्रत्येक रविवार एवं बुधवार) तथा 04067 भागलपुर से दिनांक 12.05.2025 से 10.07.2025 (प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार) को।
ठहराव : गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., मोकामा, हाथीदा जं., लक्खीसराय जं., किऊल जं., अभयपुर जं., जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज स्टेशन।
स्थान : शयनयान (आरक्षित)

04618/04617 अमृतसर जं. – सहरसा जं. – अमृतसर जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 36 फेरे

गाड़ी सं. 04618 आगमन	गाड़ी सं. 04618 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04617 आगमन	गाड़ी सं. 04617 प्रस्थान
---	20:10	अमृतसर जं.	14:00	---
03:00	---	सहरसा जं.	---	05:00

चलने के दिन : 04618 अमृतसर जं. से दिनांक 12.05.2025 से 08.07.2025 (प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार) तथा 04617 सहरसा जं. से दिनांक 14.05.2025 से 10.07.2025 (प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार) को।
ठहराव : ब्यास जं., जलंधर सिटी जं., फगवाड़ा जं., ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा जं., अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., सीवान जं., छपरा, हाजीपुर जं., बरौनी जं., खगड़िया जं. एवं मानसी जं. स्टेशन।
स्थान : शयनयान (आरक्षित)

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे — आपकी सुविधा - हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

1328/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

ये बसें अपने निर्धारित रूटों पर सेवाएं प्रदान करने के दौरान नमो भारत स्टेशनों पर बनाई गई ड्रॉप ऑफ लेन में रुक रही हैं, जहां से नमो भारत ट्रेनों के यात्री इनमें बैठकर आगे की यात्रा का लाभ उठा सकते हैं। नमो भारत स्टेशन के पास जिस रूट पर ये बसें परिचालित हो रही हैं उनमें न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन से आनंद विहार आईएसबीटी तक, आनंद विहार आईएसबीटी से अशोक नगर बॉर्डर तक और अशोक नगर बॉर्डर से मयूर विहार फेस-3 पेपर मार्केट तक के रूट शामिल हैं : **पुनीत वत्स, एनसीआरटीसी प्रवक्ता।**

नोएडा प्राधिकरण ने यूपी जल निगम से तोड़ा 22 साल का करार

नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे समानांतर ग्रीन बेल्ट के दाय और बाय और चैनेज 10.30 किमी से 20 किमी तक गहरी सीवर लाइन की मरम्मत और इसको क्रियाशील करने का काम नोएडा प्राधिकरण करेगा। ये कार्य उप्र जल निगम को पूरा करना था। बतौर 2002 में इसके लिए नोएडा प्राधिकरण और उप्र जल निगम के बीच एमओयू साइन हुए थे। प्राधिकरण ने एग्रीमेंट को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। साथ ही ये काम अब प्राधिकरण 40 करोड़ में कराएगा। जबकि इसी काम को जल निगम 63.36 करोड़ में करता।

इसका फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि इस एरिया में लगातार इंडस्ट्री, संस्थागत, आवासी और ग्रामीण आबादी बढ़ रही है। यहां पहले डाली गई सीवेज लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। ऐसे में निकलने वाले सीवेज नोएडा एक्सप्रेस वे ग्रीन बेल्ट में जगह-जगह भर जाता है।

- **63.36करोड़ का प्रोजेक्ट 40 करोड़ और एक साल मे तैयार करेगा प्राधिकरण**

यही वहज है कि कई बार एनजीटी में भी इसके खिलाफ याचिका दायर की जा चुकी है। साथ ही आईजीआरएस के जरिए भी लगातार शिकायत मिल रही है।

जल निगम के साथ क्या हुआ था एमओयू

इस कार्य को करने के लिए करीब 20 साल पहले उप्र जल निगम के साथ 2002 में 9833 लाख रुपए का एमओयू साइन किया गया था। बात में समय के साथ एमओयू साइन करते हुए कुल 14058 लाख रुपए इस योजना के लिए स्वीकृत किए गए। योजना के तहत नोएडा एक्सप्रेस वे के दोनों ओर 8 सीवेज पंपिग स्टेशन, 2 मास्टर सिवेज पंपिंग स्टेशन और दोनों तरफ 20-20 किमी गहरी सीवर का निर्माण किया जाना था। इस निर्माण के लिए उप्र जल निगम को नोएडा प्राधिकरण ने 14009 लाख का भुगतान 2014 तक किया गया। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष 49.27 लाख का भुगतान शेष था।

प्राधिकरण ने पैसा दिया लेकिन काम अधूरा

इस एमओयू और पैसा देने के बाद भी अब तक एडवंट टावर सेक्टर-142 से आगे इंटरमीडियट पंपिंग स्टेशन 1,2,5,6 व गहरी सीवर, प्रेशर मेन लाइन की टेस्टिंग व हैंडओवर जल निगम ने प्राधिकरण को नहीं किया। जबकि एग्रीमेंट के तहत नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे के एलएचएस व आरएचएस में बायी तरफ चार इंटरमीडियट पंपिंग स्टेशन व एक मास्टर पंपिंग स्टेशन सेक्टर-142 व दायी तरफ चार आईपीएस एक एमएसपीएस सेक्टर-168 का सिवेज का निपटारा एसटीपी-168 के साथ ग्रेविटी लाइन एराइजिंग मेल लाइनों का शोधित किया जाना भी शामिल था। इससे नोएडा एक्सप्रेस के साथ समस्त सेक्टर व ग्रामों का निकलने वाले सिवेज का शोधिन शामिल था।

क्या है वर्तमान स्थिति

प्राधिकरण ने बताया कि अनुबंध के तहत एडवांट टावर से ग्रेटरनोएडा बार्डर तक दोनों तरफ चारों आईपीएस का निर्माण जल निमग ने नहीं कराया। महज ग्रेविटी लाइन, राइजिंग लाइन व आरसीसी वेल का निर्माण किया गया। इसी बीच एक्सप्रेस वे तीनों अंडरपास, नोएडा मेट्रो की एक्वा लाइन और डीएफसीसीआईएल की लाइनों को डाले के पहले ही ग्रेविटी लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। ये लाइन 2003-04 में डाई गई थी जो पूरी तरह से अक्रियाशील है।

दोबारा बैठक में जल निगम ने मांगे 63 करोड़

इस लाइन को पूरा करने लिए 2023 में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने यूपी जल निगम के साथ बैठक की। साथ ही अधूरे प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए कहा गया। इस पर जल निगम ने कार्यों को पूरा करने के लिए 63.36 करोड़ की मांग की। साथ ही प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 1.5 साल का समय मांगा। सामने आया कि यदि ये काम प्राधिकरण कराए तो इसे महज 40 करोड और एक साल में पूरा किया जा सकता है।

प्राधिकरण ने निरस्त किया एग्रीमेंट

एग्रीमेंट में पेनाल्टी क्लाज-9 एवं विवाद का निराकरण क्लाज-11 के अंतर्गत प्राधिकरण को पूरा अधिकार होगा कि बिना कारण बताए उप्र जल निगम को कार्य से बेदखल कर सकेगा।

कंपोनेंट यूनिट लगाने का मौका

- **प्राधिकरण निकालेगा 10 प्लाट की योजना**
- **1000 से 1500 वर्गमीटर के होंगे प्लाट**

नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। नोएडा में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियों के लिए यहां छोटे प्लाट लेकर आ रही है। इन प्लाट का साइज 1000 वर्गमीटर से 1500 वर्गमीटर के आसपास होगा। पहले फेज में करीब 10 प्लाट निकाले जाएंगे। योजना के तहत प्लाट आवंटन ई ऑक्शन से किया जाएगा। जिसके बाद प्लाट आवंटित होंगे। नोएडा ग्रेटरनोएडा में बड़ी बड़ी मैन्यूफेक्चरिंग यूनिट लग रही है। इनको सामन बनाने के लिए छोटे-छोटे कंपोनेंट की आवश्यकता होती है। यही कंपोनेंट बड़ी कंपनियों के लिए कच्चा मॉल भी होता है। जिसे लेने के लिए अक्सर कंपनियां कोलकाता, लुधियाना या अन्य शहर की इंडस्ट्री पर निर्भर रहते है। कंपोनेंट सेंक्टर में चाइना का बाजार भी काफी बड़ा है। ऐसे में विदेशी बाजार की निर्भरता को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए नोएडा में इलेक्ट्रिक कंपोनेंट बनाने की यूनिट स्थापित करने की योजना है। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि इसके लिए लैंड बैंक तलाश किया गया है। जल्द ही योजना को लॉन्च किया जाएगा। ये सिर्फ कंपोनेंट सेक्टर की इंडस्ट्री के लिए होगा। इसके अलावा स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए अलग से योजना निकाली जाएगी। बता दे नोएडा में फैक्ट्री एक्ट के तहत अब तक करीब 5000 हजार से ज्यादा इंडस्ट्री रजिस्टर्ड है। यहां कारोबार करीब 50 हजार करोड़ के आसपास का है। इसके अलावा लगातार इंडस्ट्री आ रही है। ऐसे में एमएसएमई सेक्टर की कंपोनेंट यूनिट के लिए ये बेहतर विकल्प होगा।

सार संक्षेप

राष्ट्रीय ध्वज होगा नगर पालिका परिषद कार्यालय की आन बान शान

खोड़ा। निकाय क्षेत्र के तहत राष्ट्रीय ध्वज शीघ्र ही नगर पालिका परिषद कार्यालय की आन बान शान और पहचान बनेगा। अभी तक लोगो को नगर पालिका परिषद कार्यालय तक पहुंचने के लिए सड़को चौराहों पर लगे होर्डिंग शाइन बोर्ड कियोस्क और विहार और पता पूछकर नपा कार्यालय पहुंचने का सहारा लेना पड़ता था। लेकिन शीघ्र ही देश की आन बान शान से ओतप्रोत तिरंगा दूर से ही लहराता हुआ देखने को मिलेगा। राष्ट्रीय ध्वज को लगाने के लिए प्रवेश द्वार के सामने ही लगभग छह मीटर गहरे और चार मीटर चौड़े व्यास में गड्ढ़े की खुदाई भी कर ली गई है। राष्ट्रीय ध्वज की पाइप स्टैंडर्ड स्टीलनेस की होंगी। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज की ऊंचाई लगभग बीस मीटर या साठ से सत्तर फिट की ऊंचाई पर होगी। यानी यदि किसी सामान्य बिल्डिंग की ऊंचाई पांच मंजिला है तो उससे भी ज्यादा राष्ट्रीय ध्वज की ऊंचाई होगी। आगामी दो सप्ताह के अंदर इसके लगने की संभावना जताई गई है।

तमंचे के साथ बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। वारदात करने की फिराक में घूम रहे बदमाश को सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक तमंचा भी बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान बिहार के अररिया निवासी मोहम्मद रईस के रूप में हुई है। सेक्टर-16ए फिल्म सिटी के एनटीपीसी गेट नंबर दो के पास टीम जब मौजूद थी तभी रईस उधर से गुजरा। संदिग्ध लगने पर टीम ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस रईस का आपराधिक इतिहास पता करने में जुट गई है। आरोपी को तमंचा कहां से मिला इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। हथियारों की तस्करी के पहलू पर भी पुलिस रईस से पूछताछ कर रही है।

मोबाइल लूटने वाले गिरोह का सरगना साथियों संग गिरफ्तार

नोएडा। राहगीरों का मोबाइल लूटकर फरार होने वाले गिरोह के सरगना और उसके दो साथियों को एक्सप्रेसवे थाने की पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों के पास से वारदात में इस्तेमाल होने वाली दो मोटरसाइकिल, लूट के आठ मोबाइल, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। गिरफ्त में आए सभी बदमाशों का आपराधिक इतिहास है। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि रविवार को एक्सप्रेस वे थाने की पुलिस टीम वाजिदपुर से पुस्ता की तरफ जाने वाले तिराहे के पास से जांच कर रही थी। इसी दौरान दो बाइक पर सवार तीन युवक उधर से गुजरे। संदिग्ध लगने पर जब पुलिस टीम ने तीनों को रुकने का इशारा किया तो वे तेजी से भागने लगे। टीम ने पीछा कर तीनों को दबोच लिया और पूछताछ करनी शुरु की। पूछताछ के दौरान पता चला कि तीनों युवक शातिर किस्म के लुटेरे हैं जो राहगीरों का मोबाइल लूटकर फरार हो जाते हैं।

जातीय जनगणना वन नेशन और वन इलेक्शन का फैसला होगा ऐतिहासिक

खोड़ा, 5 मई (देशबन्धु)। लोक प्रिय विहार स्थित भाजपा कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा सदस्य चौधरी हरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस सहित कई विपक्ष नेता विकास की बाते छोड़कर जातीय जनगणना कराए जाने की श्रेय लेने में लगे है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराए जाने वन नेशन वन इलेक्शन का ऐतिहासिक एवं साहसिक कदम उठाया है। लेकिन विपक्ष उसका श्रेय लेने में लगा है। जबकि कांग्रेस के लंबे कार्यकाल में जातीय जनगणना को नहीं कराया गया। वन नेशन वन इलेक्शन का मुद्दा भी अरसे से लंबित है। परिवारवादी पार्टियां परिवार के अलावा अन्य लोगों को अवसर नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना से समाज के पिछड़े वंचित और शोषित लोगों को विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का प्लेटफॉर्म मिलने के साथ ही राज्यवार सटीक आंकड़ों की सटीक जानकारी भी मिल सकेगी। वहीं लोकसभा विधानसभा का एक साथ चुनाव होने से भारी भरकम राशि की बचत होगी। वहीं रकम राष्ट्र के विकास पर खर्च होगी। वहीं जातीय जनगणना से भील गौड मारिया व अन्य पिछड़ी आदिवासी जनजातियों को राष्ट्र की मुख्य विकास धारा से जुड़ने का समानांतर अवसर मिलेगा। देश के पिछड़े राज्यों में कई ऐसी जनजातियां जिनका अनुमान तो लगाया जा सकता है परन्तु सटीक आंकड़े उपलब्ध नहीं है। जातीय जनगणना से सभी का समावेशी विकास में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस से तीन वरिष्ठ नेता कई दशकों तक शीर्षस्थ पद पर काबिज रहे। परन्तु समाज के सबसे पिछड़े लोगों की तरफ ध्यान नहीं गया। जातीय जनगणना कराए जाने का सदन से पारित होने के बाद अब सभी राजनैतिक पार्टियों को पिछड़े शोषित और वंचित लोगों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का अवसर प्रदान करने में योगदान देना चाहिए। पुलवामा में कायर आतंकियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों पर हुए हमले के उपरांत पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। सभी भारतीयों को एकजुट होकर आतंकवादियों और उनको पोषित करने वाले पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए।

जाम लगने का कारण बने बैंक्विट हॉल

- **16 बैंक्विट हॉल को नोटिस, डीसीपी ट्रैफिक ने प्राधिकरण और प्रशासन को लिखा पत्र**

नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। शादी समारोह के दौरान सड़क पर जाम लगा रहा है। इसकी बड़ी वजह सड़क किनारे बने बैंक्विट हॉल है। इस ट्रैफिक पुलिस ने बैंक्विट हॉल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। साथ ही प्राधिकरण और डीएम को पत्र लिखकर बैंक्वेट हॉल प्रबंधन पर सख्ती बरतने के लिए आग्रह किया है। जाम की ये स्थित नोएडा के सेक्टर-53,71,72,73 है। यहां नोएडा के सबसे ज्यादा बैंक्वेट हॉल है। साथ ही ये नोएडा की मुख्य सड़क एमपी-3 है। यहां पीक आवर में हैवी ट्रैफिक रहता है। डीसीपी ट्रैफिक लखन यादव ने बताया कि सर्दी के सीजन में भी 16 बैंक्विट हॉल प्रबंधक को नोटिस जारी किया था। इस बार फिर से भी को नोटिस भेजा गया है। बैंक्विट हाल प्रबंधक को कहा गया कि वह अपनी पार्किंग में ही वाहनों को खड़ा करवाए। सड़क पर कोई भी वाहन पार्क नहीं होना चाहिए। अक्सर सड़क पर खड़े वाहन ही जाम का कारण बनते है। इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण और प्रशासन को भी पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। ऐसे में यदि जाम लगता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बैंक्विट हॉल प्रबंधक की होगी।

सोरखा गांव में नाबालिग ने लगाई फांसी

नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। नोएडा के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सोरखा में एक नाबालिग ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बच्चे के की उम्र महज 14 से 16 साल के आसपास है। उसका शव झुग्गी में बने कमरे में रस्सी से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौके की वजह भी हैंगिंग निकलकर सामने आई है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मृतक नाबालिग की पहचान राघव हुई है। उसके पिता तोता राम मजदूरी करते है। वहीं राघव पढ़ाई लिखाई नहीं करता था। साथ ही दिन पर घर के बाहर की घूमता था। पुलिस ने बताया कि वो कभी कभार घर भी नहीं आता था। इसी बात से नाराज होकर अक्सर उसका कहा सुनी परिजनों से होती थी। कयास लगाए गए कि रविवार को भी परिजनों से उसकी कहासुनी हुई। जिसके बाद रात में उसने फांसी लगातार सुसाइड कर लिया।

सुबह जब वो घर कमरे से बाहर नहीं आया तो वहां परिजन पहुंचे। फांसी के फंदे से लटाकर देखकर चीख पुकार मच गई। पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को उताकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच में मौत की वजह हैंगिंग निकलकर सामने आई है। पुलिस परिजनों और उसके दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है।

नपा से संबंधित शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम होगा स्थापित

खोड़ा, 5 मई (देशबन्धु)। नाली नाले की साफ सफाई कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव पोलो पर लगी स्टेट लाइटे अतिक्रमण या नगर पालिका परिषद द्वारा कूड़ा ढोने की गाड़िया या गंगाजल सप्लाई के टैंकर आदि सभी संबंधित शिकायतों के लिए नगर पालिका परिषद में शीघ्र ही कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। नपा के प्रवेश द्वार के बाएं हाथ पर कंट्रोल रूम का ढांचा बनकर तैयार हो गया है। एक सप्ताह के अंदर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगने के बाद टोल फ्री नंबर से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण भी शुरू हो जाएगा। नगर पालिका से संबंधित शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर पिछले माह ही जारी कर दिया है। नपा के अधिकारियों ने बताया कि लोगो को अब नगर पालिका परिषद से संबंधित कार्यों के लिए पत्र लेकर कार्यालय नहीं भटकना पड़ेगा। टोल फ्री नंबर या पत्र द्वारा प्राप्त शिकायतों के समाधान की मॉनिटरिंग संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाएगा। साथ ही शिकायतों के समाधान की समय सीमा भी तय की जाएगी। नगर पालिका परिषद के तहत संचालित सभी चौरासी वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा चुका है। वाहनों की निगरानी भी कार्यालय में लगी बड़ी स्क्रीन से की जा रही है। एक क्लिक से ही कौन सा वाहन किस गंतव्य पर है। उसकी जानकारी भी मिल जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्रक चालक की मौत

नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग-नौ पर 15 दिन पहले हुए सड़क हादसे में बाइक लेकर जा रहे ट्रक चालक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। मृतक की पत्नी ने थाना सेक्टर-63 में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक निवासी नीलम ने पुलिस को बताया कि पति रोहित कुमार ट्रक चालक थे। वह 20 अप्रैल की सुबह करीब तीन बजे बाइक लेकर घर से साहिबाबाद ट्रक लेने जा रहे थे। कुछ घंटे बाद पुलिस से सूचना मिली कि रोहित सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। उन्हें फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पीड़िता अस्पताल पहुंचीं तो चिकित्सकों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया।

महापौर ने किया मनमोहन गोयल औद्योगिक क्षेत्र गुलधर-दुहाई का लोकार्पण

गाजियाबाद, 5 मई (देशबन्धु)। महापौर सुनीता दयाल ने सोमवार को गुलधर-दुहाई औद्योगिक क्षेत्र का लोकार्पण और नामपट्ट का अनावरण किया। उसके पश्चात एचएलएम कॉलेज के प्रांगण में हुए कार्यक्रम में महापौर, विधायक-मुरादनगर अजीत पाल त्यागी सहित अनेक व्यक्तियों ने मनमोहन गोयल के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। सभी वक्ताओं ने उनको महान समाजसेवी और दानदाता कह कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मनमोहन गोयल की धर्मपत्नी पुष्पा रानी गोयल ने भी उनके साथ अपने 64 वर्षीय वैवाहिक जीवन के कुछ संस्मरण रखे।

गाजियाबाद से मोदीनगर तक के सारे क्षेत्र की पहली फैक्ट्री (भारत उद्योग) ग्राम दुहाई में 1963 में मनमोहन गोयल ने लगायी थी तथा मुरादनगर 220 के वी बिजलीघर से दुहाई तक की 6 किमी लम्बी बिजली की लाईन भी इन्होने ही कई-कई बार अपने खर्चे पर बनवायी थी।

इससे पहले नीरज सिंघल -अध्यक्ष, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, अतुल जैन-अध्यक्ष, लोहा विक्रेता मंडल, अमरीश गोयल - जिलाध्यक्ष, लघु उद्योग भारती, सुशील अरोड़ा - अध्यक्ष, आईएएमए, सत्यभूषण अग्रवाल -अध्यक्ष, अमृत स्टील कंपाउंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, विहिप बजरंगदल के महानगर अध्यक्ष आलोक गर्ग ने अपना समर्थन पत्र दिया था।

ग्यारह साल पुराने मामले में राकेश टिकैत ने न्यायालय में उपस्थित होकर कराए वारंट निरस्त

गाजियाबाद, 5 मई (देशबन्धु)। लगभग ग्यारह साल पहले दर्ज हुए मुकदमे में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सोमवार को स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट एमपी, एमएलए में अपने जमानती प्रस्तुत कर अपने वारंट निरस्त कराए।

उनके अधिवक्ता चौधरी अजय वीर सिंह ने बताया कि 18 सितम्बर 2014 को रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह के दिल्ली आवास को जबरदस्ती ख़ाली कराए जाने के विरोध में मुरादनगर गंग नहर पर रालोद कार्यकर्ताओं व भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं तथा समाज के लोगों के द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया था। जिसमें उस समय की समाजवादी सरकार की पुलिस ने 36 नामजद व हजारों अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना मुरादनगर पर गम्भीर धाराओं में मुक़दमा दर्ज किए गए थे। मुक़दमो में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद दो मुकदमे स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट एमपी एमएलए गाजियाबाद में विचाराधीन हैं। इन दोनों मुकदमों मे 36 नामज़द लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी। जो लोग न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे उनके न्यायालय द्वारा जमानती वारंट जारी किये गए थे। आज राकेश टिकैत ने न्यायालय में उपस्थित होकर अपने वारंट निरस्त करते तथा दोनों मुकदमों में अपने ज़मानती दाखिल किये। न्यायालय ने उक्त दोनों मुकदमों में 23 मई अगली सुनवायी के लिए निर्धारित की है। राकेश टिकैत के साथ किसान यूनियन के ज़िलाध्यक्ष बिजेंद्र चौधरी, अनीश चौधरी, रनवीर सिंह डागर, ओम पाल चौधरी, एस सी चौधरी, राजकुमार दुहाई, मधु चौधरी,पवन चौधरी, अनुज कुमार, अभिषेक चौधरी, संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

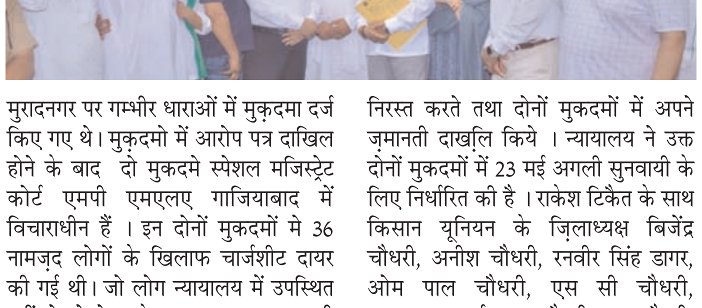

दिल्ली सेक्शन में नमो भारत स्टेशनों पर लास्ट माइल कनेक्टिविटी प्रदान कर रहीं इलेक्ट्रिक एसी बसें

- **न्यू अशोक नगर और आनंद विहार नमो भारत स्टेशन पर है स्टॉप**

गाजियाबाद, 5 मई (देशबन्धु)। एनसीआरटीसी ने डीटीसी के साथ मिलकर दिल्ली में विभिन्न रूटों पर चलने वाली इलेक्ट्रिक एसी सिटी बसों को नमो भारत स्टेशनों से इंटीग्रेट करने की व्यवस्था की है। इसके लिए आपसी सहमति से शुरुआत में 3 ऐसे रूट निर्धारित किए गए हैं, जो दिल्ली सेक्शन के परिचालित स्टेशनों, न्यू अशोक नगर और आनंद विहार से कनेक्टेड हैं। इनमें से एक रूट की बसें तो न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन से ही संचालित की जा रही हैं। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि ये बसें अपने निर्धारित रूटों पर सेवाएं प्रदान करने के दौरान नमो भारत स्टेशनों पर बनाई गई ड्रॉप ऑफ लेन में रुक रही हैं, जहां से नमो भारत ट्रेनों के यात्री इनमें बैठकर आगे की यात्रा का लाभ उठा सकते हैं। नमो भारत स्टेशन के पास जिस रूट पर ये बसें परिचालित हो रही हैं उनमें न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन से आनंद विहार आईएसबीटी तक, आनंद विहार आईएसबीटी से अशोक नगर बॉर्डर तक और अशोक नगर बॉर्डर से मयूर विहार फेस-3 पेपर मार्केट तक के रूट शामिल हैं।ये बसें सुबह 6.30 बजे से रात 11 बजे तक अपने-अपने टाइम टेबल के अनुसार इन रूट पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही हैं इन बसों के चलने से चिल्ला गांव, सपेरा बस्ती, न्यू कोंडली, दल्लुपुरा, गाज़ीपुर गांव व मंडी, धर्मशिला क्रॉसिंग, त्रिलोक पुरी आदि क्षेत्रों के निवासी निर्बाध रुप से नमो भारत के नेटवर्क से जुड़ गए हैं। इससे उनके लिए गाजियाबाद और मेरठ तक नमो भारत द्वारा तेज गति से यात्रा करना बेहद आसान हो गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में, दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का 55 किमी का खंड 11 स्टेशनों के साथ जनता के लिए परिचालित है। साथ ही, कॉरिडोर के अन्य खंड जैसे सराय काले खां से न्यू अशोक नगर एवं मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक ट्रायल रन किए जा रहे हैं। यानी पूरे कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेनों को दौड़ते हुए देखा जा सकता है। एनसीआरटीसी का लक्ष्य है कि संपूर्ण दिल्ली - मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को इसी साल जनता के लिए परिचालित कर दिया जाए।

सीपी ने सिख परिवार के हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई का दिया आश्वासन

गाजियाबाद, 5 मई (देशबन्धु)। पुलिस कमिश्नर जे. रविन्द्र गौड़ ने सिख समाज के प्रतिनिधिमंडल को सिख परिवार पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया Kइससे पहले रालोद नेता सरदार इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में सिख समाज का एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर से मिला और ट्रांस हिंडन में एक सिख परिवार पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ करवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में सरदार गुरमीत सिंह रामी प्रधान गुरुद्वारा इंदिरापुरम, शरणजीत सिंह गुरुद्वारा लाल क्वार्टर साहबजसपाल सिंह गुरुद्वारा लाल क्वार्टर कवलजीत सिंह रामप्रस्थ गुरुद्वारा मनजीत सिंह श्याम पार्क गुरुद्वारा प्रीत पाल सिंह खोसला, जसमीत सिंह, वीर अमन, मोहित मलिक, अमरजीत सिंह मनोहर सिंह, मनप्रीत सिंह, तेजिंदर सिंह, मनजीत सिंह, गगन सिंह, अरोड़ा आदि थे।

उवाच

जिन पेंशनरों के जीवित प्रमाण-पत्र की वैधता माह मई 2025 में समाप्त हो रही है, ऐसे सभी पेंशनरों अपना जीवित प्रमाण पत्र तत्काल भरें, जिससे उनकी माह मई 2025 की पेंशन नियमित की जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 102 पेंशनरों की पेंशन जीवित प्रमाण पत्र न भरने के कारण रूकी हुई है, यदि पेंशनर अत्यअधिक बीमार/आने-जाने में पूर्णत असमर्थ हैं, तो ऐसे पेंशनर के परिजन कोषागार में सम्पर्क कर सकते है : **शिखा गुप्ता, वरिष्ठ कोषाधिकारी गौतम बुद्ध नगर।**

कैपिटल ज़ोन

लेआउट प्लान मंजूर कराने के बाद ही होगा फिल्म सिटी का शिलान्यास

- **यमुना प्राधिकरण की ओर से बेव्यू भूतानी फिल्म सिटी को जारी की गई गाइड लाइन, चेतावनी भी दी गई**
- **बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी लि. ने 27 जून तक निर्माण कार्य शुरू न किया तो डेढ़ लाख रुपए प्रतिदिन लगेगा जुर्माना**
- **लेआउट प्लान मंजूर करने के लिए यीडा ने विकासकर्ता एजेंसी को जारी किया पत्र**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के सेक्टर-21 में प्रस्तावित फिल्म सिटी का शिलान्यास कराने से पहले विकासकर्ता कंपनी वेब्यू भूटानी फिल्म सिटी लिमिटेड को फिल्म सुविधा व फिल्म इंस्टीट्यूट का निर्माण किए जाने से पहले से ले-आउट प्लान एवं बिल्डिंग प्लान स्वीकृति करना होगा। फिल्म सिटी का अभी तक भू-उपयोग मानचित्र ही यीडा से स्वीकृति कराया गया है। इससे पहले विकासकर्ता एजेंसी फिल्म सिटी का शिलान्यास करना चाहता था। इसके लिए यमुना प्राधिकरण को पत्र लिखकर शिलान्यास करना चाहता था। इसके जवाब में प्राधिकरण की तरफ से विकासकर्ता कंपनी को प्राधिकरण ने पत्र लिखकर पहले ले-आउट प्लान और बिल्डिंग प्लान मंजूर करने के लिए कहा है। विकासकर्ता ने अगर 27 जून से पहले फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया तो कंसेशन एग्रीमेंट के हिसाब से उसे डेढ़ लाख रूपए प्रति दिन जुर्माना देना होगा। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राध्धिकरण (यीडा) ने यमुना सिटी में बनने जा रही बहुप्रतीक्षित फिल्म सिटी परियोजना को लेकर डेवलपर्स को सख्त निर्देश जारी किए हैं। प्राधिकरण ने साफ किया है कि किसी भी तरह का निर्माण कार्य शुरू करने या शिलान्यास समारोह आयोजित करने से पहले फिल्म स्टूडियो और फिल्म संस्थान की लेआउट व बिल्डिंग योजनाओं को स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम, बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड 2 मई को जारी आधिकारिक पत्र में कंसेशन एग्रीमेंट की शर्तों का सख्ती से पालन करने को कहा है। इसमें याद दिलाया गया है कि परियोजना की शुरुआत दो मुख्य घटकों फिल्म स्टूडियो और फिल्म प्रशिक्षण संस्थान से ही होनी चाहिए। जिन्हें पहले तीन वर्षों में पूरा करना आवश्यक है। यीडा के सीईओ अरुण वीर सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष 27 जून को कंसेशन समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, और उसके अनुसार एक वर्ष के भीतर निर्माण कार्य शुरू करना अनिवार्य है। समय पर काम शुरू न होने की स्थिति में प्रति दिन डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। दरअसल, फिल्म सिटी परियोजना 230 एकड़ क्षेत्र में फैली है, जिसमें से 155 एकड़ औद्योगिक उपयोग (स्टूडियो और संस्थान) और 75 एकड़ वाणिज्यिक उपयोग के लिए निर्धारित है। जनवरी में भूमि उपयोग मानचित्र को मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन यीडा ने स्पष्ट किया कि बिना स्वीकृत लेआउट और योजनाओं के कोई भौतिक कार्य शुरू नहीं किया जा सकता। इन योजनाओं में स्टूडियो, संस्थान, पार्किंग, लैंडस्केपिंग और भवन-स्तरीय अनुमतियां शामिल होंगी, जो प्राधिकरण के निर्माण उपनियमों के अनुरूप होनी चाहिए। यह भी निर्देश दिया है कि परियोजना को पर्यावरणीय मानकों का पालन करना होगा। इसके तहत ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणपत्र ग्रह 4-स्टार या आईजीबीसी गोल्ड रेटिंग प्राप्त करना अनिवार्य है। डेवलपर्स द्वारा इस परियोजना में आठ वर्षों में 1,510 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना है, जिसमें दूसरे वर्ष 50 करोड़, तीसरे वर्ष 75 करोड़ और चौथे से आठवें वर्ष तक प्रति वर्ष 100 करोड़ का निवेश शामिल है। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप की कंपनी बेव्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड इस परियोजना के पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य करेंगे, जबकि पूरी फिल्म सिटी 1000 एकड़ में फैली होगी। इस चरण में फिल्म निर्माण के लिए अत्याधुनिक स्टूडियो, साउंड और लाइट के विशेष प्रभाव वाले स्टूडियो, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, विला, कार्यालय, आउटडोर लोकेशन आदि विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा, फिल्म निर्माण से संबंधित उपकरणों और सेट निर्माण से जुड़े उद्योग भी स्थापित किए जाएंगे। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल फिल्म निर्माताओं को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है, बल्कि स्थानीय कलाकारों और तकनीशियनों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करना भी है। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य में सांस्कृतिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जेवर में कार्गो रूट प्रोजेक्ट का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

- **कार्गो रोड के निर्माण कार्यों को निर्धारित समय में गुणवत्ता के साथ पूरा करने का दिया निर्देश**
- **ग्रामीणों से संवाद कर पथवाड़ा नाले से संबंधित जिलाधिकारी ने सुनी समस्याएं**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने तहसील जेवर के ग्राम हुकुम सिंह नगला पहुंचकर कार्गो रूट प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण स्थल का बारीकी से जायजा लिया और प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 8.5 किलोमीटर लंबी और 30 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया जा रहा है, जो औद्योगिक परिवहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने परियोजना से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता में समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए और नियमित निगरानी रखने को कहा, ताकि कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा हो सके। इसी के साथ जेवर क्षेत्र के ग्राम रन्हेरा में पहुंचकर पथवाड़ा नाले पर चल रहे विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाले की स्थिति को बारीकी से परखा और ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को भी सुना। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता ऊपरी माट शाखा गंग नहर खुर्जा मोर मुकुट, सहायक अभियंता अशोक कुमार जैन एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे। उप जिलाधिकारी जेवर ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि पथवाड़ा नाले पर बनी 3 पुलियाएं संकरी हैं, जो बरसात के मौसम में जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि नाले के ढाल को सुगठित करने का कार्य प्रगति पर है तथा व्यापक स्तर पर सफाई कार्य भी कराया जा रहा है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने नाले पर बनी पुलियाओं का निरीक्षण करते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पथवाड़े नाले में पानी आने से पहले पुलियाओं का चौड़ीकरण कार्य हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारी को इस संबंध में नियमित निगरानी रखने के आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए।

ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर दो-तीन के बीच की सड़क जल्द होगी दुरुस्त

- **ग्रेनो प्राधिकरण ने सिविल, बिजली, उद्यान, जल-सीवर के 19 कार्यों के टेंडर निकाले**
- **सेक्टर 10 में ओपन जिम खुलेगा, बोड़ाकी में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, बरातघर बनेंगे**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सेक्टर दो व तीन के बीच 60 मीटर रोड जल्द दुरुस्त होगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इसकी रिसर्फेसिंग के लिए टेंडर निकाल दिया है। इसके साथ ही निर्माण, विद्युतीकरण, उद्यान व जल-सीवर से जुड़े 19 कार्यों के लिए भी टेंडर निकाले गए हैं। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने परियोजना विभाग से ग्रेटर नोएडा की सभी सड़कें दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। परियोजना विभाग ने सड़कों की दशा सुधारने का काम शुरू कर दिया है। प्राधिकरण की तरफ से कई विकास कार्यों के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। सेक्टर दो व तीन के बीच 60 मीटर रोड की रीसर्फेसिंग के लिए टेंडर निकाला गया है। इस रोड की रिसर्फेसिंग पर लगभग 1.40 करोड़ रुपए की लागत आएगी। एलजी चौक से शारदा विवि गोलचक्कर तक 60 मीटर चौड़ी सड़क के साथ-साथ आरसीसी नाले का निर्माण करने के लिए भी दो टेंडर निकाले गए हैं। इसके निर्माण पर करीब 13.77 करोड़ रुपए खर्च होंगे। हिंडन ब्रिज से सेक्टर दो और टेकजोन-4 तक 130 मीटर रोड पर क्रेक सीलिंग के कार्य के लिए 1.18 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं। ईकोटेक-7 में लुक्सर जेल से ओप्पो कंपनी तक 45 मीटर सर्विस रोड और नाले के निर्माण के लिए भी 2.25 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा के विभिन्न गांवों एवं छह फीसदी आवासीय भूखंडों (ब्रह्मपुर, नवादा, बिरौंडी, बिरौंडा, ऐच्छर, कयामपुर, चुहड़पुर, मथुरापुर आदि) में पानी की डिस्ट्रीब्यूशन लाइन का तीन वर्ष का अनुरक्षण कार्य, सेक्टर 10 केपी-5 में ओपन जिम लगाने और तीन वर्ष तक अनुरक्षण करने का भी टेंडर जारी हुए हैं। ग्राम बोड़ाकी में बरातघर, सामुदायिक केंद्र, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय, खेल का मैदान, श्मशान घाट, कब्रिस्तान में आंतरिक विद्युतीकरण और स्ट्रीट लाइट/हाईमास्ट लाइट लगाने का कार्य कराने के टेंडर निकाले गए हैं। प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया को एक माह में पूरा कर कार्यों को तय समय में शुरू कराने के निर्देश दिए हैं।

यमुना प्राधिकरण ने निकाली डेढ़ साल बाद औद्योगिक भूखंड़ों की योजना

- **होटल व वाणिज्यक भूखंड़ों की भी निकाली योजना**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने सोमवार को उद्योग समेत विभिन्न श्रेणी में भूखंड योजनाएं निकाली हैं। डेढ़ साल बाद प्राधिकरण औद्योगिक भूखंड़ों की योजना निकाली है। जिसमें आठ हजार से छोटे से आठ हजार से बड़ें भूखंड शामिल है। इन योजनाओं में नीलामी से भूखंडों का आवंटन होगा। प्राधिकरण जल्द ही संस्थागत श्रेणी में भी भूखंड योजना निकालने जा रहा है। इसमें नर्सरी, इंटरमीडिएट से लेकर विश्वविद्यालय एवं सामाजिक संस्थाओं के लिए भूखंडों का आवंटन होगा। यमुना प्राधिकरण की भूखंड योजनाएं काफी समय से बैंकों के कारण लांच नहीं हो पा रही थीं। योजनाओं को लेकर बैंक विज्ञापन देने में आनाकानी कर रहे थी। यीडा सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने योजना लांच करने में सहयोग न करने पर बैंकों से खाते बंद करने की चेतावनी दी थी। इस चेतावनी के बाद यीडा की भूखंड योजना सोमवार को लांच हो गई। चालू वित्त वर्ष में उद्योग श्रेणी के लिए यह पहली योजना है। इसके तहत आठ हजार वर्गमीटर तक के 50 भूखंडों का आवंटन होगा। टाय पार्क में दो, अपैरल पार्क में 10, हैंडीक्राफ्ट पार्क में पांच व एमएसएमई में 33 भूखंड हैं। इनका आवंटन नीलामी से होगा। आठ हजार वर्गमीटर से बड़े भूखंडों की श्रेणी में पांच भूखंड का आवंटन होगा। इसमें दो भूखंड टाय पार्क, एक अपैरल व दो एमएसएमई श्रेणी में हैं। इनका आवंटन साक्षात्कार से होगा। यीडा सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि उद्योग के अलावा होटल उद्योग के लिए सात, फ्यूल स्टेशन के लिए सेक्टर 20 में दो, कामर्शियल श्रेणी में छह और पांच दुकान का भी आवंटन होगा।

संस्थागत श्रेणी में आएगी भूखंड योजना

यीडा जल्द ही नर्सरी स्कूल, इंटरमीडिएट कालेज, विश्वविद्यालय, अस्पताल, सामाजिक संस्थाओं के लिए अलावा ग्रुप हाउसिंग के लिए भी भूखंड योजना जल्द लांच करेगा। योजना के लिए सेक्टर में संस्थागत श्रेणी के भूखंडों का चिह्नित किया जा रहा है।

रामलाल वृद्धाश्रम एवं गौशाला आज मनाएगा अपना तीसरा स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा, 5 मई(देशबन्धु)। असहाय वृद्धजनों और गौमाताओं की सेवा में समर्पित रामलाल वृद्धाश्रम एवं गौशाला आगामी 6 मई मंगलवार को अपना तीसरा स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। यह सेवा समागम कार्यक्रम लॉएड कॉलेज के सामने, एमिटी रोड, नॉलेज पार्क-2 स्थित आश्रम परिसर में दोपहर 1 बजे से आयोजित किया जाएगा। प्रेस वार्ता में संस्था के अध्यक्ष शिव प्रसाद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी, संस्था के सहयोगी सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा तथा सभी आगंतुकों के लिए भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में आश्रम में 60 वृद्धजन और 40 गौमाताएं पूर्णतः निःशुल्क निवासरत हैं। संस्था का उद्देश्य उन बेसहारा बुजुर्गों और गोवंश की सेवा करना है जो समाज में उपेक्षित हैं। संस्था की ओर से सभी गणमान्य अतिथियों एवं शहरवासियों से अपील की गई है कि वे इस पुण्य अवसर पर उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाएं और जरूरतमंदों को आश्रम तक पहुंचाकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

पेंशनर कोषागार में बिना पहुंचे भी जमा कर सकते हैं अपना जीवित प्रमाण पत्र

- **जिले में 102 पेंशनरों की रुकी पेंशन, नहीं जमा किए हैं जीवित प्रमाण पत्र**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश सरकार के पेंशनरों के द्वारा वर्ष में एक बार किसी भी माह में जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रस्तुत किये जाने की व्यवस्था है, जोकि अगले एक वर्ष तक प्रभावी रहता है। वर्तमान में कोषागार में उपस्थित हुये बिना भी किसी भी पेंशनर द्वारा अवना जीवित प्रमाण पत्र अपनी बैंक शाखा के माध्यम से या पेंशनर अपना जीवित प्रमाण पत्र जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से अपने निवास से अपने मोबाइल से भी प्रेषित कर सकते हैं, उनको कोषागार में व्यक्तिगत रूप से आने की भी आवश्यकता नहीं है। इसके लिए पेंशनर को अपने मोबाइल पर आधार फेस आर.डी. ऐप डाउनलोड कर जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होता है जोकि बहुत ही सुविधाजनक है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर वरिष्ठ कोषाधिकारी गौतम बुद्ध नगर शिखा गुप्ता ने बताया कि जिन पेंशनरों के जीवित प्रमाण-पत्र की वैधता माह मई 2025 में समाप्त हो रही है, ऐसे सभी पेंशनरों अपना जीवित प्रमाण पत्र तत्काल भरें, जिससे उनकी माह मई 2025 की पेंशन नियमित की जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 102 पेंशनरों की पेंशन जीवित प्रमाण पत्र न भरने के कारण रूकी हुई है, यदि पेंशनर अत्यअधिक बीमार/आने-जाने में पूर्णत असमर्थ हैं, तो ऐसे पेंशनर के परिजन कोषागार में सम्पर्क कर सकते है। अत: जनपद के समस्त सम्मानित पेंशनर्स अपना जीवित प्रमाण पत्र शीघ्र भरें, जिससे उनकी पेंशन बाधित न हो व जनपद के शाखा प्रबन्धकों से भी अनुरोध है कि पेंशनरों के जीवित प्रमाण पत्र यथा समय कोषागार कार्यालय में उपलब्ध करायें। पेंशनरों को उनकी पेंशन का भुगतान जीवित प्रमाण पत्र भरने के पश्चात तत्काल कर दिया जाता है।

बेकाबू कार ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, 3 घायल

रबूपुरा, 5 मई (देशबन्धु)। रविवार सुबह एक बेकाबू कार ने ई रिक्शा में पीछे से टक्कर मार दी। जिसके कारण ई रिक्शा व कार दोनों पलट गए। हादसे में एक महिला समेत तीन घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ग्रेनो के अस्पताल में भर्ती कराया है तथा क्षतिग्रस्त वाहनों को रास्ते से हटाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस अनुसार कस्बे के मोहल्ला अंबेडकर नगर निवासी लोकेश ई रिक्शा चलाकर अपने परिवार यापन करता है। उसकी पत्नी मंजू एक प्राइवेट स्कूल में साफ सफाई के कार्य करती है। सोमवार की सुबह करीब 7 बजे वह अपनी पत्नी को ई रिक्शा में बैठकर स्कूल छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान रबूपुरा से भाईपुर जाने वाले मार्ग पर पीछे से आई एक बेकाबू स्विफ्ट कर में ई रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और कार भी पलट कर क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरो की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ई रिक्शा चालक व उसकी को जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। जहां मंजू (35) की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं बताया जाता है कि मामूली रूप से चोटिल चालक कार को मौके पर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस का कहना है मामले में अभी कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

सेक्टर अल्फा-दो के कामर्शियल बेल्ट की जमीन पर अतिक्रमण

- **झुग्गी बनाकर रह रही महिला पर मादक पदार्थों का कारोबार करने का आरोप**
- **अवैध रूप से रह रही महिला को हटाने के लिए आरडब्ल्यूए की टीम पहुंची**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। सेक्टर अल्फा-2 में प्राधिकरण के कामर्शियल बेल्ट की जमीन पर एक महिला व उसके संबंधी अवैध रूप से पिछले 10-12 वर्षों से झुग्गी बनाकर कर रह रहे हैं। आरोप है कि वह महिला गैर-कानूनी रूप से गांजा और चरस जैसे मादक पदार्थों का कारोबार करती है और कबाड़ का काम करते हैं। सोमवार को अल्फा-दो आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी पहुंचकर अवैध अतिक्रमण हटवाने का प्रयास किया। इस मामले में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष सिंह भाटी ने अवैध कारोबार के खिलाफ जिला प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है। भाटी ने बताया कि यह महिला अवैध रुप से इलाके में झुग्गी बनाकर रह रही है, लेकिन स्थानीय लोगों से मिल रही लगातार शिकायतों से यह पता चल रहा है कि वह नशे के धंधे में सक्रिय है। महिला ने कई बार क्षेत्रवासियों को धमकाया है, और विरोध करने वालों को गाली-गलौज व मारपीट की धमकी तक दी है। सबसे चैंकाने वाली बात यह है, कि महिला, कथित रूप से, कुछ अधिकारियों से मेलजोल बनाकर अपने पक्ष में झूठे आवेदन और रिपोर्ट लिखवा लेती है, जिससे अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे सेक्टर वासियों में भारी असंतोष और भय का माहौल बना हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सुभाष भाटी ने कहा कि हम क्षेत्र को नशा मुक्त और सुरक्षित बनाना चाहते हैं। लेकिन जब तक प्रशासन ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाएगा, तब तक हालात नहीं सुधरेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक लिखित शिकायत प्रशासन को सौंप दी गई है। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन से आग्रह किया है कि इस महिला की जांच कर जल्द से जल्द उसे हटाया जाए, ताकि क्षेत्र का माहौल सुरक्षित हो सके।

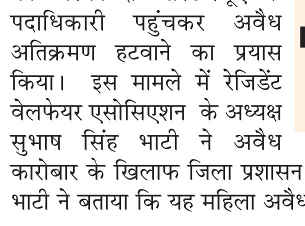

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्री महाराजा अग्रसेन भवन का किया उद्घाटन

- **कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी व सांसद डॉ. महेश शर्मा रहे मौजूद**

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। श्री महाराजा अग्रेसन वैश्य सेवा समिति ग्रेटर नोएडा द्वारा बनाये गए नवनिर्मित श्री महाराजा अग्रसेन भवन का उदघाटन मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखागुप्ता, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी व अन्य अतिथियों ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रेखा गुप्ता ने कहा कि अग्रेसन भवन ग्रेटर नोएडा के लिए मील का पत्थर साबित होगा और इसमें सर्व समाज के लोगो के लिए सुबिधा उपलब्ध होगी। वैश्य समाज के सभी वर्ग के लोगों द्वारा इस भवन में सहयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि नोएडा के अग्रवाल समाज के लोगों को बधाई देती हूं, मेरे ख्याल से दिल्ली एनसीआर का सबसे खूबसूरत अग्रसेन भवन है, पूरे समाज को दिल की गहरायी से बहुत बहुत बधाई। मुझे गर्व की अनुभूति हो रही है अग्रवाल समाज बढ़चढ़कर काम कर रहा है। नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि समाज के लिए परोपकार करना अग्रवाल समाज की जो मंशा है वह आज फलीभूत दिखायी दे रही है, इस निर्माण में लगे सभी का धन्यावद करता हूं। कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन की मूर्ति का अनावरण एवं पत्रिका का विमोचन भी किया गया। महाराजा अग्रसेन एक कुशल शासक, विचारक व समाजसेवी महाराज थे। उनके सिद्धांत पर चलकर आज वैश्य समाज पूरे देश की आर्थिक नींव बना हुआ है। अतिथियो में डॉ. महेश शर्मा, अतुल गर्ग, राजेंद्र अग्रवाल, कपिल देव अग्रवाल, धीरेंद्र सिंह, तेजपाल नागर, डॉ. हर्षवर्धन, विष्णु मित्तल, दिनेश गोयल, अजय महावर, सुनीता दयाल, गोपालशरण गर्ग, हरेंद्र अग्रवाल, पी. के. गुप्ता, घनश्याम झावेरी, अभिषेक अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मनोज गर्ग, ओमप्रकाश अग्रवाल, सौरभ बंसल, सर्वेश अग्रवाल, अरुण गुप्ता, मुकुल गोयल, राकेश सिंघल, नवीन जिंदल, मोनू जेवर, अमित गोयल, आलोक गोयल, ब्रजमोहन गोयल, राजेश गुप्ता, लक्ष्मण सिंघल, आशीष गुप्ता, अनिल सिंघल, विजय अग्रवाल, अतुल जिंदल, रवि गर्ग, कपिल गुप्ता, पीयूष गोयल, आदित्य अग्रवाल, गिरीश जिंदल, कमल बंसल, अशोक अग्रवाल, गौरव गोयल, सत्यप्रकाश अग्रवाल, बी बी गुप्ता, अनिल तायल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

वक्फ सुधार जनजागरण कार्यक्रम को कैबिनेट मंत्री बृजेश सिंह ने किया सम्बोधित

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। भाजपा ने जारचा गांव ने वक्फ सुधार जन जागरण अभियान को लेकर गांव की मुस्लिम आबादी में एक वक्फ जन जागरण अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें मुख्यतिथि प्रदेश कैबिनेट मंत्री कुंवर बृजेश सिंह रहे। वक्फ बोर्ड जन जागरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री कुंवर बृजेश सिंह ने कहा कि पहले वक्फ बोर्ड में कोई पारदर्शिता नहीं थी, पहले वक्फ में किसी की भी असल संपत्ति पर दावा करके उसे ले लेनें का काम होता था। असल मालिक के लिए कोई कोर्ट का रास्ता न होता था और आज के वक्फ सुधार से वक्फ से किसी भी मुस्लिम को कोई नुकसान नहीं है। नुकसान उन माफियाओं का है जिन्होंने वक्फ बोर्ड का दुरुपयोग कर वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा किया हुआ है। इस विषय को लेकर भाजपा मुस्लिम समाज की बस्तियों में छोटी छोटी गोष्ठी से लेकर बड़े कार्यक्रम आयोजित कर रही है। अल्पसंख्यक समाज के लोगों की सहभागिता बड़ी संख्या में रहे कार्यक्रम को प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वक्फ सुधार से देश व प्रदेश के किसी भी मुस्लिम को कोई नुकसान नहीं है। दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर ने कहा जन जागरण अभियान पूरे प्रदेश के साथ गौतमबुधनगर में चलाया जा रहा है, वक्फ सुधार के विषय विपक्ष जो भ्रांतियां भ्रम फैला रहा है उसको दूर करने के लिए मुस्लिम समाज की बस्तियों में बैठक की जा रहीं है। जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा वक्फ सुधार के पत्रक के माध्यम से जानकारी देने का काम युवा संवाद युवा मोर्चा द्वारा किया जा रहा है वक्फ सुधार अधिनियम की जानकारी गांव गांव घर घर पार्टी के द्वारा पत्रक विवरण से देनें का कार्य कर रहें है।

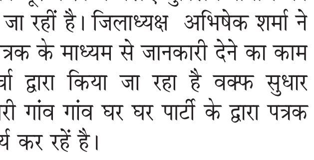

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
द्वितीय तल, शापिंग कॉम्पलेक्स, सेक्टर ओमेगा-1 (P-2), ग्रेटर नौएडा सिटी, गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)
दूरभाष न0: 0120 2395151, फैक्स न0 : 0120 2395150

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है ग्राम मूंजखेडा के खाता संख्या-144 खसरा संख्या-271 रकबा 0.0630 है0 के सापेक्ष 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड 40 वर्गमीटर के आवंटी श्रीमती फूलवती पत्नी श्री रेवती निवासी ग्राम बल्लूखेडा, परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु के उपरांत श्रीमती सबा इमरान पत्नी सैय्यद अराफत अहमद निवासी ओ-44, बटला हाउस जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 के द्वारा वसीयत के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण अपने नाम कराने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है।

अत: इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अंदर अपनी लिखित आपत्ति यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय, पता: प्रथम तल कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ब्लॉक-पी 2, सेक्टर- ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी श्रीमती फूलवती पत्नी श्री रेवती निवासी ग्राम बल्लूखेडा, परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु के उपरांत उक्त भूखण्ड श्रीमती सबा इमरान पत्नी सैय्यद अराफत अहमद निवासी ओ-44, बटला हाउस जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

देशबन्धु

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 6 मई 2025

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

सिख दंगा: राहुल की स्वीकारोक्ति

देश का मौजूदा दौर नेतृत्व द्वारा अपने उत्तरदायित्वों से बचने और दूसरों पर दोष मढ़ने का है। 2014 से प्रारम्भ हुआ यह कालखंड ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है जिनमें नेतृत्व जिम्मेदारी से भागता नज़र आता है। भारतीय जनता पार्टी की जिस सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, उसमें चाहे खुद मोदी हों अथवा उनकी पार्टी या सरकार- हर तरह के उत्तरदायित्वों से पीछा छुड़ाती नज़र आती है। नोटबन्दी से लेकर किसान कानून हों जिनके कारण अनेक मौतें हुई हों अथवा मणिपुर की त्रासदी, सुरक्षा में चूक के चलते पुलवामा की घटना हो या पिछले माह की पहलगाम की आतंकी घटनाएं- मोदी का किसी भी मामले में जिम्मेदारी लेना तो दूर, उनका कोई सादा सा बयान तक नहीं आता। जहां किसी प्रदेश के विधानसभा में पार्टी की चुनावी हार हो जाये तो स्टार प्रचारक होने के नाते ही सही- उन्हें अपनी भूमिका को ठीक से न निभाने के लिये न तो खेद प्रकट करते देखा गया और न ही हार का जिम्मेदार खुद को बताते पाया गया। निजी तौर पर उनकी गलत बयानी, सायास तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने की चालाकी सामने आने के बाद भी वे न तो अपनी चूक को स्वीकारेंगे, न ही ऐसी गलती दोहराने से बचने का संकल्प जतायेंगे।

ऐसे दौर में राहुल गांधी 1984 के उन सिख दंगों की जिम्मेदारी सार्वजनिक रूप से लेते हैं, जब वे मात्र 14 साल के थे। उल्लेखनीय है कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में ऑपरेशन ब्लू स्टार से नाराज़ इंदिरा गांधी के सिख सुरक्षाकर्मियों ने जब इस फैसले के लिए उन्हें गोलियों से भून दिया था, तब देश भर में सिखों के खिलाफ दंगे भड़क उठे थे। खासकर, दिल्ली में बड़े पैमाने पर सिखों का कत्ल हुआ था जिसका घाव अब भी भारत के सीने पर है और सिख स्वाभाविकत: आज भी उस घटनाक्रम से नाराज़ हैं। इन दंगों में अनेक कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की संलिप्तता पायी गयी। अनेक नेता दोषी भी पाये गये। जगदीश टाइटलर और सज्जन कुमार उनमें बड़े नाम थे जिन्हें अति सुस्त ही सही, पर एक निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के तहत दोषी भी साबित किया गया है। बड़ी तादाद में लोगों के खिलाफ़ मुकदमे चलाये गये हैं।

पिछले माह जब राहुल अमेरिका के दौरे पर गये थे, तब उन्होंने ब्राउन विश्वविद्यालय के वाटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में भाषण दिया था। एक सिख छात्र ने उनके पहले के एक भाषण का हवाला देते हुए कहा कि 'आप सिखों में डर पैदा करना चाहते हैं।' याद हो कि राहुल ने विदेशी दौरे में ही एक भाषण में कहा था कि 'सिखों को कड़ा पहनने या केश धारण करने या गुरुद्वारे जाने से भी रोका जा सकता है।' दरअसल राहुल का मंतव्य देश में अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी को भाजपा सरकार की ओर से खतरे से था। सिख युवक ने कहा कि, 'वे (सिख) न केवल कड़ा धारण करना चाहते हैं, न केवल केश रखना चाहते हैं वरन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी चाहते हैं।' इसी सिलसिले में उस युवक ने जब सिखों के खिलाफ भड़के दंगों का मुद्दा उठाया तो राहुल ने साफगोई से कहा कि 'वैसे वे उस दौरान नहीं थे, परन्तु वे दंगों पर उनकी पार्टी की गलतियों को अपने सिर पर लेने के लिये सहर्ष तैयार हैं।' इतना ही नहीं, उन्होंने कहा- 'कांग्रेस द्वारा इतिहास में जो भी गलतियां की गयी हैं, उन सभी की वे जिम्मेदार लेते हैं।'

यह वीडियो अब वायरल हुआ है, जिसमें सिखों के प्रति ही नहीं, वरन अल्पसंख्यकों के प्रति भी राहुल का दृष्टिकोण तथा पार्टी की तत्सम्बन्धी गलतियों को लेकर उनकी स्वीकोरोक्ति जाहिर हुई है। युवक ने आरोप लगाया कि 'आप भाजपा के नाम से सिखों को डरा रहे हैं जबकि आप कहते हैं कि राजनीति में निडरता होनी चाहिये। यदि ऐसा रहा तो पंजाब में भी भाजपा आ जायेगी। हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं जो कांग्रेस के शासनकाल में नहीं थी।' उक्त युवक की बात में आनंदपुर साहिब प्रस्ताव, सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार आदि का भी उल्लेख था। उस युवक ने जब पूछा कि 'क्या अतीत में उनकी पार्टी में परिपक्वता का अभाव था', तो राहुल ने कहा कि 'अतीत में कांग्रेस द्वारा जो भी गलतियां हुई हैं, वे सभी की सहर्ष जिम्मेदारी लेते हैं।'

यह बात तो तय है कि इस वीडियो का राजनीतिक लाभ लेने की पूरी कोशिश भाजपा और उनका आईटी सेल करेगा, जिसकी शुरुआत भी हो चुकी है। इसे लेकर भाजपा-संघ किस प्रकार से हमलावर होते हैं और उनका बचाव कांग्रेस किस प्रकार से करेगी, यह तो आगे चलकर देखने की बात है; लेकिन इस बयान के बाद बतौर नेता राहुल नयी ऊंचाइयों को छूते दिख रहे हैं। आधुनिक प्रबन्धन भी कहता है कि असली नेता वह होता है, जो अपने संगठन की गलतियों, खामियों या नाकामियों को भी अपने सिर पर ले। यहां इस बात का स्मरण दिलाना समीचीन होगा कि 2019 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया था। फर्क यह है कि तब वे कांग्रेस के बाकायदा अध्यक्ष थे जबकि सिखों के खिलाफ़ हुए दंगों के वक्त वे एक किशोर थे जो राजनीति में तब आये भी नहीं थे। फिर भी वे इसकी जिम्मेदारी स्वीकार कर उदाहरण तो पेश कर ही रहे हैं। अब देखना यह है कि इस मुद्दे पर हंगामा करने वाले कम से कम अपनी गलतियों को कब स्वीकारेंगे?

जाति गणना पर संघ-भाजपा की पल्टी

आखिरकार, नरेंद्र मोदी की सरकार ने जाति जनगणना कराने का एलान कर दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के ताजातरीन फैसले के अनुसार, आने वाली आम जनगणना के साथ जाति गणना भी करायी जाएगी। लेकिन, यह आम जनगणना कब करायी जाएगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। जनगणना सामान्य रूप से 2020-21 में होनी थी, लेकिन कोविड के नाम पर एक बार उसके टाले जाने का सिलसिला शुरू हुआ, तो अब तक उसका टाला जाना बदस्तूर जारी ही है और 2025 तक तो उसने थमने का नाम नहीं लिया है। बहरहाल, केंद्र सरकार के जाति जनगणना संबंधी निर्णय की घोषणा के कुछ ही बाद में, दक्षिण भारत से एक केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा मीडिया को दी गयी जानकारी के अनुसार, 2026 में जनगणना करायी जा सकती है।

याद रहे संसदीय व विधानसभाई सीटों के परिसीमन पर लगी 25 साल की रोक की मियाद भी 2026 में ही खत्म हो रही है और इस प्रकार, पहले जनगणना होगी और उसके बाद परिसीमन का काम आगे बढ़ाया जाएगा, जैसाकि परिसीमन पर रोक से संबंधित कानून का प्रावधान भी है। सभी जानते हैं कि दक्षिण भारत के राज्यों के लोकसभा में प्रतिनिधित्व के आनुपातिक रूप से घटने की आशंकाओं के मद्देनजर, लोकसभाई सीटों का परिसीमन पहले ही गंभीर रूप से विवादित हो चुका है, लेकिन हम यहां इस विवाद के विस्तार में नहीं जाएंगे। पर यहां हम यह जरूर ध्यान दिलाना चाहेंगे कि महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण के कानून का पालन, आने वाले परिसीमन के साथ जुड़ा हुआ है, जो जनगणना के बाद होना है। यानी अगली जनगणना के साथ परिसीमन तथा महिला आरक्षण जुड़े होने के कारण, इस जनगणना का पहले ही विशेष महत्व था। बहरहाल, आजादी के बाद पहली जातिगत गणना के नाते, इस जनगणना का महत्व और भी ज्यादा हो जाएगा।

हैरानी की बात नहीं है कि अचानक नरेंद्र मोदी सरकार के जातिगत गणना कराने के फैसले से अनेक सवाल उठ खड़े हुए हैं। बेशक, कैबिनेट के उक्त निर्णय की घोषणा करते हुए, अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले का भी आम तौर पर विपक्ष तथा खासतौर पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर हमले के हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश की। इस मुद्दे पर सत्ताधारी संघ-भाजपा के हमले का मुख्य स्वर तय करते हुए, वैष्णव ने दावा किया कि कांग्रेस शुरू से जातिगणना के खिलाफ रही है, कि जवाहरलाल नेहरू आरक्षण के खिलाफ थे, आदि, आदि। मकसद यह छवि बनाने का था कि संघ-भाजपा तो हमेशा से जातिगणना के पक्ष में थे। लेकिन, इस तरह की झूठी छवि निर्मित करने की कोशिशें तथा इसके लिए किए जाने वाले झूठे-सच्चे दावे अपनी जगह, यह सचाई किसी से छुपी हुई नहीं है कि पिछले आम चुनाव के समय तक, संघ-भाजपा की ओर से जातिगणना का बाकायदा विरोध किया जा रहा था।

यह संयोग ही नहीं है कि इस दौरान एक बार फिर से वाइरल हो गयी, चुनाव के दौर के ही एक मीडिया साक्षात्कार की क्लिप में प्रधानमंत्री मोदी, जाति गणना की खासतौर पर कांग्रेस की मांग को ''नक्सलवादी सोच'' का हिस्सा बताकर खारिज करते नजर आते हैं। 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान ही पहले मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ द्वारा दिया गया ''बंटेंगे तो कटेंगे'' का नारा और खुद प्रधानमंत्री द्वारा उसमें मामूली ''सुधार'' कर, इस नारे को ''एक हैं तो सेफ हैं'' में तब्दील किया जाना, जातिगणना की मांग को न सिर्फ ''विभाजनकारी'' करार देकर खारिज करता था बल्कि उसे विशेष रूप से हिंदुओं को बांटने का षडयंत्र बताकर, इस पूरे प्रश्न का सांप्रदायीकरण करने की भी कोशिश करता था।

स्वाभाविक रूप से यह सवाल पूछा जा रहा है कि जाति गणना के मुद्दे पर संघ-भाजपा की इस पल्टी या हृदय परिवर्तन की वजह क्या है? इस प्रश्न का एक तात्कालिक जवाब तो, इस फैसले की टाइमिंग को लेकर ही दिया जा रहा है। बहुतों को लगता है कि यह संयोग ही नहीं है कि यह फैसला, आम तौर पर पहलगाम के आतंकवादी हमले की

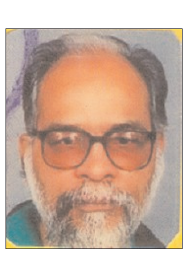

राजेन्द्र शर्मा

यह संयोग ही नहीं है कि इस दौरान एक बार फिर से वाइरल हो गयी, चुनाव के दौर के ही एक मीडिया साक्षात्कार की क्लिप में प्रधानमंत्री मोदी, जाति गणना की खासतौर पर कांग्रेस की मांग को ''नक्सलवादी सोच'' का हिस्सा बताकर खारिज करते नजर आते हैं। 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान ही पहले मुख्यमंत्री, आदित्यनाथ द्वारा दिया गया ''बंटेंगे तो कटेंगे'' का नारा और खुद प्रधानमंत्री द्वारा उसमें मामूली ''सुधार'' कर, इस नारे को ''एक हैं तो सेफ हैं'' में तब्दील किया जाना, जातिगणना की मांग को न सिर्फ ''विभाजनकारी'' करार देकर खारिज करता था बल्कि उसे विशेष रूप से हिंदुओं को बांटने का षडयंत्र बताकर, इस पूरे प्रश्न का सांप्रदायीकरण करने की भी कोशिश करता था।

पृष्ठभूमि में और खासतौर पर तब आया है, जब आतंकवादियों को ''मिट्टी में मिला देने'' के बड़े बोलों के बावजूद, मोदी सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कुछ कूटनीतिक आक्रामकता दिखाने वाले कदमों के खिलाफ, कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पायी थी। दूसरी ओर, एक हफ्ते से ज्यादा हो जाने के बावजूद, पहलगाम की विभीषिका रचने वालों की निशानदेही करने तथा उन्हें सजा देने के मामले में भी उसे कोई कामयाबी नहीं मिली थी।

उल्टे हताशा में कश्मीर में रक्षाबलों द्वारा उठाए गए दमनकारी कदमों ने, खासतौर पर कथित संदिग्ध आतंकवादियों के घर के बमों से उड़ाए जाने तथा नौजवानों की अंधाधुंध गिरफ्तारियों ने तथा रहस्यमय मौतों ने, पहलगाम में आतंकवादियों की दरिंदगी के खिलाफ कश्मीरी जनता के स्वत:स्फूर्त विरोध को धक्का देने का ही काम किया था। न सिर्फ उमर अब्दुल्ला की चुनी हुई राज्य सरकार के आग्रह पर, जिसे केंद्र शासित क्षेत्र होने के नाते, राज्य पुलिस तक सुरक्षा के समूचे तंत्र के मामले में रत्तीभर दखल हासिल नहीं है, कथित आतंकवादियों के घर बम से उड़ाना रोकना पड़ा है बल्कि बहुत बड़े पैमाने पर न सही, फिर भी आम कश्मीरियों को घाटी में सुरक्षा बलों की ज्यादतियों के खिलाफ, सड़कों पर भी उतरना पड़ा था।

इस समूची पृष्ठभूमि में अचानक आया जाति गणना का फैसला, मुश्किल सवालों और आलोचनात्मक स्वरों से, मोदी सरकार का और सबसे बढ़कर मोदी की छवि का बचाव करने की कोशिश नजर आता है। एक पूरी तरह से भिन्न मुद्दे को उछाल देने के जरिए ध्यान बंटाने की यह कोशिश इसलिए और भी जरूरी हो गयी है कि संघ-भाजपा के सारे प्रचार के बावजूद, सारी रोकथाम के बावजूद निकल कर आ रहे तथ्यों से यह आम धारणा ज्यादा से ज्यादा पुख्ता होती जा रही है कि पहलगाम की 26 मौतों के पीछे, एक बड़ी सुरक्षा चूक थी। ताजातरीन खबरों के अनुसार, पहलगाम की घटना से पहले सुरक्षा तंत्र के पास इसकी खुफिया जानकारी पहुंच चुकी थी कि इस बार आतंकवादी, पर्यटकों को निशाना बना सकते थे। इसी खुफिया जानकारी के आधार पर, श्रीनगर के आस-पास के इलाकों में पर्यटकों के होटलों को केंद्र बनाकर, आतंकवादी तत्वों की खोज, छानबीन के लिए छापेमारी वगैरह भी की गयी थी। लेकिन, इस कार्रवाई में कुछ हासिल नहीं हुआ। और जिस रोज, करीब पंद्रह दिन की यह छापामारी खत्म की गयी, उसी रोज पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला कर दिया। उससे पहले बैसरन घाटी से किसी भी प्रकार की सुरक्षा बलों की उपस्थिति हटायी जा चुकी थी। इस गंभीर विफलता ने, मोदी सरकार के आतंकवाद की कमर तोड़ देने, आतंकवाद के अंतिम सांसें ले रहे होने आदि के दावों की जिस तरह धज्जियां उड़ा दी हैं, किसी नाटकीय सैन्य कार्रवाई के अभाव में उसकी चोट को, कोई अन्य नाटकीय कदम ही सहनीय बना सकता था। जाति गणना की घोषणा बखूबी यह भूमिका निभा सकती है।

पहलगाम की विभीषिका की पृष्ठभूमि से जरा सा पीछे जाकर देखें तो, जाति गणना की घोषणा वक्फ संशोधन कानून की पृष्ठभूमि में दिखाई देती है। यह तो किसी से छुपा हुआ नहीं है कि वक्फ कानून के पीछे मोदी सरकार और सत्ताधारी संघ-भाजपा के किस तरह के मुस्लिम-विरोधी मंतव्य रहे हैं। वास्तव में उनके निशाने पर तमाम अल्पसंख्यक हैं और यह तब साफ हो गया जब वक्फ कानून बनने के फौरन बाद, आरएसएस के मुखपत्र आर्गनाइजर के वैब संस्करण में एक लेख प्रकाशित किया गया कि 'वक्फ से भी ज्यादा संपत्तियां ईसाई चर्चों के पास हैं।' बेशक, ज्यादा शोर मचने पर इस लेख को हटा लिया गया, लेकिन संघ-भाजपा की मंशा साफ हो गयी कि उनके राज की मंशा, अल्पसंख्यकों के हाथों से उनकी संपत्तियों को छीनने की है। इसी सब की पृष्ठभूमि में नये वक्फ कानून का जनता के स्तर पर और राजनीतिक स्तर पर भी व्यापक पैमाने पर विरोध हो रहा था। इस विरोध को दबाने के लिए संघ-भाजपा ने मुद्दे के सांप्रदायीकरण के हथियार का सहारा लेने की कोशिश की, लेकिन उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। मुस्लिम समुदाय के विरोध प्रदर्शन भी आम तौर पर कानून के दायरे में ही बने रहे। इसी बीच, नये वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की आरंभिक प्रतिक्रिया ने और खासतौर पर अदालत के विशेष रूप से समस्यापूर्ण तथा मनमाने संशोधनों पर व्यवहार में रोक लगाए जाने ने, इस अन्यायपूर्ण कानून के विरोध को एक नया बल प्रदान कर दिया। संघ-भाजपा सरकार की इस विफलता की ओर से ध्यान बंटाने के लिए भी, जाति गणना का दांव चला गया है।

लेकिन, इस सबसे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, जाति गणना के तर्क की अपनी ताकत। 2024 के आम चुनाव में, जब इंडिया गठबंधन के रूप में विपक्ष द्वारा जोर-शोर से जाति गणना की मांग उठायी जा रही थी, संघ-भाजपा ने इस मांग के खिलाफ अपनी सारी ताकत झोंककर देख लिया था। प्रधानमंत्री ने तो बाकायदा एक संघमार्का सिद्धांत भी गढ़ने की कोशिश की थी; वह तो चार जातियां ही मानते हैं-किसान, युवा, महिला, गरीब। लेकिन, चुनाव के नतीजे आए तो चार सौ पार के सपने देख रही मोदीशाही दो सौ चालीस के आंकड़े पर ही सिकुड़ कर रह गयी। बेशक, उसके बाद से हरियाणा, महाराष्ट्र तथा दिल्ली के विधानसभाई चुनावों में अपनी जीत के सहारे संघ-भाजपा ने यह छवि बनाने की कोशिश की है कि 2024 के आम चुनाव का धक्का, एक संयोग थी बल्कि गलती थी, जिसे जनता तेजी से सुधार भी रही है, आदि। फिर भी संघ-भाजपा के रणनीतिकार बखूबी यह समझते हैं कि जाति गणना का और आम तौर पर सामाजिक न्याय का मुद्दा, उनके सत्ता के रथ को आसानी से पलट सकता है। सबसे बढ़कर इसी के डर से, जाति गणना के मुद्दे पर यह बड़ी पल्टी खायी गयी है।

लेकिन, यह एक कार्यनीतिक पल्टी है, जिसके पीछे कोई सच्चा हृदय-परिवर्तन नहीं है। इसलिए, जाति जनगणना की घोषणा कर के सुर्खियां तो बटोर ली गयी हैं, लेकिन वास्तव में इसके लागू किए जाने को लेकर अब भी कई संदेह बने हुए हैं। अव्वल तो अभी तक जनगणना की ही समय सूची तय नहीं है। हैरानी की बात नहीं है कि जनगणना के साथ जाति जनगणना होने को, जनगणना के ही 2026 से भी आगे खिसकाए जाने का बहाना बना लिया जाए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जाति गणना, अपने आप में कोई साध्य तो है नहीं। यह तो साधन है, सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाने का। मोदी सरकार की असली परीक्षा तब होगी, जब जनगणना से निकलने वाले नतीजों के अनुरूप, आरक्षण की सीमा में बढ़ोतरी समेत, सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के सकारात्मक कदम उठाए जाने का सवाल आएगा। जाति की गिनती मात्र से आगे, सामाजिक न्याय के इस रास्ते पर संघ-भाजपा के मनुस्मृतिवाद का घोड़ा अड़कर खड़ा नहीं हो जाए, तो ही अचरज की बात होगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

पाकिस्तान को एफएटीएफ ग्रे लिस्ट में वापस लाने की भारतीय रणनीति

■ के रवींद्रन

भारत पाकिस्तान के खिलाफ अपने कूटनीतिक हमले को तेज कर रहा है,और अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में इस्लामाबाद को फिर से सूचीबद्ध कराने के लिए प्रयास कर रहा है। ट्रम्प के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन से समर्थन की असामान्य रूप से मजबूत अभिव्यक्ति द्वारा समर्थित यह नया प्रयास, सीमा पार आतंकवाद में अपनी निरंतर मिलीभगत के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने के लिए नयी दिल्ली द्वारा एक रणनीतिक कदम में तेजी को दर्शाता है।

एफएटीएफग्रे लिस्ट- जिसे औपचारिक रूप से बढ़ी हुई निगरानी के तहत क्षेत्राधिकार के रूप में जाना जाता है- में पहले 2018 से 2022 तक पाकिस्तान शामिल था, जिससे देश को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण चैनलों पर गहन जांच के अधीन किया गया था। उस चार साल की अवधि में इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के तहत वित्तीय सुधारों को लागू करने के लिए संघर्ष किया, और इसने विदेशी निवेश, ऋण और विकास सहायता तक पाकिस्तान की पहुंच को काफी हद तक बाधित किया।

2022 में डीलिस्टिंग इस दक्षिण एशियाई राष्ट्र के लिए एक कूटनीतिक और आर्थिक सफलता थी, जिसने पाकिस्तान की पहले से ही लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को जीवन रेखा प्रदान की और वैश्विक वित्तीय संस्थानों के साथ नये सिरे से जुड़ाव को सक्षम किया। भारत अब उस लाभ को उलटने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को एफएटीएफ के निशाने पर वापस लाने का प्रयास तेज़ हो गया। हालांकि इस्लामाबाद ने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन भारतीय अधिकारियों ने एफएटीएफ के प्रमुख सदस्य देशों को नयी खुफिया जानकारी दी है, जिसमें वित्तीय बहाव का विवरण शामिल है जो कथित तौर पर हमले के अपराधियों को पाकिस्तान स्थित फंड प्रदाता संस्थानों से जोड़ता है।

एफएटीएफग्रे लिस्ट- जिसे औपचारिक रूप से बढ़ी हुई निगरानी के तहत क्षेत्राधिकार के रूप में जाना जाता है- में पहले 2018 से 2022 तक पाकिस्तान शामिल था, जिससे देश को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण चैनलों पर गहन जांच के अधीन किया गया था। उस चार साल की अवधि में इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय दबाव के तहत वित्तीय सुधारों को लागू करने के लिए संघर्ष किया, और इसने विदेशी निवेश, ऋण और विकास सहायता तक पाकिस्तान की पहुंच को काफी हद तक बाधित किया।

भारतीय विदेश मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, डोजियर में सैटेलाइट इमेजरी, इंटरसेप्ट किये गये संचार और लेन-देन रिकॉर्ड शामिल हैं जो जम्मू और कश्मीर में चरमपंथी गतिविधियों से जुड़े धन के सीमा पार प्रवाह का संकेत देते हैं। उद्देश्य स्पष्ट है-यह प्रदर्शित करना कि पाकिस्तान आतंकवाद वित्तपोषण के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहा है, और इस प्रकार एफएटीएफ की बढ़ी हुई निगरानी व्यवस्था में पाकिस्तान की वापसी को उचित ठहराया जा सकता है।

नये भू-राजनीतिक गठबंधनों के कारण इस प्रयास में तेजी आने की संभावना है। दक्षिण एशिया पर हाल ही में अमेरिका की अस्पष्टता से उल्लेखनीय रूप से हटकर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहलगाम की घटना के बाद भारत के 'सभी रूपों में आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने' के अधिकार का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है।

पेरिस में एफएटीएफ मुख्यालय में भारत की वर्तमान पैरवी कथित तौर पर फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त राज्य अमेरिका के समन्वय में की जा रही है- वे देश जिन्होंने पहले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद वित्तपोषण सुधारों के आधे-अधूरे कार्यान्वयन पर निराशा व्यक्त की थी। कहा जाता है कि भारतीय राजनयिक यह मामला बना रहे हैं कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद वित्तपोषण गतिविधियों को सक्षम करने या अनदेखा करने की स्पष्ट पुनरावृत्ति न केवल एक क्षेत्रीय खतरा है, बल्कि एक वैश्विक खतरा भी है, विशेष रूप से अफगानिस्तान में तालिबान के पुनरुत्थान और व्यापक मध्य पूर्व में बढ़ती अस्थिरता पर चिंताओं के मद्देनजर। एफएटीएफ की अगली पूर्ण बैठक जून में होने वाली है और सूत्रों का कहना है कि भारत इस समयसीमा में ही काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तान की अनुपालन स्थिति के मुद्दे को एजेंडे में सबसे ऊपर रखा जाये।

यह रणनीति पाकिस्तान के लिए विशेष रूप से कमज़ोर समय पर आयी है, जिसकी अर्थव्यवस्था मुद्रास्फीति, मुद्रा अवमूल्यन और घटते विदेशी भंडार के बोझ तले दबी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ देश की मौजूदा व्यवस्था 2025 के मध्य में समाप्त हो रही है, और नये बचाव कोष के लिए बातचीत कठिन होने की उम्मीद है। एफएटीएफ की ग्रे सूची में पाकिस्तान को फिर से शामिल करने का कोई भी कदम इन वार्ताओं को गंभीर रूप से जटिल बना देगा, जिसके परिणामस्वरूप ऋण की शर्तें सख्त हो सकती हैं या वितरण में देरी हो सकती है। इसके अलावा, अपर्याप्त धन शोधन नियंत्रण वाले क्षेत्राधिकार के रूप में टैग किये जाने से प्रतिष्ठा को होने वाला नुकसान निजी निवेशकों को हतोत्साहित करेगा और ऐसे समय में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को और ठंडा कर देगा जब इस्लामाबाद पूंजी आकर्षित करने के लिए बेताब है। इसके निहितार्थ केवल वित्तीय ही नहीं हैं। इस तरह के कदम से देश में राजनीतिक अस्थिरता भी बढ़ सकती है, जो पहले से ही तीव्र घरेलू उथल-पुथल और चल रहे नागरिक-सैन्य तनावों से जूझ रहा है।

इस्लामाबाद जोर देकर कहता है कि उसने अपनी पिछली ग्रे लिस्टिंग के दौरान एफएटीएफ द्वारा अनिवार्य सभी 34 कार्रवाई मदों का पूरी तरह से पालन किया है और मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा बनाये रखना जारी रखा है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारत पर 'संकीर्ण भू-राजनीतिक एजंडे' को आगे बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय प्लेटफार्मों का फायदा उठाने का भी आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि इस तरह की कार्रवाइयों से क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता है। फिर भी, कूटनीतिक वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान की विश्वसनीयता पिछली कई तिमाहियों से अस्थिर बनी हुई है, खासकर पिछले उदाहरणों के बाद जब यह पाया गया कि यह प्रमुख सुधारों को लागू करने में अपने पैर खींच रहा है या अपनी धरती पर सक्रिय संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों पर मुकदमा चलाने में विफल रहा है।

जैसे-जैसे एफएटीएफ अपने मध्य-वर्ष सत्र की तैयारी कर रहा है, दांव बढ़ते जा रहे हैं। भले ही कुछ सदस्य देश एक तकनीकी निकाय के राजनीतिकरण से सावधान हों, लेकिन 2018 का उदाहरण—जब भारत ने आतंकवाद के वित्तपोषण पर चिंताओं के बीच पाकिस्तान को ग्रे लिस्टिंग में डालने के लिए सफलतापूर्वक पैरवी की थी—यह बताता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और कूटनीतिक समन्वय तकनीकी अस्पष्टता पर भारी पड़ सकते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में उछाल और वैश्विक प्रभाव बढ़ने के साथ, यह आज खुद को बहुपक्षीय मंचों को प्रभावित करने के लिए सात साल पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्थिति में पाता है। इसके अलावा, इजरायल-गाजा युद्ध, यूक्रेन संघर्ष और अफ्रीका और एशिया में फिर से उभर रही जिहादी गतिविधि से आकार लेने वाले वैश्विक सुरक्षा वातावरण ने आतंकवाद को फिर से अंतरराष्ट्रीय चिंता के केंद्र में ला दिया है, जिससे भारत के तर्कों के लिए ग्रहणशीलता का माहौल बन रहा है।

पाकिस्तान की वित्तीय विश्वसनीयता को निशाना बनाकर, भारत केवल एक आतंकी हमले का जवाब नहीं दे रहा है—यह दक्षिण एशिया में रणनीतिक संतुलन को नया आकार देने की कोशिश कर रहा है। साथ ही, भारत की कार्रवाइयां अन्य शत्रुओं और क्षेत्रीय खिलाड़ियों को यह संकेत देती हैं कि वह अपनी सीमाओं के पार से होने वाले आतंकवादी कृत्यों के लिए बहुआयामी प्रतिक्रिया देगा - जिसमें आर्थिक और कूटनीतिक साधन भी शामिल होंगे।

ललित सुरजन की कलम से

मोदी यूँ ही चुप नहीं हैं

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी या अनिर्णय को समझने के लिए हमें शायद उन दिनों को ध्यान में रखना चाहिए जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अपने बारह साल के कार्यकाल में नरेंद्र मोदी ने कब किसकी बात मानी? क्या यह याद दिलाने की आवश्यकता है कि उन्होंने अपने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा राजधर्म का पालन करने की सीख को भी एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल दिया था? क्या यह आईने की तरह साफ नहीं है कि नरेंद्र मोदी ने जनमत की कभी परवाह नहीं की? श्री मोदी की आलोचना चाहे निजी जीवन को लेकर की गई हो, चाहे मुख्यमंत्री के रूप में लिए गए निर्णयों पर, उन्होंने हर अवसर पर मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। आज प्रधानमंत्री के रूप में भी संभवत- वे इस पुराने आजमाए गए नुस्खे का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। देशव्यापी पैमाने पर नुस्खा कितना कारगर हो पाता है, यह कहना कठिन है, किंतु आज की सोच शायद यही है कि जो चिल्ला रहे हैं उन्हें चिल्लाने दो, एक दिन थककर सब अपने आप चुप हो जाएंगे। श्री मोदी को शायद यह विश्वास भी है कि वे जिस शीर्ष पर हैं, वहां उनके सामने कोई चुनौती, कोई खतरा नहीं है।'

(देशबन्धु में 02 जुलाई 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/07/blog-post.html

पावन प्रसंग

अंतर्मुखी व्यक्तित्व

अंतर्मुखी होने का तात्पर्य है- अपने विचार और भाव की अंतर्यात्रा की ओर अग्रसर करना। इससे ऊर्जा का बिखराव नहीं होता इसलिए अंर्तमुखता का विकास जीवन का परम आदर्श माना गया है। जो उस अवस्था का स्पर्श कर लेना है, उसका व्यक्तित्व समता और सहजता का प्रतीक बन जाता है। वह परिस्थितियों के उतार-चढ़ाव से बहुत कम प्रभावित होता है।ससार में संयोग और वियोग अनुकूलता और प्रतिकूलता का चक्र निरंतर चलता रहता है। संत कबीर ने लिखा है-

चलती चक्की देखि के, दिया कबीरा रोय।
दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोय।।

यहां दो पाटों का अर्थ सुख-दुख, हर्ष-शोक व लंयाग-वियोग की घटनाओं का संकेत है। जीवन के क्षितिज पर विविध प्रकार के रंग बनते और मिटते रहते हैं। हर व्यक्ति को उनका अनुभव करना होता है। यह एक जटिल समस्या है,जिससे विशिष्ट ज्ञानी व्यक्ति भी विचलित हो जाते हैं। संत कबीर ने इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करते हुए दूसरे पद में कहा है- अनाज के दो दाने चक्की की कीली से संबद्ध और संयुक्त होते हैं, वे परिस्थितियों रूपी पाटों के प्रभाव से आहत नहीं होते हैं तथा स्वयं को सुरक्षित रखने में सफल हो सकते हैं। जिनका अध्यात्म की धुरी पर केंद्रित होता है-वे उनकी भाषा में दो चक्की की कीलियों से लगे हुए अनाज के दानों के समान है। नैतिक आदर्शों का अनुसरंण करने के लिए जीवन में आध्यात्मिक भूमिका का विकास जरूरी है। आध्यात्मिकता मां है, नैतिकता पुत्री है- दोनों का घनिष्ठ संबंध है। आध्यात्मिकता अंर्तमुखता तथा संत कबीर की भाषा में कीलों से जुड़ना तीनों का तात्पर्य एक ही है। भाषा विज्ञान में दो शब्द आते हैं-उत्कर्ष और अपकर्ष। अंर्तमुखता शब्द का प्रयोग जीवन में स्पष्ट भूमिका के लिए जरूरी है, क्योंकि मानव विज्ञान की अवधारणा और परिभाषा के कारण आज उसका अपकर्ष हो रहा है। वर्तमान समय में जो भीरू, पलायनवादी और आत्मकेंद्रित होता है, उसे अंतर्मुखी कहा जाता है। कुछ लोगों के अनुसार यह एक विशेष विशेष प्रकार की मानस व्याधि का रूप है, जिसे व्यक्तित्व का अशुद्ध और खंडित स्वरूप समझा जाता है।

अनेक व्यक्ति समाज में समय-समय पर मिल जाते हैं, जो कई प्रकार के मनोरोगों से ग्रसित हैं। वे अपने कर्तव्य और दायित्व के प्रति बिलकुल उदासीन होते हैं तथा परिवार और समाज के लिए भार बन जाते हैं। कई लोग आज उन्हें अंतर्मुखी मानते हैं,परंतु जीवनदर्शन में अंर्तमुखता के विकास पर जो बल दिया गया है, उसका तात्पर्य आधुनिक परिभाषा और व्याख्या से बिल्कुल भिन्न है। इसके अनुसार जहां वृत्ति और सामुदायिक चेतना का विकास होता है, वह अंतर्मुखी है।

कर्तव्यनिष्ठ अध्यात्म और व्यवहार का गहरा संबंध है। सच्चा अंतर्मुखी वह है जिसके व्यावहारिक जीवन में आध्यात्मिक आदर्शों का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। वह अपने कर्तव्य और दायित्व के प्रति सतत जागरुक होता है।

-अखंड ज्योति

आपके पत्र

बेलगाम होते ओटीटी प्लेटफार्म पर लगाम जरूरी

अभी कुछ दिन पहले ही समय रैना के इंडिया गॉट टैलेंट का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि एक बेहद घटिया यूट्यूबर एजाज खान ने अपने शो हाउस अरेस्ट में मर्यादाओं की सारी हदें पार कर दी। क्या ऑनलाइन शो में कपड़े उतारने को कहना और उस पर प्रतिभागियों द्वारा ताली बजाना दूषित मानसिकता का परिचय नहीं है? क्या हम इसे ही आधुनिकता कहेंगे? अगर इसे हम नारी सशक्तिकरण कहते हैं तो धिक्कार है ऐसी सोच को। आज कल ऐसे अप्लिकेशन की भरमार है जैसे अल्ट बालाजी, उल्लू और कूकू जिनके द्वारा भर-भर के अश्लीलता का कंटेन्ट परोसा जा रहा है और इन पर लगाम लगाने की जगह दिन प्रतिदिन की बढ़ोतरी होती जा रही है। बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार ने कुछ गाइड लाइंस जारी की थी, कुछ एप्स को प्रतिबंधित भी किया था परंतु न जाने कैसे इन पर नजर नहीं गई। स्टेटिस्टा के अनुसार, भारत पॉर्न देखने के मामले मे अमेरिका और ब्रिटेन के बाद तीसरे नंबर पर है और आज भारत में पॉर्न इंडस्ट्री 9.3 प्रतिशत के दर से वृद्धि कर रहा है। यह भारत को सांस्कृतिक पतन की तरफ ले जा रहा है। आज इस इंडस्ट्री का कुल कारोबार 13400 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि आखिर क्या कारण है कि ऐसे कंटेन्ट उपलब्ध कराने वालों का मनोबल बढ़ता जा रहा है और इन पर नियंत्रण की जगह प्रोत्साहन मिल रहा है तो इसका जवाब यह होगा कि हमारे द्वारा खुद ऐसे कंटेन्ट की मांग की जा रही है, सोशल मीडिया जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से सॉफ्ट पॉर्न परोसा जा रहा है और यह पता ही नहीं चला कि हम कब अश्लीलता और मर्यादा के बीच सीमा लांघ गए? जरूरत है इस महामारी पर नियंत्रण लगाया जाए ताकि हमारी सभ्यता और संस्कृति बनी रहे। हमें आधुनिकता की परिभाषा बदलनी पड़ेगी। आज ऐसे कंटेन्ट देश में बढ़ते हुए रैप और दरिंदगी के कारण हैं, इसके चलते परिवार में विखंडन हो रहे हैं। रिश्तों में दरार आ रही है, इन जैसे इंफ्लुएंसर्स पर नियंत्रण और इनका बहिष्कार करना केवल सरकारों का ही काम नहीं है बल्कि इसके लिए पूरे सभ्य समाज को, शिक्षण संस्थानों, मीडिया जगत इत्यादि को बढ़-चढ़ कर आगे आना होगा। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी समय-समय पर इस तरफ सरकार को ध्यान देने के साथ ही कड़े नियमन की बात कही है। अगर इस पर कोर्ट कोई निर्णय देती है तो यह न्यायिक सक्रियता का मामला बन जाएगा और विधायिका में हस्तक्षेप माना जाएगा लेकिन किसी न किसी को तो आगे आना ही होगा अन्यथा बहुत देर हों जाएगी। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि 'ओवर द टॉप' यानी ओटीटी पर कोई नियंत्रण नहीं है और इसका सीधा प्रभाव हमारे मनोमस्तिष्क पर पड़ रहा है और यह हमारे सोचने-समझने की क्षमता को भी कुंद कर रहा है। अब समय आ ग्या है कि फिल्मों की तरह वेब सीरिज और ऐडल्ट कंटेन्ट के लिए भी एक जिम्मेदार सेन्सर बोर्ड बनाया जाए साथ ही विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी उम्र संबंधी गाइड लाइंस और अपने सामग्रियों पर नियंत्रण रखे। इनकी भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए और दंड के भी कठोर प्रावधान किए जाने की जरूरत है। विभिन्न टीवी चैनल्स की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे इन गंदे कंटेन्ट के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाये और अभिभावकों की भी यह जिम्मेदारी है कि उनके बच्चे मोबाईल में क्या देखते हैं उस पर भी निगरानी रखे।

मंगल सिंह, शोधार्थी बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर वि.वि., लखनऊ

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी उम्मीदवार आगे

बुखारेस्ट, 5 मई (एजेंसियां)। रोमानिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण के पुन: मतदान में अलायंस फॉर द यूनियन ऑफ रोमानियंस के अध्यक्ष जॉर्ज सिमियन बढ़त में हैं। शहरी एवं क्षेत्रीय समाजशास्त्र केंद्र (सीयूआरएस) की ओर से कराए गए एग्जिट पोल के अनुसार, सिमियन को 33.1 प्रतिशत वोट मिले। उनके बाद रोमानिया फॉरवर्ड गठबंधन के क्रिन एंटोनैस्कु को 22.9 प्रतिशत और स्वतंत्र उम्मीदवार बुखारेस्ट के मेयर निकुसोर डैन को 20.9 प्रतिशत वोट मिले हैं। एवांगार्डे सोशियो-बिहेवियरल स्टडीज ग्रुप द्वारा किए गए एक अन्य एग्जिट पोल में सिमियन को 30 प्रतिशत वोट मिले, जबकि एंटोन्सक्यू और डैन दोनों को 23-23 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं।

एस जयशंकर से मिले जापानी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा

पहलगाम हमले के खिलाफ भारत के साथ किया समर्थन व्यक्त

■ **पाकिस्तान को बेनकाब करने व उसे सबक सिखाने के लिए चौतरफा घेरने की तैयारी कर रही भारत सरकार**

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा ने सोमवार को नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फुकुशिरो नुकागा से मुलाकात करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज दिल्ली में जापान के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से उनके संसदीय सहयोगियों और व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर प्रसन्नता हुई। आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए जयशंकर ने धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर एकजुटता और समर्थन व्यक्त करने के लिए उनका धन्यवाद।

जापान के साथ भारत के रिश्ते को मजबूत करने की बात करते हुए जयशंकर ने लिखा कि भारत और जापान के बीच इस स्वाभाविक संबंध को विकसित करने में उनके नेतृत्व की सराहना करता हूं। प्रतिभाओं के आदान-प्रदान को बढ़ाने, व्यापार संबंधों को बढ़ाने और प्रौद्योगिकी साझेदारी बनाने के एजेंडे को विकसित करने पर सहमति हुई। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया था। इस हमले 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर उन्हें अलग किया गया और फिर गोलियां बरसाई गईं। देश के अंदर सभी राजनीतिक पार्टियों के साथ-साथ विदेशों से भी इस पर प्रतिक्रिया आई और हमले की निंदा करते हुए कठोर कार्रवाई की बात कही गई। भारत सरकार इस हमले का जिम्मेदार आतंकवादियों के पनाहगार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को मान रही है। भारत सरकार पाकिस्तान को बेनकाब करने और उसे सबक सिखाने के लिए चौतरफा घेरने की तैयारी कर रही है। ऐसे में वैश्विक नेताओं का आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाना काफी अहम माना जा रहा है।

इशाक डार ने रूस के विदेश मंत्री से की बात, क्षेत्रीय स्थिति पर किया विचार-विमर्श

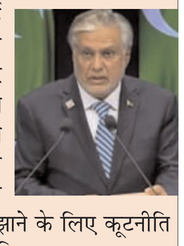

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से टेलीफोन पर बातचीत कर भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के संदर्भ में हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों से अवगत कराया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डार ने इस बातचीत के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ भारत के निराधार आरोपों और भड़काऊ बयानबाजी को खारिज कर दिया तथा सिंधु जल संधि को निरस्त करने के भारत के एकतरफा और अवैध कदम की निंदा की। श्री डार ने क्षेत्रीय शांति के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई तथा इस बात पर बल दिया कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा। उन्होंने पहलगाम घटना को लेकर श्री लावरोव को अंतरराष्ट्रीय, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच के लिए पाकिस्तान की पेशकश की भी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अनुसार रूस के विदेश मंत्री श्री लावरोव ने स्थिति पर चिंता व्यक्त की और मुद्दों को सुलझाने के लिए कूटनीति के महत्व पर बल दिया। रूस के विदेश मंत्री ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और तनाव बढ़ने से बचने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में भूकंप के झटके, लोगों में दहशत का माहौल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार को एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। भूकंप दोपहर 4:00 बजे के करीब आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में, 36.60 डिग्री उत्तर अक्षांश और 72.89 डिग्री पूर्व देशांतर पर स्थित था। भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। झटके इतने तेज थे कि लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अभी तक किसी जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। नागरिकों से संयम बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की अपील की गई है। इससे पहले पाकिस्तान में 12 अप्रैल को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई थी। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर में भी महसूस किए गए थे। बताया गया था कि 12 अप्रैल को दोपहर करीब एक बजे 33.63 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 72.46 डिग्री पूर्वी देशांतर पर रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में भूकंप ने काफी तबाही मचाई है। 8 अक्टूबर, 2005 को सुबह 8.50 बजे रिक्टर पैमाने पर 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

सुडोकू 6904

8		3		2		6	7	5
			6	5		8		
	2				3	9		
	1			3		2		6
	3		8		6		9	
6		8		1			4	
		1	3				5	
		7		4	5			
9	4	5		6		3		8

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6904

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६			■		■	७			८
	■		■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. ठगी, धोखेबाजी, धूर्तता
३. दीवारों पर बना चित्र
५. उम्मीद,चाह, इच्छा
७. जहरीला
८. मुठभेड़, भिड़न्त
९. देखने की क्रिया,दीदार
१०. मद्य निर्माण शाला
१२. मुखिया, प्रमुख
१३. श्रेष्ठ, उत्तम
१४. निरस्त करना, रद्द होना
१६. भरा-पूरा, संपन्न
१८. रसीला
२०. लाल कमल
२१. परिवर्तित करना
२३. एकाएक, सहसा (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. जिस पर असर पड़ा हो
२. जिसे खुशामद पसंद हो
३. भीख मांगते हुए घूमना
४. चित्रकार
५. आय
८. जिसने किसी से कोई वादा कर रखा हो
१०. इज्जत, सम्मान
११. वस्त्र
१२. कोशिश
१३. बहरा
१४. जिस पर कोई नियंत्रण, अंकुश या दबाव न हो
१५. संवेदनशील, भावुक
१७. कमल
१८. अभिप्राय, उद्देश्य, हेतु (उर्दू)
१९. सीख, अध्याय, पाठ, पुस्तक की उतना अंश जतना एक दिन में गुरु स पढ़ा जाये (उर्दू)
२२. तबाह, बर्बाद, अंत

वर्ग पहेली-6903

१ अ	नु	२ दा	र	■	■	३ श	वा	४ स	न
मा	■	मो	■	५ सा	बि	त	■	मा	■
६ व	जू	द	■	ध	■	७ द	र्द	ना	क
स्या	■	८ र	९ क्ष	क	द	ल	■	र्थी	■
■	१० अ	■	यं	■	■	■	११ प्रा	■	१२ इ
१३ वि	दा	र	क	■	१४ प	■	१५ ची	ख	ना
■	ल	■	१६ र	स	रा	ज	■	■	य
१७ अं	त	स	■	■	ज	■	१८ औ	१९ स	त
ब	■	■	२० हि	दा	य	२१ त	■	जी	■
२२ र	वा	य	त	■	■	२३ य	म	व	रा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 6 मई , 2025 बैशाख शुक्ल पक्ष 8

राशिफल

मेष - आज आप का दिन मध्यम फलदायी हैं। आप का स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। आप शारीरिक थकान का अनुभव करेंगे। संभव हो तो प्रवास टालें। किसी बात को लेकर जिद्दी ना बने रहें।

वृषभ - आज आप का दिन मध्यम फलदायी है। आप किसी भी काम को दृढ़ मनोबल एवं पूर्ण विश्वास के साथ करें। पिता एवं पैतृक संपत्ति से लाभ होने के योग हैं। आप के प्रति पिता का व्यवहार भी अच्छा रहेगा।

मिथुन - नई योजनाओं को अमल में लाने के लिए शुभ दिन है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों तथा सरकार की तरफ से परिश्रम का खूब अच्छा फल मिलेगा। भाग्यवृद्धि के अवसर उत्पन्न होंगे। यात्रा की संभावना है।

कर्क - गलतफहमी और नकारात्मक व्यवहार आपके चित्त में ग्लानि का भाव पैदा करेंगे। स्वास्थ्य में विशेषरूप से आंख की तकलीफ होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होगा। काम के संबंध में संतोष की भावना जागेगी।

सिंह - आज किसी भी काम के संबंध में आत्मविश्वास के साथ त्वरित निर्णय ले सकेंगे। पिता तथा बुजुर्गों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके स्वभाव में क्रोध और व्यवहार में उग्रता रहेगी। इस पर अंकुश रखें।

कन्या - आज आपके इगो के कारण तकरार होने की आशंका है। शारीरिक और मानसिक चिंता के साथ आज का दिन व्यतीत होगा। स्वभाव में उत्तेजना से काम बिगड़ने की संभावना रहेगी। परिजनों और मित्रों के साथ अनबन होगा।

तुला - आपका आज का दिन शुभफलदायक और लाभप्रद है। मित्रों के साथ मिलना-जुलना या पर्यटन का आनंद मिलेगा। परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पुत्र और पत्नी से सुख संतोष का अनुभव होगा।

वृश्चिक - आज गृहस्थजीवन की सार्थकता आपको समझ में आएगी। घर में आनंद उल्लास का वातावरण रहेगा। आपके सभी काम सरलता से पूरा होंगे। व्यापारियों को व्यापार में अच्छे अवसर मिलेंगे। आयवृद्धि होगी।

धनु - आज आपको तबीयत का ध्यान रखने की जरुरत है। काम करने में उत्साह उमंग का अभाव रहेगा। मन चिंता में रहेंगे। संतानों की समस्या इसका कारण हो सकती है। व्यवसाय और नौकरी में तकलीफ खड़ी होगी।

मकर - नकारात्मक विचार हावी न होने दें। क्रोध को काबू में रखने से बहुत सी आफतों से बच जाएंगे। भागीदारों के साथ संबंध खराब होगा। अचानक प्रवास करने के संयोग खड़े होंगे। उनके पीछे खर्च करने पड़ेंगे।

कुंभ - आपका आज का दिन प्रसन्नतापूर्वक बीतेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, इस कारण कार्य सफलता में सरलता होगी। स्वभाव में बिंदासपन आपको मन से ताजा रखेगा।

मीन - मन की दृढ़ता और आत्मविश्वास आपका काम सफल बनाएंगे। परिवार में सुख- शांति और आनंद का वातावरण रहेगा। गुस्से के कारण आपकी वाणी व्यवहार में उग्रता न आए इसका ख्याल रखें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1529 - बंगाल के अफगान शासक नसरत शाह को गोगरा नदी के किनारे हुई लड़ाई में बाबर के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा।
1589 - महान गायक मियां तानसेन का निधन।
1840 - दुनिया की पहली गोंद लगी डाक टिकट %पेनी ब्लैक% का ग्रेट ब्रिटेन में उपयोग।
1857 - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल नेटिव इंफैंटरी की 34वीं रेजिमेंट को भंग किया। रेजिमेंट के सिपाही मंगल पांडेय ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था।
1861 - मोतीलाल नेहरू का जन्म।
1910 - जॉर्ज पंचम, पिता एडवर्ड सप्तम की मृत्यु के बाद ब्रिटेन के सम्राट बने।
1940 - जॉन स्टेनबेक को उनके उपन्यास %द ग्रेप्स ऑफ रैथ% के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिला।
1942 - फिलीपीन में अमेरिकी सेना की अंतिम टुकड़ी ने जापान के समक्ष समर्पण किया।
1944 - गांधी जी को पुणे के आगा खां पैलेस से रिहा किया गया और यह उनके जीवन की अंतिम जेल यात्रा थी।
1954 - लंदन के मेडिकल छात्र रोजर बैनिस्टर ने एक मील की दूरी को चार मिनट के भीतर पूरा करने का रिकार्ड बनाया। उन्होंने यह दूरी तीन मिनट 59.9 सेकंड में पूरी की।
1960- ब्रिटेन की महारानी की छोटी बहन राजकुमारी मार्गरेट और एंथनी आर्मस्ट्रांग जोन्स का विवाह हुआ।
1976 - उत्तर पूर्वी इटली में भीषण भूकंप से कम से कम 1000 लोगों की मौत।
1997 - फ्रांस की क्रिस्टिन जेनिन ध्रुव पर पैदल पहुंचने वाली विश्व की पहली महिला बनी।
2004 - चीन ने सिक्किम को भारत का अंग माना।
2010 - मुंबई पर हमला करने वाले आतंकवादियों में से जिंदा पकड़े गए एकमात्र आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी की सजा सुनाई गई।

गाजा पर आक्रमण के लिए इजरायल ने रिजर्व सैनिकों को बुलाया

विस्तारित आक्रमण के हिस्से के रूप में सेना एन्क्लेव में अतिरिक्त क्षेत्रों में कार्रवाई करेगी और सभी आतंकवादी अवसंरचना को नष्ट कर देगी : आयाल जामिर

यरूशलम, 5 मई (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में अपने हमले को तेज करने के लिए रिजर्व बलों के हजारों सैनिकों को आने का आदेश जारी करना शुरू कर दिया है। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने कहा कि उन्होंने बंधकों को रिहा करने के लिए हमास पर दबाव बढ़ाने की कसम खाई है।

इज़रायल रक्षा बल मुख्यालय के प्रमुख आयाल जामिर ने एक समुद्री कमांडो अड्डा के दौरे के दौरान इसकी घोषणा की।

ज़मीर ने कहा कि इस सप्ताह हम अपने रिजर्व सैनिकों को गाजा में अपने अभियान को तेज़ करने और उसका विस्तार करने के लिए हज़ारों की संख्या में वापसी का आदेश जारी कर रहे हैं। हम अपने बंधकों को वापस लाने और हमास को हराने के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विस्तारित आक्रमण के हिस्से के रूप में, सेना एन्क्लेव में अतिरिक्त क्षेत्रों में कार्रवाई करेगी और सभी आतंकवादी अवसंरचना को नष्ट कर देगी। ज़मीर ने कहा कि रिजर्व बलों को अन्य क्षेत्रों में भी तैनात किया जाएगा, जिनमें लेबनान और सीरिया के निकट उत्तरी सीमा और कब्जे वाले पश्चिमी तट शामिल हैं।

सेना ने एक बयान में कहा कि यह घोषणा उस सप्ताहांत के बाद की गई है जब इजरायली सेना ने गाजा में 100 से अधिक स्थलों पर हमले किए, जिनमें आतंकवादी ठिकानों, भूमिगत बुनियादी ढांचे और सैन्य परिसरों को निशाना बनाया गया। जबकि इजरायल में संघर्ष विराम समझौते के लिए जनता का दबाव बढ़ रहा है, जिससे 59 बंधकों की रिहाई सुनिश्चित हो।

हूती ने इजरायल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किया मिसाइल हमला

■ **नेतन्याहू ने जवाबी कार्रवाई की खाई कसम**

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यमन में हूती विद्रोहियों और उनके सहयोगी ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है। जवाबी कार्रवाई का फैसला हूती समूह के इजरायल स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दागे गए मिसाइल हमले के बाद लिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री कार्यालय के आधिकारिक अकाउंट से किए गए एक पोस्ट में दावा किया गया कि हूती के हमले ईरान की शय पर होते हैं। इसमें आगे कहा गया कि इजरायल हमारे मुख्य हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के हमले का जवाब देगा और हमारे चुने गए समय और स्थान पर, उनके ईरानी आतंकवादी आकाओं को जवाब देगा।

इससे पहले रविवार को, नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को एक और चेतावनी जारी की, जिसमें समूह के खिलाफ हमला करने की धमकी दी गई। उन्होंने एक वीडियो बयान में कहा कि हमने अतीत में हमला किया, हम भविष्य में भी हमला करेंगे। हूती ने तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे के मुख्य टर्मिनल की ओर जाने वाले ड्राइववे पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि इजरायल और अमेरिका की ओर से तैनात किए गए डिफेंस सिस्टम्स ने मिसाइल को रोकने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे। हमले के परिणामस्वरूप चार लोग मामूली रूप से घायल हुए और उन्हें नुकसान पहुंचा।

19वां माउंट एवरेस्ट सांस्कृतिक पर्यटन महोत्सव जून में

बीजिंग, 5 मई (एजेंसियां)। 19वां माउंट एवरेस्ट सांस्कृतिक पर्यटन महोत्सव 18 जून को शीत्सांग के शिगात्से शहर में उद्घाटित होगा। हाल में इस महोत्सव के आयोजक द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस से मिली खबर के अनुसार, 1 से 30 जून 2025 तक, माउंट एवरेस्ट का गृहनगर, खुला शिगात्से की थीम पर श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें निवेश संवर्धन सभा, उत्पाद प्रदर्शनी, सांस्कृतिक और पर्यटन संवर्धन सम्मेलन, सांस्कृतिक और कलात्मक प्रदर्शन तथा खेल आयोजन आदि शामिल हैं, जिन गतिविधियों का उद्देश्य शिगात्से के आर्थिक और सामाजिक विकास, सांस्कृतिक और पर्यटन संसाधनों तथा बाहरी दुनिया के लिए खुलेपन के स्तर को व्यापक रूप से प्रदर्शित करना है।

शिगात्से, शीत्सांग का दूसरा सबसे बड़ा शहर और शीत्सांग का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक जन्मस्थान है। बताया गया है कि मौजूदा माउंट एवरेस्ट सांस्कृतिक पर्यटन महोत्सव की प्रमुख गतिविधियां 18 से 25 जून तक आयोजित की जाएंगी। इस दौरान, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत अनुभव, कृषि उत्पाद प्रदर्शन और बिक्री, सांस्कृतिक और रचनात्मक उत्पाद रचनात्मकता प्रतियोगिता सहित 7 श्रेणियों में 14 थीम गतिविधियां तथा अन्य विशेष सांस्कृतिक पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी फिल्मों पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ

अमेरिका में फिल्म उद्योग बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, 5 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को विदेशी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमेरिका में फिल्म उद्योग बहुत तेजी से खत्म हो रहा है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने अन्य देशों पर आरोप लगाया कि वे तरह-तरह के प्रोत्साहन देकर फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को अमेरिका से दूर कर रहे हैं।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका में उद्योग तेजी से खत्म हो रहा है। अन्य देश हमारे फिल्म निर्माताओं और स्टूडियो को अमेरिका से दूर करने के लिए कई तरह के प्रोत्साहन दे रहे हैं। हॉलीवुड और अमेरिका के कई अन्य क्षेत्र तबाह हो रहे हैं। यह अन्य देशों का सुनियोजित प्रयास है और इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रचार और संदेश भी है। इसलिए, मैं वाणिज्य विभाग और यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव को तुरंत उन सभी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ शुरू करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दे रहा हूं, जो विदेशों में बनी हैं और हमारे देश में आ रही हैं। हम चाहते हैं कि अमेरिका में फिर से फिल्में बनाई जाएं।

चिंताजनक *हिन्दुओं को कनाडा से बाहर करने की खालिस्तान की धमकी पर हिन्दू संगठनों ने दी प्रतिक्रिया, कहा*

राजनीतिक नेताओं की चुप्पी से मिल रही अंतर्निहित सहमति

■ **गुरुद्वारा में माल्टन व इटोबिकोक नगर कीर्तन के दौरान निकाली गई हिंदू विरोधी परेड**

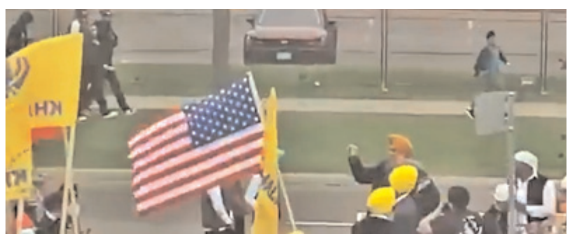

ओटावा, 5 मई (एजेंसियां)। हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन (एचसीएफ) ने खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा आठ लाख हिंदुओं को कनाडा से वापस भेजने के आह्वान की सोमवार को कड़ी निंदा की। कनाडा के टोरंटो स्थित माल्टन गुरुद्वारा में माल्टन और इटोबिकोक नगर कीर्तन के दौरान हिंदू विरोधी परेड निकाली गई। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, जिसमें एक बड़े ट्रक पर जेल की प्रतिकृति दिखाई दे रही है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पुतले भी शामिल हैं। एचसीएफ ने कहा कि इस तरह के बयान विभाजन को बढ़ावा देते हैं तथा हिंदू कनाडाई लोगों के खिलाफ नफरत फैलाते हैं।

एचसीएफ ने एक बयान में कहा कि ऐसी घृणित टिप्पणियों के जवाब में कई राजनीतिक नेताओं की चुप्पी को अंतर्निहित सहमति माना जाना चाहिए। सभी सांसदों और प्रांतीय संसद सदस्यों का यह कर्तव्य है कि वे पार्टी लाइन से ऊपर उठकर इस विभाजनकारी भावना के खिलाफ खड़े हों और धार्मिक सद्भाव तथा समावेशिता के प्रति कनाडा की प्रतिबद्धता की पुष्टि करें।

बयान में कहा गया कि एक सभ्य समाज नफरत फैलाने और हमारे विविध समुदायों को तोड़ने के प्रयासों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। हम कनाडाई लोगों से आग्रह करते हैं कि वे राजनेताओं को जवाबदेह ठहराएं - उनसे पूछें कि वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए क्या विरासत छोड़ना चाहते हैं।

फाउंडेशन ने कहा कि नगर कीर्तन का उद्देश्य सभी धर्मों के लोगों को एकजुट करना है, जो सिख गुरुओं की शिक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है, और इसका कभी भी राजनीतिक उकसावे या बहिष्कारपूर्ण बयानबाजी के लिए दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी इस घटना की निंदा की। उसने एक बयान में कहा कि कनाडा में आठ हिंदू और 18.6 लाख से अधिक भारतीय-कनाडाई हैं। माल्टन और इटोबिकोक में आज के नगर कीर्तन में स्पष्ट रूप से हिंदुओं को निशाना बनाया गया। इस खतरनाक बयानबाजी की सभी नेताओं द्वारा निंदा की जानी चाहिए। कनाडा में खालिस्तानी उग्रवाद, विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध, बढ़ रहा है, तथा हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के मामले बार-बार सामने आ रहे हैं।

दुनिया को जानें

कंबोडिया में कैंसर से हर साल लगभग 14 हजार लोगों की हो रही मौत

नोम पेन्ह, 5 मई (एजेंसियां)। कंबोडिया में कैंसर के लगभग 20,000 नए मामले दर्ज किए गए हैं। हुन मानेट ने कहा कि देश में 20,000 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि हर साल लगभग 14,000 मौतें होती हैं। हमारे देश की 170 लाख की आबादी की तुलना में यह संख्या बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि यह योजना कैंसर के नए मामलों और मौतों को कम करने के लिए बनाई गई है। इससे गुणवत्तापूर्ण कैंसर की रोकथाम, जांच, निदान, उपचार और देखभाल तक पहुंच में सुधार होगा। कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए लोगों को फलों, सब्जियों, अनाज और प्रोटीन से भरपूर संतुलित आहार पर ध्यान देना चाहिए और नियमित शारीरिक गतिविधि में शामिल होना चाहिए।

उन्होंने संबंधित को भोजन, फलों और सब्जियों की सुरक्षा और गुणवत्ता की नियमित जांच करने की सलाह भी दी, ताकि कैंसर का कारण बनने वाले रासायनिक संदूषकों को रोका जा सके। स्वास्थ्य मंत्री च्यांग रा ने कहा कि कंबोडिया में लोगों में लीवर कैंसर सबसे आम प्रकार का कैंसर है, इसके बाद फेफड़े, स्तन, कोलोरेक्टल और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर हैं। देश में हर दिन लगभग 38 लोग कैंसर से मरते हैं।

प्रादेशिकी

विपक्षी नेता कर रहे केदारनाथ यात्रा का माहौल खराब : आशा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर गौरीकुंड के निकट रोजगार कर रहे कुछ लोगों ने स्थानीय एक भाजपा नेता पर पैंसे लेने का आरोप लगाया, जिसके बाद पूर्व विधायक मनोज रावत ने यात्रा मार्ग पर पहुंचकर भाजपा नेता के साथ सरकार, प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए। इनका ये वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद प्रशासन की ओर से जब मामले में कार्यवाही की गई तो वास्तविक स्थिति कुछ और ही सामने आई। पता चला कि यात्रा मार्ग पर व्यापारियों की ओर से केदारघाटी श्रद्धालु सेवा समिति को शुल्क जमा किया जा रहा है, जो व्यापारियों के हितों की लड़ाई लड़ रहा है। वहीं मामले में केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से बयान जारी करते हुए कहा कि विपक्षी नेता केदारनाथ धाम मिल रही बेहतर सुविधाओं को पचा नहीं पा रहे हैं और कुछ व्यापारियों को मोहरा बनाकर यात्रा व्यवस्था को बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

हिमाचल में अंशकालिक कर्मचारियों को दैनिक भोगी कर्मचारी में परिवर्तित करने को मिली मंजूरी

■ जिला कारागार को मंडी से नेरचौक के नवनिर्मित भवन में स्थानांतरित करने की मिली स्वीकृति

शिमला, 5 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में विभिन्न विभागों में कार्यरत उन चतुर्थ श्रेणी के अंशकालिक कर्मचारियों को दैनिक भोगी कर्मचारी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया, जिन्होंने 31 मार्च, 2025 तक सात वर्ष का निरन्तर कार्यकाल पूरा कर लिया है।

बैठक में वन विभाग के वन्यजीव विंग को शिमला से जिला कांगड़ा के धर्मशाला स्थित सीपीडी केएफडब्ल्यू परियोजना कार्यालय भवन में स्थानातंरित करने को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ सीपीडी केएफडब्ल्यू परियोजना कार्यालय को वन अरण्यपाल (वन्यजीव) धर्मशाला के खाली भवन में स्थानातंरित करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल की बैठक में जिला कारागार को मंडी से नेरचौक के नवनिर्मित भवन में स्थानातंरित करने की स्वीकृति दी गई। मंडी के वर्तमान जेल परिसर को महिलाओं की ओपन जेल में परिवर्तित किया जाएगा। इस जेल के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के आवश्यक पदों को सृजित कर भरने की स्वीकृति भी प्रदान की गई। बैठक में राजस्व विभाग के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश ऑनलाइन फाइलिंग एंड प्रोसेसिंग ऑफ कोर्ट केस नियम-2025 को मंजूरी प्रदान की गई। इन नियमों के अन्तर्गत राजस्व न्यायालय आवेदन, अपील, पुनरीक्षण, समीक्षा आदि अन्य याचिकाएं ऑनलाइन प्राप्त एवं प्रसंस्कृत कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री सुक्खू से प्रशिक्षणरत वन मित्रों के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह से सोमवार को प्रशिक्षणरत वन मित्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। श्री सुक्खू ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हिमाचल की हरित विरासत को संरक्षित रखने में वन मित्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव के. के. पंत और प्रधान मुख्य वन संरक्षक (मुख्यालय) समीर रस्तोगी भी मौजूद रहे।

मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग को परीक्षाओं की फीस तय करने का अधिकार प्रदान करने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में ऊना जिले के चिंतपूर्णी, जिला शिमला के सराहन विशेष क्षेत्र और जिला हमीरपुर के भोटा योजना क्षेत्र के लिए विकास योजनाएं तैयार करने का निर्णय लिया गया ताकि राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ लगते क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण और अव्यवस्थित व्यावसायिक विकास पर अंकुश लगाया जा सके।

मंत्रिमंडल ने विभिन्न सरकारी विभागों में (जहां मांग प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है) रिक्त पदों की मांग, चयन प्रक्रिया और नियुक्ति प्रस्तावों से संबंधित नए दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की। भविष्य में होने वाली नियुक्तियों के पहलुओं पर विचार के लिए एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में परिवहन सेवाओं के सुधार के दृष्टिगत स्थानीय मांग के अनुरूप प्रदेश में 350 नए स्टेज कैरेज रूट और अन्य अतिरिक्त मार्गों को 18 सीटर निजी टैम्पों ऑपरेटरों द्वारा संचालित करने की स्वीकृति दी गई। मंत्रिमंडल ने कैजुअल्टी चिकित्सा अधिकारी के 68 पदों तथा विभिन्न श्रेणियों के 13 पदों सहित चिकित्सा अधिकारियों के कुल 81 पद भरने को मंजूरी दी। यह निर्णय राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं चिकित्सा संस्थानों में आपातकालीन सेवाओं, ट्रॉमा सेंटर, कैजुअल्टी यूनिट्स, ब्लड बैंक तथा तृतीयक कैंसर केयर सुविधाओं को सुदृढ़ करने के दृष्टिगत लिया गया है।

हिमाचल सरकार पाकिस्तानियों को वापस भेजने के प्रति गंभीर नहीं : अनुराग

हमीरपुर, 5 मई (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को कांग्रेस नीत हिमाचल प्रदेश सरकार पर प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों का पता लगाने और उन्हें वापस भेजने के प्रति गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया।

श्री ठाकुर ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ पार्टी की जिला इकाई द्वारा आयोजित रैली-सह-धरना को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा पार्टी ने हमीरपुर जिले में राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने कहा कि हम अपने निर्दोष नागरिकों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। उनके शरीर से बहे खून की एक-एक बूंद का हिसाब आतंकवादियों और उनका भरण-पोषण करने वालों से लिया जाएगा। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान विरोधी और आतंकवाद विरोधी नारे लगाए।

इस दौरान जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर श्री ठाकुर, विधायक आशीष शर्मा, विधायक आईडी लखनपाल, पूर्व विधायक कमलेश कुमारी, पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री, पूर्व विधायक राजेंद्र राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष देस राज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुई नृशंस हत्याओं को देखते हुए केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कदम उठाए हैं, जिनमें से एक यह निर्णय है कि जो पाकिस्तानी नागरिक भारत में आधिकारिक या अनौपचारिक रूप से रह रहे हैं, उन्हें तुरंत उनके देश वापस भेजा जाए। इस संबंध में कई राज्यों में तेजी से काम चल रहा है, लेकिन दुख की बात यह है कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढ़ने और वापस भेजने के प्रति बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा पहलगाम में सीमा पार से प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा निर्दोष नागरिकों पर किए गए बर्बर और कायराना हमले की कड़ी निंदा करती है। श्री ठाकुर ने कहा कि जब भी आतंकवादियों ने शांति, मानवता और विकास पर हमला किया है।

महिला कांग्रेस ने किया मुख्यमंत्री आवास का घेराव

■ महिलाओं के खिलाफ बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर नाराजगी

देहरादून, 5 मई (देशबन्धु)। उत्तराखण्ड में लगातार बढ रहे महिलाओं के उपर हो रहे आपराधिक मामलों को लेकर महिला कांग्रेस ने सोमवार को सीएम आवास का घेराव किया। महिला कांग्रेस का कहना है कि उत्तराखण्ड में महिलाओं के उत्पीड़न शारीरिक शोषण जैसे मामले लगातार आ रहे है। किन्तु महिला सुरक्षा के मामले में प्रदेश सरकार पूरी तरह से विफल साबित हो रही है।

राजधानी में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ती आपराधिक घटनाओं के खिलाफ मुख्यमंत्री आवास कूच किया। महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता न्यू कैंट रोड पर एकत्रित हुई. जिसके बाद प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में जैसे ही मुख्यमंत्री आवास घेराव के लिए महिलाएं आगे बढ़ी तो पुलिस ने सभी को बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। गुस्साई महिलाओं ने सरकार के खिलाफ थाली बजाकर प्रदर्शन किया और राज्य सरकार को जमकर घेरा।

कांग्रेस महिला कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग के पास ही भाजपा सरकार का पुतला दहन करते हुए अपना आक्रोश दर्ज कराया। इधर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि उत्तराखंड में लगातार महिलाओं और बेटियों के खिलाफ आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, लेकिन सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम साबित हुई है। उन्होंने कहा कि नैनीताल में नाबालिग के साथ हुए दुराचार समेत प्रदेश में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं और अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। ज्योति रौतेला का कहना है कि दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाला सिर्फ अपराधी होता है, लेकिन नैनीताल में हुई रेप की घटना को धर्म विशेष से जोड़ा जा रहा है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि नौ हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड महिला उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर पहले पायदान पर पहुंच गया है, लेकिन राज्य सरकार महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा पा रही है। जिसको लेकर सोंमवार को महिला कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया।

सार संक्षेप

इंडियन आइडल विजेता व गायक पवनदीप सड़क हादसे में घायल

देहरादून। इंडियन आइडल सीजन-12 के विजेता और उत्तराखंड के ब्रांड एंबेसडर पवनदीप राजन रविवार देर रात एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। यह दुर्घटना दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गजरौला के पास हुई, जहां उनकी कार हाईवे पर सीओ कार्यालय के सामने खड़े एक कैंटर में पीछे से जा घुसी। हादसे में पवनदीप गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनके दोनों हाथ और पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है। जानकारी के मुताबिक, पवनदीप अपने साथी अजय महर और चालक राहुल सिंह के साथ चंपावत से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। तड़के करीब 2:30 बजे उनकी कार गजरौला में हादसे का शिकार हो गई। आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई।

महिला की हत्या करने वाले के घर पर चला बुलडोजर

उधमसिंह नगर। जिले के खटीमा में बीते दिनों पूजा नाम की महिला की हत्या की गई थी। अब इस मामले में पुलिस ने हत्यारोपी मुस्ताक अहमद के घर को जेसीबी से तोड़ दिया। आरोपी ने पूजा का गला काट उसका शव खटीमा में छिपा दिया था। पूजा की गुमशुदगी हरियाणा में दर्ज हुई थी, इसीलिए हत्यारोपी हरियाणा पुलिस की गिरफ्त में है। पूजा और मुस्ताक लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। पूजा से पीछा छुड़ाने के लिए मुस्ताक ने उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस का कहना है कि पूजा हत्याकांड के आरोपी मुस्ताक अहमद निवासी गांव गौरीखेड़ा सितारगंज का घर जमीन पर अतिक्रमण कर बनाया गया था। इसीलिए उसका घर गिराया गया है। सोमवार को जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन भदौरिया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया गया।

चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के छह सदस्य गिरफ्तार

देहरादून। स्नान घाटों पर चोरी करने वाले अंतर्राजीय गिरोह के छह लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक लाख रूपये की नगदी बरामद कर ली। एसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रूपए का ईनाम दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी पुलिस ने गंगोत्री धाम पर चोरी करने वाले गौंडा उत्तर-प्रदेश के एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया है।

सुडोकू 6904 का हल

8	9	3	4	2	1	6	7	5
1	7	4	6	5	9	8	3	2
5	2	6	7	8	3	9	1	4
7	1	9	5	3	4	2	8	6
4	3	2	8	7	6	5	9	1
6	5	8	9	1	2	7	4	3
2	6	1	3	9	8	4	5	7
3	8	7	2	4	5	1	6	9
9	4	5	1	6	7	3	2	8

कांग्रेस व सुक्खू सरकार की खुली पोल, अंतर्कलह आई सामने : जयराम

मंडी, 5 मई (देशबन्धु)। मंडी से जारी बयान में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और सुक्खू सरकार का अंतर्कलह अब प्रदेश के समाने आ गया है। स्थिति अब एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी और लड़ाई-झगड़े तक पहुंच गई है। यह बात भारतीय जनता पार्टी या कोई बाहरी व्यक्ति नहीं कह रहा है। क्या बातें सरकार के मंत्री तथा पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कह रहे हैं।

बिलासपुर में पार्टी अध्यक्ष के सामने जो कुछ हुआ और आए दिन कांग्रेस के नेता संगठन के बारे में, सरकार के बारे में जिस तरीके के बयान दे रहे हैं उससे यह साफ है कि प्रदेश सरकार और कांग्रेस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। ऐसी ही स्थिति वर्तमान में सुक्खू की सरकार की भी है। सरकार में मंत्रियों के बीच जबरदस्त गुटबाजी और खींचतान चल रही है। हालात यह बन गए हैं कि उप मुख्यमंत्री ही मुख्यमंत्री के खिलाफ बातें कर रहे हैं और एक मंत्री उनके समर्थन में खड़े हैं। दोनों तरफ से बड़ी-बड़ी बातें हो रही है। डराने,धमकाने और साजिश करने की बातें हो रही हैं। प्रदेश के लोग भी समझ नहीं पा रहे हैं कौन किसको डरा-धमका रहा है। सरकार के मंत्रियों को जो ऊर्जा प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाने के लिए लगानी चाहिए वह ऊर्जा अपने शक्ति प्रदर्शन में लगा रहे हैं।

अपने हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं सुक्खू सरकार के मंत्री व कांग्रेस के नेता, प्रदेश को हो रहा नुकसान : जयराम ठाकुर

भाजपा मुद्दाविहीन व नेताविहीन पार्टी : नरेश चौहान

शिमला। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार सुखविन्दर सिंह सुक्खू के कुशल मार्गदर्शन एवं गतिशील नेतृत्व में मजबूती से काम कर रही है क्योंकि उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की सोच को लेकर जो फैसले लिए हैं उनसे बड़े पैमाने पर लोग लाभान्वित हो रहे हैं। वह आज यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार दृढ़ निश्चय के साथ काम कर रही है । मुख्यमंत्री ने प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं जिनके आने वाले समय में दूरगामी परिणाम सामने आएंगे। मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में सभी मंत्री और विधायक एकजुटता से काम कर रहे हैं तथा विकास के कार्यो को गतिशीलता प्रदान की जा रही है। चौहान ने विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर को नसीहत दे कि वह कांग्रेस पार्टी अथवा सरकार के कामकाज को लेकर अनावश्यक छींटाकशी करने की बजाए अपनी पार्टी के कार्यों की तरफ ध्यान दें । उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा आज मुद्दा विहीन और नेता विहीन पार्टी हो गई है। भाजपा नेताओं में लीडरशिप को लेकर छटपटाहट चल रही है वह किसी से छिपी नहीं हैं।

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का समय : डॉ. राजीव बिंदल

शिमला, 5 मई (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में 27 निर्दोष हिंदू पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के सभी 17 संगठनात्मक जिलों में आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किए। इसी क्रम में शिमला जिले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के नेतृत्व में सी.टी.ओ. चौक पर विशाल जन आक्रोश प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के उपरांत जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सौंपकर यह मांग की गई कि प्रदेश सरकार तत्काल प्रभाव से प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजे। सभास्थल पर संबोधन देते हुए डॉ. बिंदल ने कहा कि यह हमला सिर्फ पर्यटकों पर नहीं, यह भारत की आत्मा पर हमला है। उन्होंने कहा कि केवल निंदा नहीं, अब निर्णायक और प्रतिशोधात्मक कार्रवाई समय की मांग है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध तीव्र कूटनीतिक कदम उठाए हैं और सर्वदलीय बैठक बुलाकर पूरे देश को एकजुट किया है। डॉ. बिंदल ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्पष्ट निर्णय लिया है कि भारत में अधिकृत अथवा अनधिकृत रूप से रह रहे किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को देश से बाहर निकाला जाएगा। इस निर्णय के बाद देश के कई राज्यों में ऐसे नागरिकों की पहचान कर उन्हें उनके देश भेजा जा रहा है।

हिमाचल में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की तत्काल पहचान पहचान कर उन्हें वापस भेज : डॉ. राजीव बिंदल, भाजपा

पेयजल दुरुपयोग रोकने के लिए 21 संस्थानों को नोटिस

सिरसा, 5 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा के शहरी क्षेत्र में गर्मी के मौसम में पेयजल किल्लत से निपटने के लिए जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने पानी की बर्बादी और पानी के दुरुपयोग को रोकने को लेकर अभियान चलाया है।

उपमंडल अधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में विभागीय टीम ने अवैध कनेक्शनों की भी जांच शुरु की है। सोमवार को विभागीय टीम ने बेगू रोड पर कार्रवाई करते हुए 21 संस्थानों को नोटिस जारी किए हैं।

जल एवं स्वच्छता सहायता संगठन के जिला सलाहकार राकेश सोगलान ने बताया कि बेगू रोड के 13 सर्विस/वाशिंग स्टेशन पर वाटर सप्लाई से पानी लिया जा रहा था, जिन्हें अब नोटिस जारी कर दिया गया है, इसके अलावा चार होटल, एक पेट्रोल पंप दो फैक्ट्री व एक मैरिज पैलेस में भी घरेलू पेयजल कनेक्शन पाया गया है। उन्होंने बताया कि नियमानुसार होटल, पेट्रोल पंप, फैक्ट्री और मैरिज पैलेस में कॉमर्शियल कनेक्शन लिया जा सकता है, घरेलू पेयजल कनेक्शन से पानी की उपलब्धता पूरी नहीं की जा सकती।

उन्होंने बताया कि सभी को सात दिन का समय देते हुए कनेक्शनों को कॉमर्शियल में बदलाने या फिर स्वयं द्वारा पानी का प्रबंध करना होगा। यदि इस समय अवधि में कनेक्शनों को वैध करवाने की कार्यवाही नहीं की गई तो संबंधित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाही अमल में लाई जाएगी।

पानी पर पंजाब ओछी राजनीति न करें : सैनी

चंडीगढ़, 5 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को कहा कि पानी के मुददे पर पंजाब ओछी राजनीति कर रहा है। श्री सैनी ने आज यहां कहा कि इससे पहले भी सतलुज यमुना संपर्क नहर मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और उच्चतम न्यायालय के फैसले को दर किनार किया। पानी प्राकृतिक स्त्रोत है और यह देश की धरोहर है। आज भी हरियाणा के हिस्से का पीने का पानी न देने पर मान सरकार ने पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया, जो अनैतिक है और भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है। मुख्यमंत्री आज हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक के उपरांत पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव सिख समाज के दसो गुरूओं द्वारा दिखाए मार्ग के खिलाफ है।

पंजाब पानी से जुड़े बीबीएमबी के किसी भी फैसले को नहीं मानेगा : मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य विधानसभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया कि पंजाब नदी जल के बंटवारे के बारे में भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) के किसी भी फैसले को नहीं मानेगा। जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर हुई बहस में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बी.बी.एम.बी. का गठन वास्तव में सतलुज और ब्यास के पानी के प्रबंधन के लिए हुआ था। ये दोनों नदियां पंजाब में बहती हैं, जिसके कारण इनके पानी पर पूरी तरह पंजाब का हक है। हरियाणा या राजस्थान का इन नदियों से कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सदन भारतीय जनता पार्टी द्वारा गैर-कानूनी और गैर-संवैधानिक तरीके से बी.बी.एम.बी. की बैठक बुलाये जाने की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि पंजाब अब भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड को नहीं मानेगा। श्री मान ने कहा कि पंजाब अब बी.बी.एम.बी. के पानी से जुड़े किसी भी फैसले को नहीं मानेगा और सतलुज और ब्यास नदियों का पानी सिर्फ और सिर्फ पंजाब का है और हम अब इस पानी का पूरा उपयोग करेंगे।

केदार घाटी के कण-कण में भगवान शिव का वास : राज्यपाल

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 5 मई (देशबन्धु)। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने सोमवार सुबह पवित्र केदारनाथ धाम पहुंचकर भगवान केदारनाथ के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा संपूर्ण विश्व, मानवता एवं उत्तराखंड के सतत विकास के लिए बाबा से आशीर्वाद मांगा। धाम आगमन पर जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार और पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने वीआईपी हैलीपैड पर पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल का आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात राज्यपाल ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों और कर्मचारियों से भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया और तत्पर सेवाभाव के लिए उनकी सराहना की।

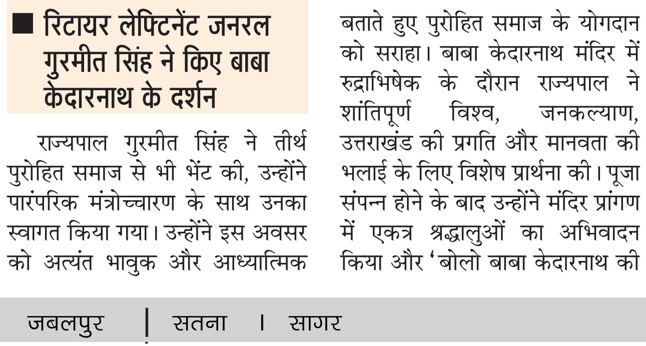

■ रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने किए बाबा केदारनाथ के दर्शन

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने तीर्थ पुरोहित समाज से भी भेंट की, उन्होंने पारंपरिक मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत किया गया। उन्होंने इस अवसर को अत्यंत भावुक और आध्यात्मिक बताते हुए पुरोहित समाज के योगदान को सराहा। बाबा केदारनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक के दौरान राज्यपाल ने शांतिपूर्ण विश्व, जनकल्याण, उत्तराखंड की प्रगति और मानवता की भलाई के लिए विशेष प्रार्थना की। पूजा संपन्न होने के बाद उन्होंने मंदिर प्रांगण में एकत्र श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और 'बोलो बाबा केदारनाथ की जय' के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय कर दिया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिवभक्त से बड़ा इस संसार में कोई नहीं है। केदारघाटी के कण-कण में भगवान शिव का वास है। यहां के पर्वतों में भगवान शिव की छवि स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होती है। इस दिव्य भूमि पर कदम रखते ही मन ध्यानमग्न हो जाता है। राज्यपाल को यह भी अवगत कराया गया कि तीर्थ पुरोहितों के लिए बनाए जा रहे भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा भूमि एवं भवनों आवंटन जैसे मुद्दों का निराकरण कर लिया गया है। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने मंदिर समिति, तीर्थ पुरोहितों एवं जिला प्रशासन की इस समन्वित पहल के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। राज्यपाल ने यात्रा मार्ग पर चिकित्सा व्यावस्थाओं, सुरक्षा एवं अन्य जनसुविधाओं की सराहना करते हुए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, और मंदिर समिति के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

केदारनाथ यात्रा से महिला समूहों को मिल रहा कारोबार

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा महिला समूहों की आर्थिकी का आधार बन रही है। सरकार इसके लिए महिला समूहों को यात्रा मार्ग पर स्टॉल उपलब्ध कराने से लेकर हर तरह की सहायता दे रही है। महिलाएं स्थानीय उत्पादों की बिक्री कर वोकल फॉर लोकल के नारे को भी चरितार्थ कर रही हैं। सभी तीर्थ यात्रियों से अपील है कि वे स्थानीय समूहों के गुणवत्तापरक उत्पादों को खरीदने का प्रयास करें। केदारनाथ यात्रा से इस साल भी रुद्रप्रयाग जनपद के महिला स्वयं सहायता समूहों को काम मिल रहा है। जनपद के करीब डेढ़ सौ समूह, प्रसाद, जौ, तिल, कॉइन सोवेनियर, स्थानीय उत्पादों की बिक्री करने से लेकर होमस्टे और यात्रा मार्ग पर जलपान गृह तक संचालित कर रहे हैं। जिससे सैकड़ों महिलाओं की आजीविका को सहारा मिल रहा है। केदारनाथ प्रसाद की ऑनलाइन भी खरीद की जा सकती है। इसके साथ ही उद्योग विभाग के भटवाड़ीसैंण स्थित ग्रोथ सेंटर में केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति सोवेनियर के रूप में तैयार की जाती है। जिसे श्रद्धालु केदारनाथ मंदिर से स्मृतिचिह्न के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। जिला उद्योग केंद्र रुद्रप्रयाग के संचालित इस ग्रोथ सेंटर का भी स्थानीय महिलाएं ही संचालन करती हैं। इस वर्ष अब तक पांच हजार प्रतिकृतियां तैयार की जा चुकी हैं तथा यह क्रम जारी है।

प्रादेशिकी

नाबालिग चालकों के अभिभावकों पर लगाया जुर्माना

सहारनपुर, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सड़क सप्ताह के अवसर पर चलाए जा रहे अभियान में नाबालिग छात्र-छात्राओं के कुल छह दो पहिया वाहनो को सीज करके उनके अभिभावकों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देश पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत अभियान चलाया गया। इसके लिए पुलिस अधीक्षक यातायात सिद्धार्थ वर्मा के नेतृत्व में छह टीमें गठित की गयी, जिनमें सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एमपी सिंह, नगर मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह, उपजिलाधिकारी सुरेन्द्र कुमार, उपजिलाधिकारी श्वेता पाण्डेय, उपजिलाधिकारी विजय कुमार, उपजिलाधिकारी विकास कुमार शामिल रहे। अभियान के दौरान नाबालिग स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा वाहन चलाये जाने पर कुल 6 दो पहिया वाहनों को सीज करते हुए 25-25 हजार का जुर्माना लगाया गया।

एक-एक गरीब पात्र को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही उप्र सरकार

■ अंत्योदय राशनकार्ड वितरण में प्रयागराज, गोरखपुर, लखनऊ, सीतापुर शीर्ष 10 जिलों में शामिल

■ प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही योगी सरकार, अंत्योदय कार्ड धारकों की संख्या 1.30 करोड़

लखनऊ, 5 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत योगी सरकार एक-एक पात्र गरीब को चिन्हित कर राशन कार्ड जारी कर रही है। प्रदेश में अंत्योदय कार्ड लाभार्थियों की संख्या 1.29 करोड़ से अधिक है। अब तक प्रदेश में 3.16 करोड़ से अधिक परिवारों के सामान्य राशन कार्ड और 40.73 लाख से अधिक परिवारों के अंत्योदय राशन कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे करीब 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है।

सरकार का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक राशन पहुंचाना है और इसके लिए अभियान चलाकर पात्रता की पहचान की जा रही है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त आंकड़े के अनुसार, राशन कार्ड वितरण में प्रयागराज जिला सबसे आगे है। इस जिले में 9,34,677 सामान्य राशन कार्ड और 40,29,226 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर सीतापुर जिला है, जहां 7,74,576 राशन कार्ड और 31,60,253 लाभार्थी हैं। आगरा ने तीसरा स्थान हासिल किया है, यहां 7,38,939 राशन कार्ड बनाए, जिनसे 30,80,875 लाभार्थी जुड़े हैं। चौथे स्थान पर लखनऊ हैं जहां 7,01,070 राशन कार्ड के जरिए 29,08,145 लाभार्थी जुड़े हैं, जबकि जौनपुर पांचवें स्थान पर है, जहां 6,91,216 राशन कार्ड और 30,56,416 लाभार्थी हैं। छठे स्थान पर गोरखपुर हैं जहां 6,72,749 राशन कार्ड बनाए गए, जिनसे 26,79,692 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। सातवें स्थान पर आजमगढ़ है जहां 6,70,679 राशन कार्ड और 30,86,602 लाभार्थी हैं। राशनकार्ड वितरण में बरेली आठवां स्थान हासिल किया है यहां 6,70,677 राशन कार्ड के जरिए 29,19,581 लाभार्थियों के मुफ्त राशन का लाभ मिल रह है। वहीं नौवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है यहां 5,89,160 राशन कार्ड और 16,97,709 लाभार्थी हैं, जबकि 10वें स्थान पर लखीमपुर खीरी है जहां 5,86,592 राशन कार्ड और 23,95,374 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं।

अंत्योदय राशन कार्ड वितरण में भी कई जिले शीर्ष पर

आंकड़े के अनुसार, गोरखपुर ने अत्यंत गरीबों को चिन्हित कर उनको राशन कार्ड जारी करने में बाजी मारी है। अंत्योदय राशन कार्ड वितरण में भी कई जिले शीर्ष पर हैं। यहां 1,26,392 अंत्योदय राशन कार्ड बनाए, जिनसे 4,56,750 लाभार्थी जुड़े हैं। दूसरे स्थान पर सीतापुर है जहां 1,11,714 अंत्योदय राशन कार्ड और 3,09,470 लाभार्थी हैं। लखीमपुर खीरी ने तीसरा स्थान हालिल किया है जहां 1,09,395 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,95,862 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। चौथे स्थान पर आजमगढ़ है यहां 1,05,782 अंत्योदय राशन कार्ड के जरिए 41,4,541 लाभार्थियों को राशन का लाभ मिल रहा है। पांचवें स्थान पर बरेली में 97,996 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,97,077 लाभार्थी हैं। छठवें स्थान पर प्रयागराज है जहां 86,613 अंत्योदय राशन कार्ड और 2,61,220 लाभार्थी दर्ज किए गए हैं। सातवें स्थान पर सिद्धार्थनगर है जहां 82,334 अंत्योदय राशन कार्ड से 2,46,418 लाभार्थियों को राशन मिल रहा है। अभी तक के प्राप्त आंकड़े में जौनपुर ने आठवां स्थान हासिल किया है, जिसमें 1,25,472 अंत्योदय राशन कार्ड और 4,14,788 लाभार्थी हैं। नौवे स्थान पर लखनऊ है जहां 48,903 अंत्योदय राशन कार्ड और 1,48,216 लाभार्थी दर्ज हैं।

महिला के गले से चेन लूटने का प्रयास

■ गम्भीर रूप से घायल हुई महिला

फर्रुखाबाद, 5 मई (देशबन्धु)। बाइक सवार लुटेरों ने ई-रिक्शा में बैठी महिला के गले से चेन खींचने का प्रयास किया। चेन की जगह दुपट्टा हाथ में फंस जाने से महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गई। तीनों युवक भी गिर गए और बाइक उठाकर भाग गए। महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव ममापुर की रहने वाली निशा पत्नी अजय अपने परिवार की अन्य महिलाओं के साथ नवाबगंज से ई-रिक्शा में बैठकर गांव की ओर आ रही थी। भटासा गांव के चौराहे पर पीछे से आई एक बाइक पर सवार तीन युवकों उसके गले से चेन खींचने के लिए झपट्टा मारा। युवक के झपट्टा मारने में महिला के गले में पड़ा दुपट्टा खिंच गया जिससे वह सड़क पर आ गिरी। वही तीनों बाइक सवार भी गिर गए। बाइक सवार युवक बाइक उठाकर भाग खड़े हुए। इसी बीच महिलाओं ने उनकी बाइक के नंबरों की फोटो भी खींच ली। घायल अवस्था में निशा को सीएससी में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक अनुराग मिश्रा ने बताया की महिला द्वारा तहरीर दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जून माह में मनाया जाएगा योग दिवस : आनंदीबेन पटेल

■ राज्यपाल ने प्रदेश के सभी विवि के कुलपतियों संग की बैठक

मेरठ, 5 मई (देशबन्धु)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों की बैठक की। इस बैठक में प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव तथा संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्रदेश की राज्यपाल ने कहा कि इस बार 21 जून को योग दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर कब मनाया जाएगा इस पर 10 दिन तक पूरे विश्वविद्यालय में कार्यक्रम चलाए जाएंगे साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में योगा पार्क की स्थापना वृक्षों और औषधि पौधों से संबंधित वन की स्थापना विशेष स्तर पर कार्यक्रम चलाए जाएंगे इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर के के सिंह ने सभी अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि वह इस बार का योग दिवस बृहद स्तर पर बनाने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दें जिसमें छात्र-छात्राओं शिक्षकों कर्मचारियों किसानो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ग्रामीण महिलाओं तथा विश्वविद्यालय में जुड़े हुए सभी शिक्षकों कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं के परिवारों को भी जोड़ने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र में आने वाले कृषि विज्ञान केदो द्वारा पांच 5 ग्रामों को चयनित कर योग दिवस मनाया जाए तथा उसे गांव के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से स्वास्थ्य की जांच करा कर उचित जानकारी दी जाए।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह वित्त नियंत्रक पंकज चतुर्वेदी डॉ विवेक धामा डॉक्टर आर एस सेंगर डॉ पीके सिंह डॉक्टर सत्य प्रकाश डॉ. कमल खिलाड़ी डॉक्टर बीपी ध्यानी डॉक्टर पंकज कुमार डॉक्टर विजय सिंह डॉक्टर जयवीर यादव एवं डॉक्टर जैनिथा इमानुएल आदि लोग मौजूद रहे।

सार संक्षेप

सुरेश खन्ना ने कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर किया मंथन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में कानून व्यवस्था की समीक्षा की और अधिकारियों को जरुरी दिशा निर्देश दिए। योजना भवन में हुई बैठक में पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के अलावा संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था बबलू कुमार समेत सभी जोन के आला अधिकारी मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने लूट, डकैती, साइबर क्राइम और महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं पर चिंता जताई और अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया। उन्होंने पिछले तीन महीने में हुई घटनाओं के आंकड़े पर चिंता जताते हुये अधिकारियों को लूट, डकैती और साइबर क्राइम पर लगाम लगाने के निर्देश दिए।

सीतापुर में ट्रक पेड़ से टकराया,चालक की मौत

सीतापुर। सीतापुर जिले के थानगांव क्षेत्र में सोमवार को डंपर में आग लगने से चालक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रेउसा महमूदाबाद रोड पर सोमवार सुबह देवड़ा गुरुद्वारे के पास एक अनियंत्रित डंपर पेड़ से टकरा गया। डीजल की टंकी फट जाने से डंपर में आग लग गई जिसमें चालक की जलकर मृत्यु हो गई। थानगांव के इंस्पेक्टर अतुल शुक्ला ने बताया कि यह डंपर थान गांव से दस्त भरकर रेउसा महमूदाबाद मार्ग पर जा रहा था कि चालक को नींद आने पर यह अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में थाना अतरौली जनपद हरदोई ग्राम महमदपुर निवासी गुरु की मृत्यु हो गई।

वक्फ संशोधन विधेयक गरीब मुस्लिमों के हित में : त्रिपाठी

संत कबीर नगर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापतिराम त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि वक्फ बोर्ड की जमीनों का उपयोग मुस्लिम समुदाय के धार्मिक कार्यों, और उससे प्राप्त आय से समुदाय के मजलूमों के उत्थान में किया जाएगा। भाजपा की जिला इकाई द्वारा वक्फ बोर्ड संशोधित अधिनियम के जनजागरण अभियान के संबंध में अल्पसंख्यक प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम का आयोजन यहां किया गया था जिसकी अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष नीतू सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक में सबको समान अधिकार दिया गया है। लेकिन विपक्ष इसको गलत दिशा में ले जाकर वोट की राजनीति कर रहा है। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जाति और मजहब पूछ कर नहीं दिया जाता। वह सबके लिए समान है।

औरैया में दीवार ढहने से महिला की मौत

औरैया। औरैया में सोमवार की शाम तेज आंधी से एक मकान की दीवार ढहने से एक महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। अजीतमल क्षेत्र के कस्बा बाबरपुर निवासी मीरा देवी अपने पुत्र कन्हैया के साथ सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव सुरान स्थित अपने रिश्तेदार संजीव नागर के घर शादी समारोह में शामिल होने के लिए आई थीं। सोमवार की शाम संजीव के शादी से संबंधित कार्यक्रम चल रहे थे कि मौसम बिगड़ने के साथ तेज आंधी आने से संजीव के मकान की एक पक्की दीवार ढह गई।

एएस इंटर कॉलेज मवाना में मनाया गया मदर्स डे

मवाना, 5 मई (देशबन्धु)। ए.एस. इंटर कॉलेज, मवाना में मदर्स डे को लेकर विशेष कार्यक्रम की तैयारी पूरे उत्साह के साथ की जा रही है। इस अवसर पर छात्राओं ने रंगोली और गुब्बारों से कक्षों को सजाकर अपनी माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। मदर्स डे की रिहर्सल में छात्राओं ने अपनी भावनाओं को सुंदर शब्दों और सजे हुए वातावरण के माध्यम से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में हैप्पी मदर्स डे संदेश के साथ एक भावनात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें मां के त्याग, ममता, प्रेम और प्रेरणा को शब्दों में संजोया गया। वक्तव्य में कहा गया कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु, डॉक्टर, रसोइया और सबसे बड़ी शुभचिंतक होती हैं। उनका प्यार निस्वार्थ होता है जिसकी कोई सीमा नहीं होती। कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्मी देवी डिग्री कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शक्ति साहनी और ए.एस. इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मेघराज सिंह ने फीता काटकर संयुक्त रूप से किया। इस आयोजन की रूपरेखा तेजस फाउंडेशन की निदेशक डॉ. मोनिका पटेल, कंप्यूटर शिक्षिका तन्वी मलिक और अनीता द्वारा तैयार की गई। विद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक, प्रबंधक पवन कुमार रस्तोगी एवं प्रधानाचार्य डॉ. मेघराज सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि मां हमारे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उनके बिना जीवन की कल्पना भी अधूरी है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपनी माताओं को सम्मान और प्रेम देकर इस दिन को सार्थक बनाएं।

■ छात्राओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संस्कृत संवर्धन में उत्तर प्रदेश बना अग्रणी राज्य, मिला राष्ट्रीय सम्मान

■ 1008 संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को मिला विशेष सम्मान

लखनऊ, 5 मई (देशबन्धु)। संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और पुनरुत्थान के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को ऐतिहासिक सफलता मिली है। योगी आदित्यनाथ सरकार की नीतिगत प्रतिबद्धता और सक्रिय पहल के फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान को राष्ट्रीय मंच पर विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिसर में संस्कृत भारती, दिल्ली एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 1008 सामूहिक संस्कृत संभाषण शिविरों के समापन समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने संस्कृत के प्रचार, संरक्षण एवं व्यवहारिक विस्तार को लेकर बीते वर्षों में जो योजनाएं क्रियान्वित कीं—जैसे संस्कृत शिक्षकों की नियुक्ति, संवादात्मक प्रशिक्षण शिविर, पाठ्यक्रमों का आधुनिकीकरण तथा संस्कृत के लिए विशेष बजट प्रावधान उन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ।

यह पुरस्कार न केवल संस्थान के लिए, बल्कि सरकार की भाषा नीति के लिए एक राष्ट्रीय स्वीकृति भी है। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की ओर से समन्वयिका राधा शर्मा ने यह सम्मान ग्रहण करते हुए इसे योगी सरकार के मार्गदर्शन, समर्पण और संस्कृत भाषा के प्रति निष्ठा का प्रतिफल बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे प्रदेश की शिक्षा और संस्कृति नीति की विजय है। संस्थान के अनेक प्रशिक्षकों ने इस अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिनमें प्रमुख नाम हैं। अंजु मिश्रा, आस्था शुक्ला, दीपिका मिश्रा, डॉ. दिवाकर मिश्र, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र, गरुण मिश्र, गीता वशिष्ठ, कीर्ति अत्रि, खुशी शर्मा, नीतू सक्सेना, प्रियंका शुक्ला, शिवप्रताप मिश्र, रजनीश तिवारी, रुद्रनारायण पांडेय आदि। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए संस्कृत प्रेमियों, विद्वानों, छात्रों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिनिधियों ने इस सम्मान को उत्तर प्रदेश के लिए संस्कृत पुनर्जागरण का स्वर्ण क्षण कहा और भविष्य में और अधिक समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया।

शोभित विवि को मिला विशेष दायित्व

मेरठ, 5 मई (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा मेरठ जनपद के सम्प्रेक्षण गृहों और देखभाल संस्थानों में रह रहे बालकों एवं बालिकाओं के पुनर्वास के लिए विधिक सहायता एवं मानसिक परामर्श प्रदान करने हेतु चुना गया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की सामाजिक प्रतिबद्धता, उत्कृष्ट शैक्षणिक मूल्यों और विधिक प्रशिक्षण में विशेषज्ञता को दृष्टिगत रखते हुए लिया गया। यह पहल इन संस्थानों में रह रहे बच्चों के मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी सशक्तिकरण के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शोभित विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ एंड कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार गोयल के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के विधि विशेषज्ञों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और छात्रों की एक टीम इन संस्थानों का नियमित रूप से भ्रमण करेगी। टीम इन बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, कानूनी अधिकारों, और सामाजिक पुनर्वास जैसे विषयों पर जागरूक करेगी तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

सुभारती विवि के इंजीनियरिंग संकाय में औद्योगिक भ्रमण का हुआ आयोजन

■ छात्रों ने कंपनी के विभिन्न विभागों का किया अवलोकन

मेरठ, 5 मई (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ के इंजीनियरिंग संकाय के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के डीन प्रो. डॉ . मनोज कपिल एवं विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार के निर्देशन में छात्रों और फैकल्टी इंजीनियर सचिन कुमार द्वारा व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करने हेतु एसआरबी मशीनस प्राइवेट लिमिटेड साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, उद्योग परिसर का एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण किया गया। एसआरबी मशीनस प्राइवेट लिमिटेड. उच्च गुणवत्ता वाली सीएनसी और विशेष प्रयोजन ग्राइंडिंग मशीनों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल, रक्षा और औद्योगिक क्षेत्रों में किया जाता है। भ्रमण के दौरान छात्रों ने कंपनी के विभिन्न विभागों जैसे मशीन डिज़ाइन, असेम्बली, परीक्षण तथा गुणवत्ता नियंत्रण क्रियाओं का अवलोकन किया। डीन प्रो. डॉ. मनोज कपिल ने बताया कि कंपनी के अधिकारियों ने छात्रों से संवाद स्थापित किया और सीएनसी सिलिंड्रिकल ग्राइंडिंग, मशीन टूल डिज़ाइन, स्वचालन और आधुनिक विनिर्माण तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। छात्रों को मशीनों के संचालन का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे उनकी तकनीकी समझ में वृद्धि हुई। यह औद्योगिक भ्रमण छात्रों के लिए एक अत्यंत लाभकारी अनुभव रहा, जिससे उन्हें उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणालियों, गुणवत्ता मानकों तथा नवाचार की महत्ता को समझने का अवसर मिला।

सफाई मजदूर कांग्रेस शाखा मवाना का चुनाव सम्पन्न

मवाना, 5 मई (देशबन्धु)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस शाखा नगर पालिका परिषद मवाना का चुनाव सोमवार को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया के माध्यम से सम्पन्न हुआ। चुनाव पश्चात परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें अध्यक्ष पद पर मनोज घाघट को विजयी घोषित किया गया। उन्हें कुल 82 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी सुभाष कुमार को मात्र 17 मत मिले। 6 मत निरस्त पाए गए। महामंत्री पद के लिए दो नामांकन हुए थे, लेकिन एक प्रत्याशी राजू सूद ने अपना नाम वापस ले लिया, जिसके चलते राकेश कुमार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव की प्रक्रिया चुनाव प्रभारी चन्द्रशेखर आजाद की देखरेख में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक प्रभुदयाल वाल्मीकि, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद कुमार बैचेन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

■ मनोज घाघट अध्यक्ष व राकेश कुमार महामंत्री निर्वाचित

मवाना के डॉ. राहुल विधूड़ी को किया देशरत्न अवॉर्ड से सम्मानित

मवाना, 5 मई (देशबन्धु)। मवाना क्षेत्र के गांव जंधेड़ी निवासी डॉक्टर राहुल विधूड़ी को चिकित्सा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'देशरत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें मंच से यह सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, रघुराज सिंह, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा, स्मृति रस्तोगी (राष्ट्रीय संपादक, दैनिक जागरण), टीवी कलाकार सुरेंद्र पाल सिंह व मुश्ताक खान ने सामूहिक रूप से डॉक्टर राहुल विधूड़ी को यह पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. राहुल विधूड़ी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उन्हें देशरत्न अवार्ड से नवाजना गर्व की बात है। डॉ. राहुल ने बताया कि वे चिकित्सा सेवा के साथ-साथ समाजसेवा के विभिन्न कार्य जैसे गरीब बच्चों को पढ़ाना, साक्षरता अभियान चलाना और मलिन बस्तियों में जरूरतमंदों को सामान पहुंचाना जैसे कार्य निरंतर करते रहे हैं।

■ चिकित्सा एवं समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए

आयोजन | *चौधरी चरण सिंह विवि में खाद्य संरक्षण प्रशिक्षण का भव्य समापन*

खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं

■ विद्यार्थियों ने रासायनिक विधियों द्वारा खाद्य संरक्षण की बारीकियों को समझा

■ वरिष्ठ शिक्षकों, प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं विभागीय कर्मचारियों ने लिया भाग

मेरठ, 5 मई (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर के गृह विज्ञान विभाग में विगत 21 अप्रैल से संचालित 15 दिवसीय खाद्य संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सोमवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभाग में एक विशेष समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों, प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं विभागीय कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में बी.एस.सी. होम साइंस, एम.ए. होम साइंस, एम.एस.सी. होम साइंस (फूड एंड न्यूट्रीशन), सीड साइंस तथा एन.ए.एस. कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल सैद्धांतिक ज्ञान अर्जित किया, बल्कि व्यावहारिक सत्रों में भाग लेकर आचार, मुरब्बा, जैम, जैली, कैनिंग एवं रासायनिक विधियों द्वारा खाद्य संरक्षण की बारीकियों को भी समझा। समापन अवसर पर विभाग की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि वर्तमान युग में खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षेत्र स्वरोजगार की अपार संभावनाओं से युक्त है। उन्होंने स्वरोजगार स्थापना के लिए आवश्यक कौशल, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन रणनीतियों के साथ-साथ सरकारी सहायता योजनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि अपने साथ अन्य लोगों को भी रोजगार देने में सक्षम बन सकते हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षक मंडल की ओर से डॉ. निधि चौधरी, डॉ. श्वेता शर्मा, डॉ. इरम मुमताज, नेहा शर्मा एवं सुश्री इति सिंघल ने प्रशिक्षण की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की।

विभाग के कर्मचारियों का भी इस कार्यक्रम में उल्लेखनीय सहयोग रहा। समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें न केवल व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा है। प्रतिभागियों ने विभाग द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता की इच्छा प्रकट की।

संयुक्त व्यापारी एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

मवाना, 5 मई (देशबन्धु)। संयुक्त व्यापारी एसोसिएशन पदाधिकारियों ने घर-घर जल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने के तोड़ी जा रही सड़कों के संबंध में सोमवार को ईओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एसोसिएशन के अध्यक्ष शैवाल दुबलिश ने बताया कि घर-घर जल योजना के अंतर्गत जितना भी कार्य नगर में हुआ है उसमें पाईप भी घटिया और सड़क ठीक करने के नाम पर लीपापोती की जा रही है। नगर पालिका के अधिकारी या तो मिले हुए या सो रहे हैं। बाजारों में सड़क बनने के बाद भी गड्ढे हैं। जिसमें व्यापारी और राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। पहले तो रात में काम होता था अब दिन में करा जा रहा है, जिससे व्यापार चौपट हो रहा है। मेरठ रोड और हस्तिनापुर रोड पर जो कार्य हो रहा है उसकी वजह से प्रतिदिन वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं। बरसात में और भी ज्यादा दिक्कत होगी तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। संगठन अध्यक्ष ने बताया कि अब जो भी चोटिल होगा या किसी का नुकसान होगा तो संबंधित व्यक्ति थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराएगा।

दुनिया रंग-बिरंगी

देशबन्धु नई दिल्ली, मंगलवार, 6 मई, 2025, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल-द फाइनल रेकनिंग' में स्टंट करते नजर आएंगे टॉम क्रूज

मुंबई। हॉलीवुड फिल्मों के सुपरस्टार टॉम क्रूज अपनी आने वाली फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल -द फाइनल रेकनिंग' में खतरनाक स्टंट करते नज़र आएंगे। टॉम क्रूज अपनी आठवीं और शायद आखिरी 'मिशन इम्पॉसिबल' फिल्म -द फाइनल रेकनिंग' में एक बार फिर एक्शन की ऊंचाइयों को छूते नज़र आएंगे। फिल्म के सबसे खतरनाक सीन में क्रूज 1940 के दशक के बाइप्लेन के पंखों से लटके और चलते हुए दिखाई देंगे, जो प्लेन साउथ अफ्रीका के ड्रैकेंसबर्ग पहाड़ों के ऊपर तेज़ी से उड़ रहा होता है। टॉम क्रूज ने फिल्म में स्टंट के बारे में बात करते हुए कहा कि मैंने बचपन में विंग-वॉकिंग की पुरानी फुटेज देखी थी और मैं इस स्टंट को करने का बचपन से सपना देख रहा था।

पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी, गर्मी के लिए है अच्छी

विटामिन 'ए', 'सी' के साथ 'पोटेशियम' और 'मैग्नीशियम' जैसे खनिज तत्व

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। हरी और लंबी-लंबी सब्जी जिसे 'लेडीज फिंगर' या भिंडी और कई जगह ओकरा भी कहते हैं न केवल स्वाद में बेहतरीन बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है। भिंडी में पर्याप्त मात्रा में फाइबर के साथ विटामिन 'ए', 'सी' के साथ 'पोटेशियम' और 'मैग्नीशियम' जैसे खनिज तत्व के साथ एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं। सुपाच्य और ठंडी तासीर की वजह से यह गर्मी के मौसम के लिए बेहतरीन सब्जियों की लिस्ट में शामिल है।

गर्मियों में भिंडी बाजार में आसानी से मिल जाती है, इसलिए इस सीजन में लोग भिंडी का सेवन करते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ ही सुपाच्य भी होती है। स्वाद से भरपूर भिंडी खाने से कई फायदे भी मिलते हैं। अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन (2021) में इसकी महत्ता बताई गई है। स्टडी के अनुसार, ओकरा की उत्पत्ति इथियोपिया के पास हुई थी, जहां 12वीं शताब्दी के दौरान मिस्र में इसे उगाया जाता था और उसके बाद पूरे मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में इसकी खेती होने लगी। ओकरा को ज्यादातर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है और यह एक लोकप्रिय फसल है। यह व्यापक रूप से उगाई जाने वाली खाद्य फसल है और विश्व स्तर पर अपने स्वाद के लिए जानी जाती है। भिंडी की हरी फली की आमतौर पर सब्जी बनाई जाती है, जबकि फली का अर्क सूप के साथ-साथ सॉस के कई व्यंजनों में उनकी चिपचिपाहट बढ़ाने के लिए या फिर गाढ़ा करने वाले एजेंट के रूप में भी काम करता है।

भिंडी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बनाती है मजबूत

भिंडी के फल का एक और उल्लेखनीय प्रयोग अचार उद्योग में किया जाता है। भिंडी के सेवन से पाचनतंत्र मजबूत होता है और यह कई समस्याओं को दूर करने के साथ सेहत भी दुरुस्त रहती है। इसमें विटामिन सी, मैग्नीशियम के साथ ही कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। सोडियम, फास्फोरस, कैल्शियम, आयरन, जिंक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी की तासीर ठंडी होती है। भिंडी में प्रोटीन, विटामिन, मैग्नीशियम, फाइबर के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट समेत अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। इसे आप किसी भी समय खा सकते हैं। भिंडी का पानी पीने से यह आपके पेट को ठंडा रखता है।

भिंडी में फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह पाचनतंत्र को मजबूत करने के साथ पेट से जुड़ी तमाम समस्याओं को भी दूर करती है। कब्ज, वात, कच्ची डकार में राहत मिलती है। पेट के साथ ही भिंडी हृदय के लिए भी फायदेमंद है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल की समस्या दूर होने के साथ ही हार्ट की सेहत दुरुस्त रहती है। यदि आपको मधुमेह की शिकायत है, तो भिंडी का सेवन जरूर करें। इसमें ग्लाइसेमिक नाम का तत्व पाया जाता है, जिसके सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है। भिंडी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है।

ताड़ की पत्तियां पेट संबंधित समस्याओं में काफी कारगर

झनई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। ताड़ का लंबा पेड़ और उसकी हरी-हरी पत्तियां न केवल देखने में खूबसूरत लगती हैं बल्कि ये आयुर्वेद में अपनी खूबियों की वजह से खास महत्व रखती हैं। ताड़ के पेड़ का हर एक हिस्सा खूबियों से भरा है। पत्तियों हो या फिर छाल या इसका तना भी, औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है और कई बीमारियों के इलाज में इसका उपयोग किया जाता है। आइए जानते हैं ताड़ के पेड़ से जुड़ी कुछ खासियतों के बारे में।

दरअसल, ताड़ का पेड़ लंबा और सीधा होता है और इसके वृक्ष में डालियां नहीं होती हैं बल्कि इसके तने से ही पत्ते निकलते हैं। इसे कल्पवृक्ष भी कहा जाता है। देश में ताड़ के पेड़ से निकलने वाली ताड़ी बहुत लोकप्रिय होती है और इसका इस्तेमाल कई महोत्सवों में भी किया जाता है। ताड़ के पेड़ से जुड़े फायदों पर नजर डालें तो ये मूत्र और पेट संबंधित समस्याओं में काफी कारगर मानी जाती है। बताया जाता है कि ताड़ के पेड़ से निकलने वाली ताड़ी की प्रकृति ठंडी होती है, जो कि पेट के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा मूत्र संबधी रोग, आंख आना, वात और पित्त के लिए भी इसे लाभकारी माना गया है। ताड़ के पत्ते के रस को फल के साथ मिलाकर पीने से यूरिन के दौरान होने वाली जलन से भी राहत मिलती है। जानकारी के अनुसार, ताड़ के पेड़ पर पाए जाने वाले 'ताड़गोला' के भी कई फायदे हैं। ये फाइबर से भरपूर होता है, जो मेटाबॉलिज्म को तेज करने का काम करता है और पाचन क्रिया को भी दुरुस्त रखता है। साथ ही ये कब्ज की समस्या को दूर करने में कारगर माना जाता है। इसके अलावा ताड़ की पत्तियों और छाल को भी काफी उपयोगी माना गया है। ताड़ के पत्तों का रस और काढ़ा, छाल का चूर्ण बनाकर भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर आंखों के आसपास के हिस्से में इंफेक्शन या खुजली की दिक्कत होती है तो ताड़ की पत्ती का रस इसके लिए कारगर होता है। साथ ही पत्तों के रस का सेवन काढ़े के रूप में करने से लीवर संबंधी बीमारियों से बचाव होता है और ताड़ की छाल का चूर्ण भी लीवर के लिए फायदेमंद माना जाता है। ताड़ को टाइफाइड की वजह से आने वाले बुखार में भी उपयोगी माना गया है।

भारतीय सिनेमा में पुरुषों का दबदबा बहुत ज्यादा : सामंथा रुथ प्रभु

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो एक्टिंग के अलावा फिल्म निर्माता के तौर पर भी काम कर रही हैं। इस लिस्ट में सामंथा रुथ प्रभु का नाम भी शामिल है। वह अपने प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म 'शुभम' को लेकर काफी चर्चा में हैं।

एक्ट्रेस ने कहा कि भारतीय सिनेमा में महिलाओं की आवाज और कहानियों को मंच देने की जरूरत है।

एक प्रोड्यूसर के रूप में ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो महिलाओं के दृष्टिकोण को गहराई से समझें, तो उन्होंने जवाब दिया कि एक महिला होने के नाते मेरी पहचान मेरे काम के हर पहलू में दिखेगी, खासकर फिल्मों को चुनते या बनाते समय। यह मेरे लिए गर्व की बात है। मैं ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती हूं जो महिलाओं को सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि एक गहराई से भरा इंसान दिखाएं। सामंथा ने कहा कि मुझे लगता है हमारी फिल्म इंडस्ट्री को महिलाओं के नजरिए की ज्यादा जरूरत है। फिल्मों में महिलाओं की सोच, अनुभव और दृष्टिकोण को ज्यादा जगह मिलनी चाहिए। अभी भी इंडस्ट्री में पुरुषों का दबदबा बहुत ज्यादा है। मैं यह बात नकारात्मक रूप में नहीं कह रही हूं, बल्कि बस एक सच्चाई को सामने रख रही हूं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ज्यादा महिला फिल्म निर्माताओं और कहानीकारों को आगे आने की जरूरत है।

एक्ट्रेस ने कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, इसलिए हमें और महिला प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और रचनात्मक लोग चाहिए, जो अपनी आवाज और अनुभव सामने ला सकें। सामंथा ने कहा कि वह ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो आधुनिक महिलाओं से जुड़ी हों, जो आज की महिलाओं के संघर्ष, स्वतंत्रता और जज्बातों को सच्चाई और गहराई से दिखाएं। सामंथा की फिल्म 'शुभम' एक हॉरर कॉमेडी मूवी है, जो एक छोटे से गांव की कहानी दिखाती है। मेकर्स फिल्म का ट्रेलर जारी कर चुके हैं। ट्रेलर की शुरुआत तीन पतियों से होती है, जो पत्नियों को काबू करने की बात करते हैं।

काली मिर्च, गठिया, हृदय रोग जैसी बीमारियों में फायदेमंद

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। काली मिर्च को 'मसालों का राजा' भी कहा जाता है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाने वाले मसाले के तौर पर उपयोग में लाई जाती है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। काली मिर्च का उपयोग हजारों वर्षों से आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों में किया जाता रहा है, और अब इसके वैज्ञानिक प्रमाण भी सामने आ चुके हैं। काली मिर्च के प्रमुख फायदे पाचन तंत्र से लेकर इम्यूनिटी, नींद, त्वचा, बालों, वजन नियंत्रण और शुगर कंट्रोल तक होते हैं। पाचन के लिए काली मिर्च एक बेहतरीन उपाय मानी जाती है।

- **त्वचा, बालों, वजन नियंत्रण करने में बेहतरीन उपाय**
- **सोने से पहले काली मिर्च का सेवन गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत पहुंचाता है**

आयुर्वेद में इसे पाचन अग्नि को बढ़ाने के रूप में जाना जाता है। काली मिर्च पाचन प्रक्रिया को तेज करती है और शरीर से गैस, अपच, और पेट की अन्य समस्याओं को दूर करने में मदद करती है। सोने से पहले काली मिर्च का सेवन गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत दे सकता है, और यह पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। आयुर्वेद में काली मिर्च को एक अद्भुत औषधि माना जाता है, जो न केवल शरीर को ताकत देती है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है। इसके अलावा, यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद करती है। काली मिर्च के एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर के अंदर जमा हुए फ्री रेडिकल्स से लड़ने में सहायक होते हैं, जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। इसके अलावा, काली मिर्च के सेवन से सूजन कम करने में भी मदद मिलती है और यह गठिया, हृदय रोग, मधुमेह, और कैंसर जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम कर सकती है।

काली मिर्च में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। यह सर्दी, खांसी, और जुकाम जैसी समस्याओं से बचाव करने में सहायक है, क्योंकि इसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करने की क्षमता होती है। इसके अलावा, काली मिर्च का सेवन नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। यदि आप नींद की समस्या से परेशान हैं, तो काली मिर्च का सेवन शरीर को आराम देने और अच्छी नींद के लिए प्रेरित करने का काम करता है। वजन घटाने के लिए भी काली मिर्च बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करती है और शरीर की फैट बर्निंग प्रक्रिया को बढ़ावा देती है। काली मिर्च का नियमित सेवन बालों को भी मजबूत और स्वस्थ बनाता है।

काली मिर्च के स्वास्थ्य लाभों में एक और महत्वपूर्ण पहलू है कि यह ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में मदद करती है, और यह शरीर की इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाती है।

बॉलीवुड की 'शेट्टी सिस्टर्स' ने चैलेंज किया स्वीकार

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। बॉलीवुड की शेट्टी सिस्टर्स यानी शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और शमिता शेट्टी आए दिन एक-दूसरे पर प्यार बरसाती रहती हैं। वे सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। इन दिनों दोनों बहनों पर चैलेंज का बुखार चढ़ा है। शिल्पा और शमिता ने

इंस्टाग्राम पर दिया फिटनेस का सबूत

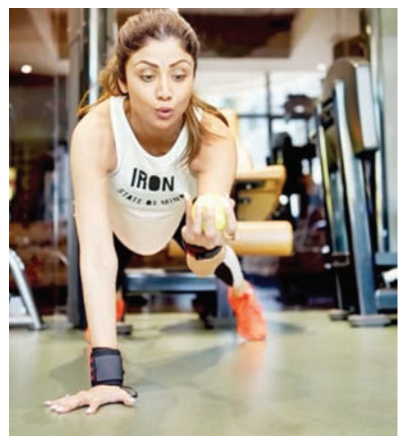

अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर की हैं, जिसमें दोनों एक चैलेंज को पूरा करती नजर आ रही हैं। बात करें पहले शिल्पा शेट्टी की तो, एक्ट्रेस जिम में बॉल के साथ खेलती नजर आ रही हैं। यह खेल ही चैलेंज है। जो दिखने में तो आसान है, लेकिन बहुत मुश्किल है। शिल्पा पुशअप पोजिशन में हैं। वह एक हाथ से बॉल को उछालती हैं, और दूसरे हाथ से तेजी से कैच करती हैं। इस दौरान वह उसी पोजिशन में बनी रहती हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि बॉल ड्रॉप चैलेंज... इसे शुरू करते हैं। यह चैलेंज आपके पेट और कमर की ताकत, कंधों की मजबूती, आंखों और हाथों के बीच तालमेल और आपकी प्रतिक्रिया के समय आदि का टेस्ट लेता है। अब बारी तुम्हारी है! देखो तुम कितनी देर तक गेंद को बिना गिराए और खुद को बैलेंस रखकर पकड़ सकते हो? बता दें कि बॉल ड्रॉप चैलेंज का मतलब एक ऐसे फिजिकल चैलेंज से है, जिसमें कोई व्यक्ति गेंद को बार-बार गिराता है और अपनी पोजिशन से हिले बिना उसे तेजी से पकड़ना होता है। वहीं शमिता शेट्टी ने भी चैलेंज को पूरा करते हुए एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके मजबूत ट्राइसेप्स दिख रहे हैं। दरअसल, यह चैलेंज भी बॉल ड्रॉप चैलेंज के जैसा ही है। इसमें प्लेट को छोड़ना और तेजी के साथ पकड़ना होता है। इस चैलेंज को पूरा करते हुए शमिता ने कैप्शन में लिखा- 'मैंने कर दिखाया! चैलेंज एक्सेप्टेड।'

नारायणा हॉस्पिटल गुरुग्राम ने सीएसआर के तहत सरकारी स्कूल में साफ-सुथरे टॉयलेट्स बनवाए

गुरुग्राम 5 मई (देशबन्धु)। नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम ने अपनी सीएसआर पहल, वॉश-वॉटर, सैनिटेशन एंड हाइजीन के अंतर्गत नाथूपुर, डीएलएफ फेज 3, गुरुग्राम में स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शौचालयों का पुनर्निर्माण करवाया। यह पहल विशेष रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता पर ध्यान देने की नारायणा अस्पताल की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दिखाती है। स्वच्छ और अच्छी तरह से बनाए गए शौचालय बच्चों, खासकर किशोरियों के लिए स्कूल आने-जाने में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। गंदे और खराब शौचालय कई बार बच्चों की पढ़ाई में रुकावट बनते हैं और उनके स्वास्थ्य के लिए भी खतरा होते हैं। इस पहल के ज़रिए, नारायणा अस्पताल गुरुग्राम का उद्देश्य बच्चों को एक साफ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। इस पहल के बारे में बात करते हुए डॉ. अजय कोहली, ग्रुप हेड ऑन्कोलॉजी और डायरेक्टर, कॉरपोरेट ग्रोथ इनीशिएटिव्स नॉर्थ व नारायणा गुरुग्राम ने कहा, अच्छी सेहत साफ-सुथरे माहौल से शुरू होती है। इस पहल के द्वारा हमारा उद्देश्य बच्चों, विशेषकर लड़कियों के लिए, एक सुरक्षित और स्वच्छ परिस्बथिति बनाना है, जिससे वे स्वस्थ रहें और स्कूल आना जारी रखें। नारायणा हॉस्पिटल गुरुग्राम 'सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा' के अपने विजन के प्रति पूरी तरह समर्पित है।

एसएलएमजी बेवरेजेस के संस्थापक एसएल लधानी का 85 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। बहुत ही दु:ख और सम्मान के साथ हम यह सूचित करते हैं कि श्री एस. एन. लधानी का 2 मई 2025 को सुबह 12:34 बजे बरेली स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे। श्री लधानी एक सफल उद्योगपति, दयालु समाजसेवी और सादा जीवन जीने वाले आध्यात्मिक व्यक्ति थे। उन्होंने अपने जीवन में मेहनत, ईमानदारी और सेवा को सबसे ऊपर रखा। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।श्री लधानी ने एसएलएमजी बेवरेजेस की स्थापना की, जो अब अयोध्या, अमेठी, आगरा, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में बॉटलिंग प्लांट संचालित करती है, और इसके अलावा बिहार के बक्सर में एक नया प्लांट भी बन रहा है।

बिमटेक के 37वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 713 विद्यार्थियों को दी गई उपाधि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों को किया सम्बोधित

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड में आयोजित अपने 37वें वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ वर्चुअल माध्यम से दीक्षांत समारोह में शिरकत की। बिमटेक की डाइरेक्टर डॉ. प्रवीणा राजीव और गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्षा मोहता भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं।

उनके साथ, खैतान एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर (विवाद निवारण, रियल एस्टेट) नंद गोपाल खैतान तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य विकास कंदोई भी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे देश को पहलगाम में चुनौती दी गई है। इस समय हमारे पास सबसे बड़ा आश्वासन हमारी दूरदर्शी नेतृत्व क्षमता है। लेकिन हमें भारतवासियों के रूप में एकजुट होकर खड़ा होना होगा। भारत के भीतर और बाहर जो शक्तियां देशविरोधी हैं, उन्हें निष्क्रिय करना आवश्यक है। ऐसे समय में हमें अपने मूल अधिकारों को अपने मूल कर्तव्यों से नीचे रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिस गति से बदल रही है, वह औद्योगिक क्रांतियों से कहीं अधिक तेज है। इस समय भारत वैश्विक अवसर और विकास का केंद्र बन चुका है।

आइए हम यह संकल्प लें कि हम उन सभी कमियों को दूर करने की दिशा में कार्य करें और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च प्रतिबद्धता के साथ पोषित कर अपने लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाएं। इस अवसर पर गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्षा जयश्री मोहता ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह मजबूत संकल्प, सीखने और आत्म-परिवर्तन का उत्सव है। बिमटेक की निदेशक डॉ. प्रवीणा राजीव ने अपने संबोधन में कहा कि इस संस्थान में आपका यह सफर आपको उन भू-राजनीतिक और तकनीकी परिवर्तनों को समझने और संभालने के लिए तैयार कर चुका है, जो आज की दुनिया को अभूतपूर्व रूप से बदल रहे हैं। जैसे ही आप इस संस्था के द्वार पार करते हैं, अपने साथ ईमानदारी, सतत नवाचार और समावेशिता के मूल्य लेकर जाएं। इस वर्ष कुल 713 विद्यार्थियों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जिनमें पीजीडीएम, पीजीडीएम (रिटेल मैनेजमेंट), पीजीडीएम (इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट), पीजीडीएम (इंटरनेशनल बिजनेस), पीजीडीएम-ऑनलाइन और एक्जीक्यूटिव फैलोशिप प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के विद्यार्थी शामिल हैं। इस समारोह में 18 विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए पदक और प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया गया।

कोविड के बाद अस्थमा के मामले बढ़े, अस्पतालों में पहुंच रहे हैं मरीज

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। कोरोना वायरस ने लोगों की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करके अस्थमा को और घातक बनाने का कार्य किया है। इन्हीं चीजों को ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन अस्थमा दिवस

बच्चों को भी अपनी जद में ले रहा है अस्थमा

पर 2025 पर लोगों को जागरूक कर रहा है और इस रोग के समुचित उपचार की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। विश्व अस्थमा दिवस मई महीने के पहले मंगलवार को मनाया जाता है। इस वर्ष यह 6 मई को मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम है सभी के लिए इनहेल्ड उपचार सुलभ बनाएं। फोर्टिस ग्रेटर नोएडा के पल्मोनोलॉजी विभाग के निदेशक डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वह प्रतिदिन लगभग 15 से 20 अस्थमा से पीड़ित मरीजों का उपचार करते हैं। इनमें बच्चे और युवा दोनों ही बराबर संख्या में होते हैं। पिछले तीन वर्षों में बच्चों में अस्थमा के मामले बढ़े हैं। कोविड के बाद कई ऐसे मरीज सामने आए हैं, जिन्हें पहले हल्के एलर्जी के लक्षण होते थे, लेकिन अब उनमें अस्थमा के अटैक की फ्रीक्वेंसी और तीव्रता बढ़ गई है। वहीं अगर अस्थमा के प्रमुख कारणों की बात करें तो ठंडी हवा, धूल, परागकण और प्रदूषण जैसे पर्यावरणीय कारक इसके मुख्य ट्रिगर हैं।

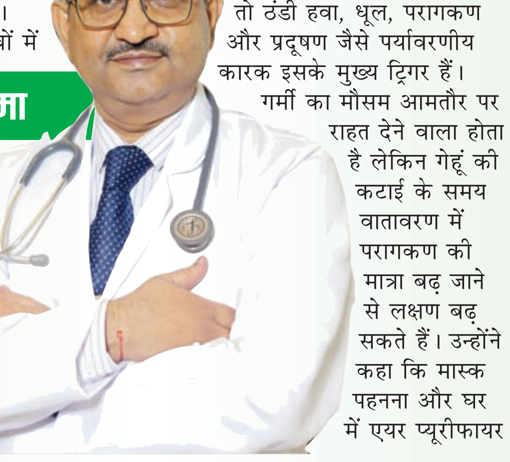

गर्मी का मौसम आमतौर पर राहत देने वाला होता है लेकिन गेहूं की कटाई के समय वातावरण में परागकण की मात्रा बढ़ जाने से लक्षण बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मास्क पहनना और घर में एयर प्यूरीफायर का उपयोग करना पर्यावरणीय ट्रिगर्स से बचाव में मददगार साबित होता है। अस्थमा के उपचार को लेकर आमजन में विभिन्न मत हैं, लेकिन अस्थमा का सबसे सुरक्षित और असरदार इलाज इनहेल्ड स्टेरॉयड ही है। अस्थमा एक क्रॉनिक रोग है, जैसे मधुमेह या उच्च रक्तचाप। इनहेलर दवा को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं और इनके लंबे समय तक उपयोग से कोई गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होते, जबकि ओरल स्टेरॉयड से कई समस्याएं हो सकती हैं। समाज में अस्थमा को लेकर जागरूकता और सही जानकारी बेहद जरूरी है। बच्चों के माता-पिता को यह समझना होगा कि इलाज का उद्देश्य इनहेलर बंद करना नहीं, बल्कि बच्चे को लक्षणों से मुक्त और पूर्णत: सक्रिय रखना है।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरुक

ग्रेटर नोएडा, 5 मई (देशबन्धु)। शारदा अस्पताल के स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया गया। जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में हाथ स्वच्छता मानकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए दुनिया भर के लोगों को एकजुट करना है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों और नागरिकों को संक्रमण से बचाया जा सके।

संक्रमण के प्रसार को रोकने में उचित हाथ स्वच्छता की महत्वपूर्ण

शारदा अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ राममूर्ति शर्मा ने बताया कि विश्व हाथ स्वच्छता दिवस 5 मई मनाया जाता। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक सेटिंग्स में हाथ स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक अभियान है। इस वर्ष की थीम यह दस्ताने हो सकते हैं, लेकिन यह हमेशा हाथ की स्वच्छता है। संक्रमण के प्रसार को रोकने में उचित हाथ स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है, खासकर स्वास्थ्य सेवा वातावरण में। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों, छात्रों और आम जनता को नियमित और प्रभावी हाथ धोने की प्रथाओं को बढ़ावा देने में शामिल करना है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

अडानी पोर्ट्स	6.29 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	3.73 प्रतिशत
एम एंड एम	3.11 प्रतिशत
इटरनल	2.45 प्रतिशत
आई टी सी	1.62 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

कोटक बैंक	4.57 प्रतिशत
एसबीआई	1.26 प्रतिशत
टाइटन	0.73 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	0.65 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.64 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	95,880
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	94,100
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.49	89.57
पौड स्टर्लिंग	103.06	119.50
यूरो	87.85	101.89
चीन युआन	8.26	13.4

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5850-5950
दाल चना	6850-6950
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	8500-8600

भारत की विकास प्राथमिकताओं का समर्थन करता है एडीबी : मासातो कांडा

■ **निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रहा भारत**

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अपनी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को समर्थन दिया। इसके साथ ही भारत की विकास प्राथमिकताओं के लिए बैंक के पूर्ण समर्थन की बात भी कही है। इसकी जानकारी वित्त मंत्रालय ने सोमवार को दी।

वहीं, वित्त मंत्री सीतारमण ने यह भी दोहराया कि भारत निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करता है और लगातार एक अनुकूल नीति और रेगुलेटरी इकोसिस्टम बना रहा है।

वित्त मंत्री 4 से 7 मई तक इटली के मिलान में आयोजित एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 58वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग से एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं।

भारत, एडीबी को नए, इनोवेटिव फाइनेंसिंग प्रोडक्ट व मॉडल्स को चलाने के अवसर प्रदान करता है : निर्मला सीतारमण

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मंत्रालय ने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मिलान में एडीबी अध्यक्ष कांडा से मुलाकात की।

मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने दोहराया कि भारत निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करता है और इंसॉल्वेंसी, बैंकरप्सी कोड, कॉर्पोरेट टैक्स रेट में कमी और जीएसटी कार्यान्वयन, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन, नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन, गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और स्टार्टअप इंडिया जैसी साहसिक पहलों के माध्यम से लगातार एक अनुकूल नीति और रेगुलेटरी इकोसिस्टम बना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत, एडीबी को नए, इनोवेटिव फाइनेंसिंग प्रोडक्ट और मॉडल्स को चलाने के अवसर प्रदान करता है।

सीतारमण ने एडीबी से की पाकिस्तान की फंडिंग में कमी लाने की मांग

नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा से सोमवार को यहां मुलाकात कर पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड में कमी करने की मांग की। एडीबी की 58वीं वार्षिक बैठक के दौरान हुई यह मुलाकात 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच हुई है। श्रीमती सीतारमण ने इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी के समक्ष भी यही मांग उठाई।

श्री कांडा के साथ बैठक के दौरान श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भारत निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), कॉर्पोरेट कर दर में कमी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यान्वयन, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और स्टार्टअप इंडिया जैसी साहसिक पहलों के माध्यम से लगातार अनुकूल नीति और नियामक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है, ताकि व्यापार करने में अधिक आसानी हो। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एडीबी को नए, अभिनव वित्तपोषण उत्पादों और मॉडलों को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करता है। श्री कांडा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से निर्देशित भारत की विकास प्राथमिकताओं के लिए एडीबी के पूर्ण समर्थन का अश्वासन दिया।

सरकारी खनन कंपनी का रिकॉर्ड प्रदर्शन जारी

■ **अप्रैल में उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ा**

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। सरकारी खनन कंपनी एनएमडीसी ने अप्रैल में रिकॉर्ड उत्पादन किया है और उसके लौह अयस्क उत्पादन में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, बिक्री में 3 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। एनएमडीसी ने बयान में कहा कि कंपनी ने अप्रैल में 4 मिलियन टन (एमएनटी) लौह अयस्क का उत्पादन किया है, जो कि पिछले साल समान अवधि के आंकड़े 3.48 एमएनटी से 15 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही बीते महीने एनएमडीसी की लौह अयस्क की बिक्री 3.63 एमएनटी रही है, जो कि अप्रैल 2024 की 3.53 एमएनटी की बिक्री से 3 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का पेलेट उत्पादन 0.23 लाख टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो 2018 में अप्रैल के पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया। कंपनी के शानदार प्रदर्शन पर एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि अप्रैल में हमारा रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन, साथ ही हमारी प्रमुख लौह अयस्क खदानों किरंदुल, बचेली और दोणिमलाई से पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में क्रमशः 12 प्रतिशत, 4 प्रतिशत और 88 प्रतिशत की वृद्धि ने हमारी अग्रणी स्थिति को मजबूत किया है।

स्टील मंत्रालय के तहत आने वाली एनएमडीसी भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी है। लौह अयस्क एक महत्वपूर्ण खनिज होता है और इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से स्टील बनाने में किया जाता है और इसे दुनियाभर में स्टील के उत्पादन का आधार माना जाता है।

इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी से अलग हुई कंपनी एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने कहा कि अप्रैल में कंपनी के हॉट मेटल उत्पादन में 8.5 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्ज की है और उत्पादन बढ़कर 2,30,111 टन हो गया है जो मार्च में 2,11,978 टन था।

2025-26 में 9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है भारत की कॉटन यार्न इंडस्ट्री

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। निर्यात में दोबारा से बढ़त और घरेलू स्तर पर मजबूत मांग होने के कारण भारत की घरेलू कॉटन यार्न इंडस्ट्री चालू वित्त वर्ष में 7-9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। यह पिछले वित्त वर्ष की वृद्धि दर 2-4 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी क्रिसिल की रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि वॉल्यूम में बढ़त की वजह यार्न की कीमतों में मामूली वृद्धि होना है।

पिछले वित्त वर्ष में सुधार के बाद ऑपरेटिंग मार्जिन में इस वित्त वर्ष में 50-100 आधार अंकों की और वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका कारण भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के माध्यम से कॉटन की बेहतर उपलब्धता है।

यह रिपोर्ट 70 कॉटन यार्न स्पिनरों के विश्लेषण पर आधारित है। इंडस्ट्री की कुल आय में इन स्पिनरों की हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत है।

वित्त वर्ष 2026 में आय में वृद्धि का मुख्य कारण चीन को यार्न निर्यात में उछाल आना होगा। इंडस्ट्री के राजस्व में निर्यात का योगदान करीब 30 प्रतिशत है, जिसमें से चीन का योगदान 14 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2025 में चीन में अधिक कॉटन के उत्पादन के कारण भारत से चीन को यार्न निर्यात में गिरावट आई थी।

ताप्ती क्षेत्र में अपतटीय तेल कुंआ बंद

■ **ऑफशोर व ऑनशोर ऊर्जा बुनियादी ढांचे में भारत की घरेलू क्षमताओं को मिली मजबूती**

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, पन्ना-मुक्ता और ताप्ती (पीएमटी) संयुक्त उद्यम साझेदारों - शेल (बीजीईपीआईएल के माध्यम से), रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) ने मध्य और दक्षिण ताप्ती क्षेत्र सुविधाओं को सुरक्षित रूप से हटाने के साथ देश की पहली अपतटीय सुविधाओं को बंद करने की परियोजना को पूरा कर लिया है।

इन कंपनियों ने यहां जारी संयुक्त बयान में कहा कि भारत सरकार के साथ उत्पादन साझाकरण अनुबंध के तहत ताप्ती क्षेत्रों का संचालक पीएमटी संयुक्त उद्यम में 40 प्रतिशत भागीदारी हित के साथ ओएनजीसी और 30 प्रतिशत भागीदारी के साथ आरआईएल और बीजी एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन इंडिया लिमिटेड (बीजीईपीआईएल-शेल) शामिल हैं।

परियोजना में पांच वेलहेड प्लेटफॉर्म, संबंधित इनफील्ड पाइपलाइनों को हटाना, ऑनशोर डिसमेंटलिंग यार्ड में लोड-इन और 38 कुंओं को सुरक्षित रूप से बंद करना और छोड़ना शामिल था। सभी को स्वीकृत डीकमीशनिंग योजना के अनुरूप निष्पादित किया गया। मार्च 2016 में ताप्ती क्षेत्रों से उत्पादन बंद हो गया, और यह परियोजना उच्चतम सुरक्षा और पर्यावरण मानकों को बनाए रखते हुए नियामक ढांचे के साथ उच्च स्तर की योजना, समन्वय और अनुपालन को प्रदर्शित करती है।

भारत सरकार के मेक इन इंडिया विजन के अनुरूप, पीएमटी जेवी ने भारतीय कंपनियों लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को ऑफशोर निष्पादन और चौगुले शिपयार्ड (सीएलएसपीएल) को ऑनशोर डिसमेंटलिंग का काम दिया गया था। ऑफशोर संचालन अब सुरक्षित रूप से पूरा हो गया है और रत्नागिरी में सीएलएसपीएल की सुविधाओं में डिसमेंटलिंग चल रही है, जिससे ऑफशोर और ऑनशोर ऊर्जा बुनियादी ढांचे में भारत की घरेलू क्षमताओं को और मजबूती मिली है।

सार संक्षेप

भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन शानदार : नागेश्वरन

नई दिल्ली। चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि मौजूदा इंडिकेटर्स भारत की अर्थव्यवस्था की सकारात्मक तस्वीर दिखा रहे हैं और वैश्विक चुनौतियों के बाद भी घरेलू अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। अशोका यूनिवर्सिटी में एक समारोह में नागेश्वरन ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। वित्त वर्ष 25 के आंकड़े मई में उपलब्ध होंगे और मौजूदा इंडिकेटर्स संकेत दे रहे हैं कि विकास दर मजबूत रही है। उन्होंने आगे कहा कि देश में ऊर्जा किफायती हो रही है और एनर्जी ट्रांजिशन से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और छोटे एवं मध्यम एंटरप्राइजेज एवं मैन्युफैक्चरिंग में इजाफा हो रहा है। नागेश्वरन ने मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एजुकेशन और देश का कुशल कार्यबल विकास दर को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का एकल लाभ 22 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। वाहन निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले महिंद्रा एंड्र महिंद्रा लिमिटेड ने वितत वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 2437 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 2000 करोड़ रुपए के लाभ की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बीएसई का बताया कि मार्च 2025 को समाप्त इस तिमाही में उसकी एकल बिक्री 31609 करोड़ रुपए रही है जो मार्च 2024 में समाप्त चौथी तिमाही के 25434 करोड़ रुपए के विक्रय की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 11855 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 19642 करोड़ रुपए के लाभ की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 118625 करोड़ रुपए रही है जो वित्त वर्ष 2023-24 के 101336 करोड़ रुपए के लाभ की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

कंपनियों के लिए 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले सेवा शुरू

नई दिल्ली। एयरटेल बिज़नेस ने आज बिज़नेस नेम डिस्प्ले (बीएनडी) सेवा के लांच की घोषणा की। यह सेवा उद्योग में अपनी तरह की पहली, नई तकनीक पर आधारित सुविधा है, जिसका उद्देश्य कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच होने वाले संवाद को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाना है। कंपनी ने कहा कि इसके ज़रिए कंपनियां, अपनी आउटगोइंग कॉल के दौरान ग्राहकों के मोबाइल स्क्रीन पर अपना ब्रांड नाम प्रदर्शित कर सकेंगी, जिससे ग्राहकों को भरोसेमंद बिज़नेस कॉल्स और स्पैम कॉल्स के बीच आसानी से अंतर करने में मदद मिलेगी। एयरटेल ने अपने ग्राहकों को स्पैम कॉल से राहत दिलाने के लिए भारत का पहला स्पैम-रोधी नेटवर्क शुरू किया है। इस पहल को देशभर में चलाए गए एक बड़े जनजागरूकता अभियान के ज़रिए ग्राहकों तक पहुंचाया गया।

लिवाली के बल पर शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, 5 मई (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर ऑटो, तेल एवं गैस, एनर्जी और सर्विसेस जैसे समूहों में हुई लिवाली के बल पर शेयर बाजार सोमवार को लगातार तीसरे दिन बढ़त बनाने में सफल रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 294.85 अंकों की बढ़त के साथ 80796.84 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 114.45 अंकों की तेजी लेकर 24461.15 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर देखा गया जिससे बीएसई का मिडकैप 1.45 प्रतिशत उठकर 43326.80 अंक पर और स्मॉलकैप 1.23 प्रतिशत बढ़कर 47949.78 अंक पर रहा।

बीएसई में बैंकिंग 0.90 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष सभी समूहों में तेजी रही जिसमें तेल एवं गैस 1.95 प्रतिशत, ऑटो 1.88 प्रतिशत, सर्विसेस 2.99 प्रतिशत और एनर्जी 1.49 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बीएसई में कुल मिलाकर 4202 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2562 बढ़त में और 1460 गिरावट में रही जबकि 180 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.23 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अधिकांश प्रमुख सूचकांक बढ़त में रहे जिसमें ब्रिटेन का एफटीएसई 1.17 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.04 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.17 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.39 प्रतिशत शामिल है। बीएसई का सेंसेक्स 160 अंकों की बढ़त लेकर 80661.62 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 81049.03 अंक के उच्चतम और 80657.71 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 80501.99 अंक की तुलना में 294.85 अंक अर्थात 0.37 प्रतिशत बढ़कर 80796.84 अंक पर रहा।

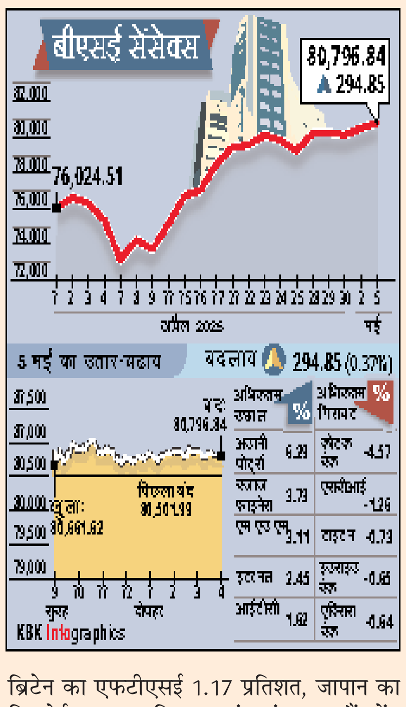

■ **सेंसेक्स 294.85 अंकों की बढ़त के साथ 80796.84 पर रहा**
■ **निफ्टी 114.45 अंकों की तेजी लेकर 24461.15 पर बंद**

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 20 हरे निशान में और 10 लाल निशान में रही।

इसी तरह से एनएसई का निफ्टी 73 अंकों की बढ़त के साथ 24419.50 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 24526.40 अंक के उच्चतम और 24400.65 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। सत्र के अंत में यह पिछले दिवस के 24346.70 अंक की तुलना में 114.45 अंक अर्थात 0.47 प्रतिशत की बढ़त लेकर 24461.15 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 38 हरे निशान में और 12 लाल निशान में रही। एनएसई में कुल 2984 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2023 हरे निशान में और 865 लाल निशान में रही जबकि 96 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

स्टार्टअप जॉब मार्केट में भर्ती को लेकर सालाना आधार पर 32 प्रतिशत का उछाल

बेंगलुरु, 5 मई (एजेंसियां)। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में भर्ती को लेकर सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह सस्टेनेबल और इनोवेशन आधारित स्केलिंग की ओर एक रणनीतिक मोड़ का संकेत है। सोमवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

जॉब्स प्लेटफॉर्म फाउंड-इट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का व्हाइट-कॉलर जॉब मार्केट मजबूत बना हुआ है, जिसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। स्टार्टअप जॉब पोस्टिंग में इस साल अप्रैल में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत और पिछले तीन महीनों में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

पिछले एक साल में नए स्टार्टअप रजिस्ट्रेशन में 22 प्रतिशत की वृद्धि से भर्ती की यह गति और अधिक मजबूत हुई है।

फाउंड-इट के सीईओ वी. सुरेश ने कहा कि भारत में स्टार्टअप के विस्तार के तरीके में एक बड़ा बदलाव आया है। विकास अब केवल प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। इसके बजाय, हम टियर-2 शहरों में भी मजबूत विस्तार देख रहे हैं, जो विकास के अधिक

■ **मजबूत बना हुआ है भारत का व्हाइट-कॉलर जॉब मार्केट**

संतुलित और समावेशी मॉडल का संकेत देता है। साथ ही, अनुभवी पेशेवरों की भर्ती पर जोर बढ़ रहा है, जो दीर्घकालिक स्थिरता पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। स्टार्टअप हायरिंग में आईटी सर्विस सबसे आगे है, जो सभी स्टार्टअप जॉब पोस्टिंग का 32 प्रतिशत है, जो कि पिछले साल 2024 में 23 प्रतिशत था। हेल्थकेयर में स्टार्टअप हायरिंग 6 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत हो गया है, जो डीप टेक और स्वास्थ्य-केंद्रित समाधानों पर बढ़ते फोकस का संकेत देता है। इसके विपरीत, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और एजुकेशन/ई-लर्निंग जैसे सेक्टर में स्टार्टअप हायरिंग को लेकर गिरावट दर्ज की गई है।

खाद्य तेलों के साथ ही सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में लगातार जारी गिरावट और स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही सभी जिंसों में टिकाव रहा। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 39 रिंगिट उतरकर 3971 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.31 सेंट की गिरावट लेकर 49.02 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सोया रिफाइंड, पॉम आयल, सरसों तेल, मूंगफली तेल, वनस्पति तेल और सूरजमुखी तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5850-5950, दाल चना 6850-6950, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9150-9250, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3550-3650 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

भारत के लिए खुद को ग्लोबल एमआईसीई मैप पर मजबूती से स्थापित करने का समय : शेखावत

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को कहा कि भारत की मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन (एमआईसीई) इंडस्ट्री देश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी और साथ ही उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करेगी।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि एमआईसीई इंडस्ट्री तेजी से वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रही है। इस इंडस्ट्री को मजबूत आर्थिक विकास, वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकार से समर्थन से बढ़ावा मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राज्य अपने अनूठे तरीकों से पर्यटन के अवसरों को खोल रहे हैं और अब, भारत के लिए खुद को ग्लोबल एमआईसीई मैप पर मजबूती से स्थापित करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम, यशोभूमि और जियो वर्ल्ड सेंटर जैसे प्रतिष्ठित स्थलों और एमआईसीई पर विशेष ध्यान देने के

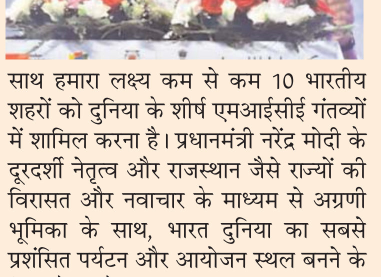

साथ हमारा लक्ष्य कम से कम 10 भारतीय शहरों को दुनिया के शीर्ष एमआईसीई गंतव्यों में शामिल करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और राजस्थान जैसे राज्यों की विरासत और नवाचार के माध्यम से अग्रणी भूमिका के साथ, भारत दुनिया का सबसे प्रशंसित पर्यटन और आयोजन स्थल बनने के लिए तैयार है।

भारत के एमआईसीई बाजार ने 2024 में 49,402.6 मिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित किया और 2030 तक 103,686.5 मिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

वाराणसी, खजुराहो और कोच्चि जैसे

■ **भारत दुनिया का सबसे प्रशंसित पर्यटन व आयोजन स्थल बनने के लिए तैयार**

शहरों में एमआईसीई-रेडी डेस्टिनेशन में हाल ही में हुए विकास से यह वृद्धि हुई है। भारत ने 2014 के बाद इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से विकास किया है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर विकास 1,50,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण, नए रेलवे स्टेशन, सेमी हाई-स्पीड ट्रेन, अंतर्देशीय जलमार्ग, 150 से अधिक चालू हवाई अड्डों और 2.48 मिलियन से ज्यादा होटल के कमरों के साथ देखा जा सकता है। इसके अलावा, भारत द्वारा त्20 देशों की मेजबानी ने भारत के बढ़ते स्थल नेटवर्क और क्षेत्रीय पर्यटन क्षमता को मजबूत किया है। नीति आयोग की उपाध्यक्ष सुमन बेरी के अनुसार, भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रखे गए दृष्टिकोण ने नए रास्ते खोले हैं।

खेल जगत

स्विंगिंग बॉल का फायदा उठाकर एलएसजी के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया : अर्शदीप

धर्मशाला, 5 मई (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को आउट करना था, जिसके लिए उन्हें अपनी गेंदों से स्विंग का फायदा उठाना पड़ा, जिससे मेजबान टीम को एचपीसीए स्टेडियम में 37 रन से जीत मिली। अर्शदीप ने पावर-प्ले में एलएसजी के प्रसिद्ध शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों एडेन मार्करम, मिशेल मार्श और निकोलस पूरन को सस्ते में आउट कर दिया, जिससे पीबीकेएस को आईपीएल 2025 में अपनी सातवीं जीत हासिल करने और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने का आधार मिल गया। अर्शदीप ने सोमवार को आईपीएल टी20डॉटकॉम पर एक वीडियो में कहा, 'मौसम थोड़ा ठंडा था। इसलिए, गेंद बहुत स्विंग करने लगी। इसलिए, हमने इसका इस्तेमाल किया और इसका फायदा उठाया।

मुंबई इडियंस गुजरात से हिसाब चुकता करने उतरेगी

गुजरात के शीर्ष क्रम को मुंबई के बुमराह, बोल्ट व हार्दिक से चौकस रहने की जरूरत

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 5 मई (देशबन्धु)। कप्तान ऑलराउंडर हार्दिक पांडया के गेंद और बल्ले से अनुकरणीय प्रदर्शन की बदौलत अपने शुरू के पांच में से मात्र एक मैच जीतने के बाद राजस्थान रॉयल्स को उसके घर में जयपुर में हरा जीत का 'छक्का' जड़ने वाली मुंबई इडियंस अपने घर वानखेड़े स्टेडियम में मंगलवार को आईपीएल 2025 के रिटर्न मैच में गुजरात टाइटंस को हरा उससे अहमदाबाद में मिली 38 रन की हार का हिसाब चुकाने उतरेगी। मुंबई इंडियंस के 11 मैचों में सात जीत और चार हार के साथ और गुजरात टाइटंस के दस मैचों में सात जीत और मात्र तीन हार के साथ समान रूप से 14-14 अंक हैं। मुंबई अपनी बेहतर नेट रन रेट के कारण गुजरात टाइटंस से एक पायदान उपर चौथे स्थान पर है। गुजरात टाइटंस को मुंबई इंडियंस के मंगलवार को मैच के बाद बाकी तीन में से दो अपने घर में खेलने हैं। गुजरात टाइटंस के हक में एक और बात यह है कि उसने अपपे घर में चार में तीन मैच जीते हैं और मात्र एक हारा है। गुजरात टाइटंस के पास जीत के साथ शीर्ष दो में रह कर प्ले ऑफ में पहुंचने का मौका है। मुंबई इंडियंस की नेट रन रेट सभी टीमों में सबसे उंची है और इससे उसके पास भी शीर्ष पर रह कर प्ले ऑफ में पहुंचने का मौका होगा। समान रूप से पांच पांच अर्द्धशतक जड़ने वाले बाएं हाथ के साई सुदर्शन (कुल 504 रन), उनके सलामी जोड़ीदार कप्तान शुभमन गिल (465 रन) और जोस बटलर (470 रन) सहित गुजरात टाइटंस के तीन बल्लेबाज मौजूदा सीजन में छह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीन बल्लेबाजों में शामिल हैं। फिलहाल ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाने वाले विराट कोहली (11 मैच, छह अर्द्धशतक, 505 रन) से एक मैच कम खेल सुदर्शन रन उनसे मात्र एक रन पीछे और दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस से अपने पिछले पांच में लगातार तीन मैच जीते हैं और वह अब उसे उसके घर में हरा कर जीत का चौका लगा खुद शीर्ष पर पहुंचने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। शेरफन रदरफर्ड (8 मैच 201 रन) निचले मध्यक्रम में तूफानी पारी खेल कर उसे बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान कर रहे हैं।

गुजरात टाइटंस के पास सपर सब के रूप में वाशिंगटन सुंदर के रूप में बढ़िया विकल्प है। सीजन के अधबीच फिट होकर वापसी करने वाले भारत और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह (7 मैच,11 विकेट) के आते ही लय पाने से मुबई इंडियंस की किस्मत ही पलट गई है। गुजरात टाइटंस के शीर्ष क्रम को मुंबई इंडियंस के बुमराह के साथ न्यूजीलेंड के ट्रेंट बोल्ट (11 मैच, 16 विकेट), कप्तान हार्दिक पांडया (10 मैच, 13 विकेट) की त्रिमूर्ति से चौकस रहने की जरूरत है। इन तीनों का 11 मैचों में 9 विकेट चटकाने वाले तेज गेदबाज दीपक चाहर ने अच्छा साथ निभाया है।

मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी बात है कि उसके लिए 360 डिग्री सूर्य कुमार यादव तीन अर्द्धशतक सहित 11 मैचों में 475 रन बना रन बनाने में मौजूदा सीजन में तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। मुंबई के लिए तीन तीन अर्द्धशतक शतक जड़ने वाले रेयन रिकल्टन (11 मैच, 347 रन) व रोहित शर्मा (293 रन) की सलामी जोड़ी इस सीजन के अधबीच रंग में लौट आई है और दो अर्द्धशतक जड़ने वाले तिलक वर्मा (11 मैच, 239 रन) के साथ निचले क्रम में कप्तान हार्दिक पांडया ने सही वक्त पर उपयोगी पारियां खेल कर दस में 155 रन बना अच्छा योगदान किया है। गुजरात टाइटंस के लिए अपनी लंबाई का लाभ उठा बल्लेबाजों को अपने उछाल से परेशान करने वाले तेज गेदबाज प्रसिद्ध कृष्ण दस मैचों मे 19 विकेट ले पर्पल कैप पर कब्जा जमाए हैं जबकि

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने दस मैचों में 14 विकेट चटकाए हैं। बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर (10 मैच, 12 विकेट), लेग स्पिनर राशिद खान (10 मैच, 7 विकेट) ने बहुत चतुराई से गेंदबाजी की। मुंबई के रोहित,रिकल्टन के साथ सूर्य और तिलक वर्मा को खासतौर पर प्रसिद्ध व सिराज के खिलाफ चौकस रहना होगा।

'हम जानते हैं स्कोर बोर्ड को कैसे आगे बढ़ाना है'

'अहमदाबाद में काली मिट्टी की पिच पर छक्के जड़ना आसान नहीं था। जिस तरह हमारा शीर्ष क्रम खेला हम जानते हैं कि स्कोरबोर्ड को आगे कैसे बढ़ाना है। हमारी इस बाबत बात नहीं हुई कि हमारे शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों में किसी एक को आखिर तक बल्लेबाजी करनी है। हम बस रन बनाने और अपना सर्वश्रेष्ठ करने को बेताब थे। हमारे तेज गेदबाजों प्रसिद्ध, इशांत और यहां तक की जेराल्ड कोइत्जी तक ने बढ़िया गेंदबाजी कर हमें अपने स्कोर का बचाव करने में मदद की।

शुभमन गिल, गुजरात टाइटंस, कप्तान

'सबसे ज्यादा विकेट चटका मौजूदा आईपीएल में पर्पल कैप लेकर भी कुछ अलग नहीं महसूस कर रहा। हमारे लिए सबसे अहम था जीतना। हमें दो लंबी ब्रेक मिली। हमारे लिए अपने घर में जीतना अहम था। मेरा लेंग्थ पर नियंत्रण बढ़िया रहा। मैं आज जिस मुकाम पर पहुंचा हूं उसमे टीम से बहुत सहयोग मिला। आप जब बाद मे गेदबाजी करने जाते हैं तो फिर पहले गेदबाजी करने वाली टीम के गेदबाजो की हर गेंद को देखते हैं। फिर अनुभवी खिलाड़ियों से बात होती है और फिर कोशिश सही जगह गेदबाजी करने की होती है।

प्रसिद्ध कृष्णा, गुजरात टाइटंस

'हमने बढ़िया बल्लेबाजी व सधी हुई गेंदबाजी की'

'हमने बढ़िया बल्लेबाजी तो की ही हमारी गेंदबाजी भी बहुत सधी हुई रही। जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत बेहतरीन रही। हम 15 रन और बना सकते थे। हमारी आपस में बस यही बात हुई कि हमें अपने सामान्य शॉट खेलने हैं। सूर्य और मैंने आपस मे यही कहा कि समझबूझ कर अपने शॉट खेले और रोहित और रिकल्टन भी इसी अंदाज में खेले। कुछ मिलाकर हमने शानदार बल्लेबाजी की। बतौर टीम हमने बेहतरीन बल्लेबाजी की। हमने सामान्य क्रिकेट खेली और हमारे लिए यह कारगर रहा।

-हार्दिक पांडया, मुंबई इंडियंस कप्तान

नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए टिकटों की बिक्री शुरू

बेंगलुरु, 5 मई (एजेंसियां)। 24 मई को श्री कांतीरवा स्टेडियम में होने वाले बहुप्रतीक्षित नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के लिए उत्साह के साथ, आयोजकों ने इस एकदिवसीय भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए टिकटों की बिक्री की घोषणा की है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) इस ऐतिहासिक आयोजन की आधिकारिक मंजूरी देने वाली संस्था है, जिसमें दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर, एंडरसन पीटर्स और अन्य सहित कई ओलंपिक पदक विजेता भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा सह-आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए टिकट अब लाइव हैं। डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर है, और टिकट जोमैटो के डिस्ट्रिक्ट ऐप के माध्यम से खरीदे जा सकते हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'नीरज चोपड़ा क्लासिक के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक है, जिससे यह सभी प्रशंसकों के लिए सुलभ है। प्रीमियम अनुभव की तलाश करने वालों के लिए, स्टेडियम के उत्तरी छोर पर पांच कॉर्पोरेट बॉक्स बनाए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में 15 अतिथियों के ठहरने की व्यवस्था है, जिसकी कीमत 44,999 रुपए है। वीजा क्रेडिट कार्ड धारकों को टिकटों पर 10 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाएगी।' दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, थ्रोअर के रनवे के साथ एक विशेष स्टैंड बनाया गया है, जिससे प्रशंसकों को एक्शन का नजदीक से नजारा देखने को मिलेगा। इस विशेष स्टैंड के लिए टिकटों की कीमत 9,999 रुपये है। इसके अलावा, स्टेडियम के उत्तरी ऊपरी स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड बनाया गया है, जो थ्रोअर के रनवे के ठीक पीछे स्थित है, जिसके टिकट 2,999 रुपए में उपलब्ध हैं।

जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव ने कहा, 'नीरज चोपड़ा क्लासिक भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ा कदम है। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड इवेंट के रूप में, यह दुनिया की कुछ बेहतरीन भाला प्रतिभाओं को पहली बार बेंगलुरु में लाता है। हमने सुनिश्चित किया है कि यह अनुभव विश्व स्तरीय हो, लेकिन सुलभ भी हो - टिकट की कीमत से लेकर इवेंट को कैसे आयोजित किया जाता है।

भारत ने आईटीएफ एशिया 14 और अंडर डेवलपमेंट चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस के लिए यह सुनहरा पखवाड़ा रहा, क्योंकि देश ने नई दिल्ली के आर.के. खन्ना टेनिस स्टेडियम में आयोजित आईटीएफ एशिया 14 और अंडर डेवलपमेंट चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के अभियान का मुख्य आकर्षण गुजरात की जेन्सी का शानदार प्रदर्शन रहा, जो दो सप्ताह तक चली कड़ी प्रतिस्पर्धा में अपराजित रही। युवा सनसनी ने चीनी ताइपे की त्साई-जंग चियांग पर 1-6, 6-3, 6-4 से रोमांचक फाइनल में जीत हासिल करते हुए सप्ताह 2 का एकल खिताब जीता। जेन्सी की निरंतरता और दृढ़ता अब उन्हें प्रतिष्ठित रोड टू विंबलडन इवेंट और एशियाई टीम के यूरोपीय दौरे तक ले जाएगी -

जो उनके युवा करियर में एक बड़ा कदम है। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रतिभा की गहराई भी दिखाई:

विवान मिर्धा - 7वां स्थान
विराज चौधरी - 8वां स्थान
सृष्टि - 7वां स्थान

भारत 16 प्रतिभागी देशों में दूसरे स्थान पर रहा, अंक तालिका में केवल कोरिया ही आगे रहा। यह परिणाम एआईटीए, भारतीय कोचिंग टीम के सामूहिक प्रयास का प्रमाण है, जिसमें कप्तान ईशा चोपड़ा भी शामिल हैं, जिन्होंने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) देश भर में जूनियर प्रतिभाओं की पहचान और विकास के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारत महाद्वीपीय और वैश्विक मंच पर चमकता रहे।

सार संक्षेप

रबाडा के मनोरंजक दवाओं के सकारात्मक परीक्षण को सार्वजानिक रूप से छुपाने से खुश नहीं हैं पेन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन इस बात से खुश नहीं हैं कि कैसे कैगिसो रबाडा के मनोरंजक दवाओं के सेवन के बाद सकारात्मक परीक्षण को सार्वजनिक रूप से छिपाया गया। अप्रैल में, रबाडा गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लिए आईपीएल 2025 के पहले दो मैच खेलने के बाद घर लौट आए। उस समय, फ्रेंचाइजी ने कहा कि रबाडा का प्रस्थान एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत मामले में भाग लेने के कारण था। शनिवार को, दक्षिण अफ्रीका क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के एक बयान के माध्यम से, रबाडा ने पुष्टि की कि प्रतिबंधित पदार्थ, जो एक अनिर्दिष्ट मनोरंजक दवा है, के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद वह अंतिम निलंबन के तहत थे। 'यह बहुत बुरा है। मुझे व्यक्तिगत मुद्दों के इर्द-गिर्द इस तरह का इस्तेमाल पसंद नहीं है, और इसका इस्तेमाल उन चीजों को छिपाने के लिए किया जा रहा है जो व्यक्तिगत मुद्दे नहीं हैं। अगर आपके पास कोई पेशेवर खिलाड़ी है जिसका किसी टूर्नामेंट के दौरान मनोरंजक दवाओं के लिए परीक्षण किया जाता है, जिसमें वह खेल रहा है, तो यह मेरे लिए व्यक्तिगत मुद्दों में नहीं आता है।'

नार्दन यूनाइटेड, हॉप्स, सुदेवा और शास्त्री की जीत

नई दिल्ली। यमन और अखिलेश देवरानी के गोलों से नार्दन यूनाइटेड फुटबाल क्लब ने अजमल एफसी को 2-1 से हरा कर डीएसए पुरुष सीनियर डिवीजन लीग के संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज की द्य अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर खेले गए मैच में पराजित टीम का गोल नवजिंदर ने किया। एक अन्य मैच में शास्त्री फुटबाल क्लब ने एम 2एम को 2-1 से हराया। नेहरू स्टेडियम परिसर में खेली जा रही महिला प्रीमियर लीग में हॉप्स ने वर्षा रानी की तिकड़ी सहित जमाए चार गोलों से ईमी हीरोज एफसी को 6-0 से पीटा। शैजा और रजनी बाला ने एक-एक गोल किए द्य एक अन्य मुकाबले में सुदेवा दिल्ली एफसी ने ईमी हीरोज एफसी को 2-0 से परास्त किया द्य सुदेवा के लिए तनु और अनीता ने गोल जमाए द्य के हरितालिका को प्लेयर ऑफ द मैच आंका गया। शास्त्री के गोल वसलामसुक और होवगोथांग होकिप ने किए तो शाइबोर ने पराजित टीम का गोल बनाया।

अभ्यास के दौरान गेंद को अच्छी तरह से हिट कर रहा था, जानता था कि कुछ बड़ा होने वाला है: रसेल

नई दिल्ली, 5 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अनुभवी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने कहा कि उन्हें पता था कि वह बड़ा स्कोर बनाने वाले हैं, उन्होंने कहा कि वह अभ्यास सत्रों में गेंद को अच्छी तरह से हिट कर रहे थे। ईडन गार्डन्स में, रसेल, जो अच्छी बल्लेबाजी फॉर्म के लिए संघर्ष कर रहे थे, ने डेथ ओवरों में 12 गेंदों में 41 रन बनाए, और 25 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाए, जिससे केकेआर ने 20 ओवरों में 206/4 रन बनाए, जो राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को सिर्फ एक रन से हराने के लिए पर्याप्त था।

उन्होंने सोमवार को आईपीएलटी20डॉटकॉम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'पिछले कुछ मैचों में मौसम थोड़ा सूखा रहा है, लेकिन मैं अभ्यास में गेंद को अच्छी तरह से हिट कर रहा हूं, इसलिए मुझे पता है कि कुछ बड़ा होने वाला है। मैं अपनी तकनीक या जो कुछ भी हो रहा था, उसके बारे में चिंतित नहीं था। भीड़ में कुछ गेंदें मारना और बस उस बड़ी जयकार को प्राप्त करना अच्छा था और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम यहां जीत के साथ समाप्त होते हैं।' हालांकि रसेल ने सिर्फ एक ओवर फेंका और बिना किसी विकेट के

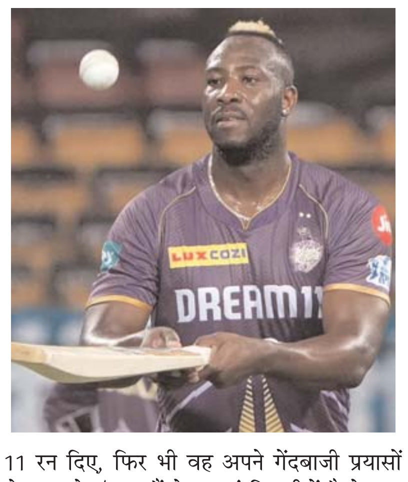

11 रन दिए, फिर भी वह अपने गेंदबाजी प्रयासों से खुश थे। 'जब मैं देखता हूं कि चीजें कैसे चल रही हैं और हमारे पास जो गेंदबाजी आक्रमण है, तो मेरे लिए खुद को एक और भूमिका देना आसान है, जहां मैं आता हूं और पीछे के छोर पर कुछ यॉर्कर फेंकता हूं और निष्पादित करने का प्रयास करता हूं।

इटालियन ओपन : निलंबन के बाद विश्व नंबर 1 की वापसी पर अल्काराज, सिनर अलग-अलग हॉफ में होंगे

रोम, 5 मई (एजेंसियां)। विश्व नंबर 1 जानिक सिनर रोम में सोमवार को ड्रॉ समारोह के बाद क्ले-कोर्ट एटीपी मास्टर्स 1000 इटालियन ओपन में मारियानो नवोन या वाइल्ड कार्ड फेडेरिको सिना के खिलाफ खेलेंगे। 23 वर्षीय खिलाड़ी जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद साल का सिर्फ दूसरा टूर्नामेंट खेलेंगे और वाडा के साथ केस समाधान समझौते में तीन महीने की अयोग्यता पूरी करने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट होगा। अगर सिनर और विश्व नंबर 3 कार्लोस अल्काराज इंटरनेशनली बीएनएल डी-इटालिया में अपनी रोमांचक प्रतिद्वंद्विता को फिर से जगाते हैं, तो यह चैंपियनशिप मैच में होना चाहिए, क्योंकि एटीपी के अनुसार ब्रैकेट के विपरीत दिशाओं में ड्रॉ किया गया है। सिनर का क्वार्टरफाइनल में मैड्रिड चैंपियन कैस्पर रूड से मुकाबला हो सकता है, जिनके खिलाफ इटालियन एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 3-0 से आगे हैं। अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतने के

बाद, रूड रोम में रोमन सफीउलिन या अलेक्जेंडर बुब्लिक के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

मैड्रिड में मास्टर्स 1000 से हटने के बाद, अल्काराज जान-लेनार्ड स्ट्रफ या योशिहितो निशिओका के खिलाफ मुकाबले में वापसी करेंगे। स्पेन के इस खिलाड़ी को बार्सिलोना में चैंपियनशिप-मैच के दौरान चोट लग गई थी, लेकिन रोम में वापसी की उम्मीद है, जहां वह सिर्फ दूसरी बार प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अल्काराज को क्वार्टरफाइनल में विश्व नंबर 5 और मैड्रिड उपविजेता जैक ड्रेपर से भिड़ना पड़ सकता है।

डिफेंडिंग चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर या अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली के खिलाफ करेंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने मैड्रिड में चौथे दौर में अपनी सात मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त होते देखा, जहां उन्हें फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। ज्वेरेव एक दिलचस्प सेमीफाइनल में अल्काराज का सामना कर सकते हैं, लेकिन जर्मन को पहले एक चुनौतीपूर्ण क्वार्टर से गुजरना होगा, जिसमें लोरेंजो मुसेट्टी, दानिल मेदवेदेव, आर्थर फिल्स और स्टेफानोस सितसिपास शामिल हैं। मेदवेदेव, जिन्होंने 2023 में रोम में अपना सबसे हालिया टूर-लेवल खिताब जीता था, क्वालीफायर या क्रिस्टोफर ओ-कॉनेल के खिलाफ शुरुआत करेंगे। 29 वर्षीय ज्वेरेव चौथे दौर में मुसेट्टी से भिड़ सकते हैं, जिन्होंने सोमवार को शीर्ष 10 में पदार्पण किया।

भारत का सफेद गेंद के प्रारूपों में शीर्ष स्थान बरकरार, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में चोटी पर कायम

दुबई, 5 मई (एजेंसियां)। भारत ने आईसीसी पुरुष वनडे और टी20 रैंकिंग में अपना नंबर एक स्थान बनाए रखा, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को प्रीमियर क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक अपडेट के बाद टेस्ट टीम रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बनाए रखने में कामयाबी हासिल की। नवीनतम रैंकिंग, जो मई 2024 से खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो वर्षों के मैचों को 50 प्रतिशत पर रेट करती है, वार्षिक अपडेट के बाद टी20 में रिकॉर्ड 100 टीमों को सूचीबद्ध करती है। वनडे के वार्षिक अपडेट में, भारत ने अपनी बढ़त 12 से 15 अंकों तक सुधारी है और 124

आईसीसी वार्षिक रैंकिंग

रेटिंग अंक पर है। 2025 आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत पिछले साल की सफल अवधि का मुख्य आकर्षण थी, जिसमें अगस्त 2024 में श्रीलंका के खिलाफ एक विदेशी श्रृंखला हारने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ 3-0 की घरेलू श्रृंखला जीत भी शामिल थी। चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता रहे न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। लेकिन श्रीलंका ने सबसे बड़ा सुधार किया है - पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ते हुए दो स्थान ऊपर छठे से चौथे स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को पीछे छोड़ दिया है जबकि वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को पीछे छोड़ते हुए नौवां स्थान हासिल किया है। टी20 के मामले में, भारत अभी भी शीर्ष पर बना हुआ है, भले ही ऑस्ट्रेलिया पर उनकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक रह गई हो। पिछले साल उन्होंने पुरुष टी20 विश्व कप जीता, उसके बाद बांग्लादेश और श्रीलंका पर 3-0 से श्रृंखला जीती और इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे पर अन्य श्रृंखला जीती। शीर्ष छह में कोई अन्य बदलाव नहीं हुआ है। 2022 के विजेता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका इसी क्रम में हैं। 2014 के विजेता श्रीलंका ने 2009 के चैंपियन पाकिस्तान को पछाड़कर सातवां स्थान हासिल कर लिया है, जबकि आयरलैंड अब जिम्बाब्वे से आगे 11वें स्थान पर है। रेटिंग अंकों के मामले में सबसे बड़ा लाभ कनाडा को हुआ है, जिसकी नौ अंकों की बढ़त ने उन्हें 19वें स्थान पर पहुंचा दिया है और ओमान से आगे है, जो रैंकिंग अंकों के मामले में सबसे बड़ा नुकसान उठाने वाले हैं, जिसमें आठ अंकों की गिरावट आई है।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	11	8	3	16	+0.482
2-	पंजाब किंग्स	11	7	3	15	+0.376
3-	मुंबई इंडियंस	11	7	4	14	+1.274
4-	गुजरात टाइटंस	10	7	3	14	+0.867
5-	दिल्ली कैपिटल	10	6	4	12	+0. 362
6-	कोलकाता नाइट राइडर	11	5	5	11	+0.249
7-	लखनऊ सुपर जायंट्स	10	5	5	10	+0.325
8-	राजस्थान रॉयल्स	12	3	9	6	-0.716
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	10	3	7	6	-1.192
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	11	2	9	4	-1.117